फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, सोमवार 14 सितंबर 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेट
3- मार्केटिगं एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सम्पर्क करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 254 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

वनतारा से 13 महीने बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी

- हजारों लोगों ने रास्ते में खड़े होकर फूल बरसाकर किया स्वागत

कोल्हापुर (एजेंसी)। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत

किया। महादेवी को जुलाई 2025 में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे। मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 9 सितंबर 2026 को हाई पावर कमेटी ने नांदणी की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर भेजने का आदेश दिया था।

रात करीब 2 बजे मठ पहुंची महादेवी

महादेवी को वनतारा से गुरुवार शाम करीब 5 बजे रवाना किया गया था। करीब 1,160 किलोमीटर लंबा सफर तय करने के बाद वह शनिवार रात करीब 2 बजे नांदणी जैन मठ पहुंची। उसके पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए।

अब उत्तराखंड में पहाड़ के नीचे दौड़ेगी ट्रेन

- 11 किलोमीटर लंबी सुरंग हो गई आर-पार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना ने शुक्रवार को एक और बड़ा पड़ाव पार कर लिया। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत टिहरी जिले के ढालवाला में बन रही पहली एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू पूरा हो गया। यानी सुरंग के दोनों छोर आखिरकार आपस में

जुड़ गए। इस ब्रेकथ्रू के साथ ही 10.847 किलोमीटर लंबी एस्केप टनल-1 पूरी तरह आर-पार हो गई है। यह देश की दूसरी सबसे लंबी रेलवे सुरंग है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना उत्तराखंड के बेहद कठिन और पहाड़ी इलाके से होकर गुजर रही है। यहां रेल लाइन बिछाने से ज्यादा चुनौती सुरंगों का निर्माण है। ऊंचे पहाड़, कठिन भूगर्भीय परिस्थितियां और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सुरंग निर्माण का काम लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सबसे बड़ी खासियत और चुनौती इसकी सुरंगें हैं। पूरी परियोजना में कुल 28 सुरंगों का निर्माण किया जाना है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 22 सुरंगों का काम पूरा हो चुका है।

गणेशोत्सव आज से, घर-घर विराजेंगे बप्पा

इस बार हरतालिका तीज का भी साथ में बन रहा संयोग

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में कल 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इसी दिन हरतालिका तीज का व्रत भी है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार तृतीया युक्त चतुर्थी का संयोग बन रहा है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष माना गया है। हरतालिका तीज पर पूजन-व्रत से सुख-सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना की जाती है। कल चतुर्थी से ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इस दौरान उज्जैन के प्रसिद्ध चिंतामन गणेश और बड़े गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना चलेगी, जिसमें देश-विदेश से आए श्रद्धालु शामिल होंगे।

तृतीया-चतुर्थी का संयोग विशेष फलदायी

ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बावाला ने बताया कि शास्त्रीय मत में यदि हरतालिका तीज, चतुर्थी के साथ आती है तो इसे सामान्य से अधिक फलदायी माना जाता है। तृतीया युक्त चतुर्थी को सुख-सौभाग्य, परिवार की समृद्धि और पति की दीर्घायु के लिए विशेष माना गया है। इस बार गणेश चतुर्थी सोमवार को पड़ रही है। सोमवार के स्वामी भगवान शिव माने गए हैं और चतुर्थी तिथि के स्वामी भगवान गणेश हैं। ऐसे में गणेश जी के साथ शिव जी के भक्तों के लिए इस दिन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि गणेश पूजा से बुद्धि, विवेक, सुख-समृद्धि और कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। भगवान गणेश की पूजा में हरी और ताजी दूर्वा चढ़ाना शुभ माना जाता है। भगवान को लाल फूल, विशेषकर गुड़हल, लाल चंदन, सिंदूर और लाल या पीले वस्त्र अर्पित किए जाते हैं। पूजा में शमी के पत्ते भी चढ़ाएं। भोग में मोदक, लड्डू, फल, नारियल और अन्य मिठाइयां रखी जा सकती हैं। गणेश पूजा में तुलसी दल नहीं रखना चाहिए।

इंडोनेशिया में 243 यात्री वाला जहाज समंदर में डूबा

- 102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत, 140 की तलाश जारी

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 1 की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 140 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था।

गोवा में एएपी ने जीएफपी के साथ किया गठबंधन

- अरविंद केजरीवाल ने खुद किया ऐलान, साथ में लड़ेंगे विस चुनाव

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर इस गठबंधन की घोषणा की। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोगों के लिए गणेश चतुर्थी के मौके पर यह एक बड़ा तोहफा है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के गठबंधन का नाम गोवा फर्स्ट होगा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में इस गठबंधन की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि पिछले कई वर्षों से लोगों के सामने सीमित राजनीतिक विकल्प रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के मतदाता कभी बीजेपी तो कभी कांग्रेस को सत्ता में चुनते रहे हैं, लेकिन अब उनके सामने एक नया विकल्प होगा। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि गोवा में बीजेपी और कांग्रेस के बीच गठबंधन चल रहा है।

बीजेपी को पता है उसकी सरकार नहीं बनेगी

केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी वालों को पता है कि उनके सरकार नहीं आने वाली। उन्हें पता उनकी बहुमत नहीं मिलने वाला। इसके बावजूत वो कॉन्फिडेंट है कि वो सरकार बना लेंगे। लेकिन अब लोगों के पास एक नया ऑप्शन आ गया।

ब्रिक्स की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है

पीएम मोदी बोले-ग्लोबल साउथ देशों का भरोसा बढ़ा

सहयोग और विविधता को सेलिब्रेट कर पूरी हुई ब्रिक्स समिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विविधता और सहयोग को सेलीब्रेट करते हुए ब्रिक्स समिट पूरी हुई। इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत ने की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास बढ़ा है, क्योंकि ब्रिक्स में उनकी आवाज सुनी जाती है, उनके अनुभव का सम्मान होता है और समाधान उनके लिए नहीं, उनके साथ मिलकर बनाए जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है। ब्रिक्स के पार्टनर देश और आउटरीच के लिए आमंत्रित विशेष प्रतिनिधियों के साथ एक सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नॉलजी और क्रिटिकल मिनरल्स का वेपनाइजेशन हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है।

पीएम मोदी का सबको साथ लेकर चलने पर जोर

पीएम ने कहा कि महामारियों, क्लाइमेट डिजास्टर और सप्लाई चेन में गतिरोध ने दिखाया है कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसलिए हमने ब्रिक्स समूह में कई कदम उठाए हैं। मोदी ने कहा कि टेक्नॉलजी और क्रिटिकल मिनरल्स का वेपनाइजेशन हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इसलिए हमने टेक्नॉलजी को अपनाने में सबको साथ लेकर चलने पर जोर दिया है।

कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। चुनौतियों को समय रहते पहचानना, उनके लिए तैयार रहना और तुरंत कार्रवाई करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में तनावों की संख्या लगातार बढ़ रही है और लोगों के जीवन पर इसका बहुत नकारात्मक असर प्रभाव भी हो रहा है और व्यापक प्रभाव भी हो रहा है।

मित्रता, सहभागिता और सहयोग...ऐसे हुआ समापन

उन्होंने कहा कि भारत ने ब्रिक्स के मंच से मित्रता, सहभागिता और सहयोग को आगे बढ़ाया है। हमारी कोशिश है कि ब्रिक्स सहयोग सिर्फ सरकारों तक सीमित ना रहे। हमारे उद्यमी, किसान, रिसर्चर, महिलाएं, युवा इसके सक्रिय भागीदार बनें।

राहुल गांधी से मिले मलेशियाई पीएम, साथ में किया नाश्ता

नेता प्रतिपक्ष को गुड फ्रेंड बताया, हर भारत दौरे पर मिलते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। यह मीटिंग ब्रिक्स

समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया। लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और पीएम इब्राहिम ने एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की हैं। इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त राहुल गांधी से एक बार फिर मिलने का मौका मिला। हमने हाल के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने विचार शेयर किए।

8 सालों में राहुल से भारत में तीसरी बार मिले इब्राहिम

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम पिछले 8 सालों के दौरान तीन बार भारत आए। हर बार उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात जरूर की। राहुल गांधी और अनवर इब्राहिम की पहली मुलाकात जनवरी 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। उस समय अनवर मलेशिया के प्रधानमंत्री नहीं थे। वे पार्टी के अध्यक्ष और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री के तौर पर रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने भारत आए थे। तब राहुल कांग्रेस अध्यक्ष थे। 21 अगस्त 2024 को पीएम बनने के बाद अनवर इब्राहिम भारत आए थे। इस दौरान भी उन्होंने राहुल से मुलाकात की थी।

घुसपैठ कर रहे बांग्लादेशी तस्कर को बीएसएफ ने मारा

बीजीबी ने कबूला सच, तारिक रहमान सरकार निशाने पर

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसी)। बीएसएफ ने भारत की सीमा में घुसपैठ करने वाले एक बांग्लादेशी तस्कर को मार गिराया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये तस्कर बांग्लादेश के ठाकुरगाव के पीरगंज उपजिले में सीमा के पास मारा गया है। प्रोथोम आलो ने बताया है कि बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की गोलीबारी में घायल हुए बांग्लादेशी तस्कर की इलाज के दौरान मौत हो गई। भारत के उत्तरी दिनाजपुर जिले के रायगंज में चोकशिबानंद कैंप के बीएसएफ जवानों की गोली से असदुल हक नाम का ये तस्कर घायल हुआ था। बीएसएफ ने शनिवार सुबह आरोपी तस्कर को एक अस्पताल में भर्ती करवाया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मायावती ने बीमार होने की अफवाहों को किया खारिज

कहा-बिल्कुल ठीक हूं, आकाश अभी भी ससुर के दिमाग से चल रहे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी बीमारी की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। अपना काम कर रही हूं। मायावती बोलीं- पार्टी से निकाले गए लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि मैं बीमार हूं इसलिए बड़े मामलों पर भी सीधे एक्स पर ट्वीट करके जानकारी दे रही हूं। इसी वजह से आज मैं आपके सामने आई हूं। उन्होंने कहा- इसका सबूत है कि पार्टी के इंचार्ज आलोक कुमार के पास शनिवार रात 10.04 बजे भतीजे आकाश आनंद का फोन आया।

मायावती ने भतीजी को पार्टी सौंपने के संकेत दिए थे

मायावती ने 4 दिन पहले आकाश को पार्टी में पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने की शर्त रखी थी। 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने संन्यास का ऐलान कर दिया। इसके बाद भी मायावती ने आकाश को पार्टी में पद नहीं दिया। ट्वीट करके आकाश को पार्टी से बाहर कर दिया।

भारत को तोड़ने वाले यूनाइटेड किंगडम के होंगे 3 टुकड़े!

- स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के नेता आज करेंगे ऐतिहासिक समझौता

लंदन (एजेंसी)। कार्डिफ में रविवार रात हुए एक सीक्रेट राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे यूनाइटेड किंगडम के भविष्य पर बहुत बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। द टेलीग्राफ की एक सनसनीखेज रिपोर्ट के मुताबिक यूके का इतिहास बदलने वाले एक समझौते पर दस्तखत करने के लिए स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के शीर्ष नेता एक मंच पर जुट रहे हैं। सोमवार को होने वाली इस अभूतपूर्व बैठक में तीनों राष्ट्रों के फर्स्ट मिनिस्टर्स जॉन स्विनी, रून एप आयोवर्थ और मिशेल ओ नील एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसका सीधा मकसद यूनाइटेड किंगडम को तीन हिस्सों में विभाजित करने और आजादी के लिए नया जनमत संग्रह कराने की राह आसान करना है। द टेलीग्राफ ने बताया है कि स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के नेता सोमवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए इकट्ठा होंगे जिसका मकसद यूनाइटेड किंगडम को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करना है।

ब्रिटेन के इतिहास में होगा यह पहला मौका

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि ब्रिटेन के इतिहास में यह पहला मौका है जब स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड तीनों ही स्थानों पर एक साथ आजादी का समर्थन करने वाली सरकारें सत्ता में हैं। इस त्रिस्तरीय गठबंधन ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम पर सीधा दबाव बना दिया है। एंडी बर्नहैम कुछ ही दिन पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने हैं और अब वो बड़ी मुसीबत में फंस चुके हैं।

DEV MEDICARE CHEMIST

Your Trusted Medical Store

SECTOR 7, FARIDABAD

Allopaathic & Ayurvedic Medicine

BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters

Surgical Items, Baby Products, Health Supplements

Wide Range of Cosmetics

DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES

ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)

Hours: 8 AM to 10 PM

100% Genuine Medicines
Experienced Staff

SINCE 2007

TARUN JEWELLERS

TODAY BIS HALLMARK

92% Gold Rate

₹1,36,600/-

Making Charges 8% | 100% BUY BACK + EXCHANGE

पिछले 19 वर्षों से हमारी दुकान एक ही स्थान पर हैं।
इसके अलावा हमारी कोई दूसरी ब्रांच नहीं हैं।

Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

साइबर थाना की कार्रवाई

5,12,000 रुपये की ठगी,खाता ऑपरेटर नागौर राजस्थान से काबू,पुलिस प्रवक्ता

फरीदाबाद- भेदी नजर, सुनील कुमार जांगड़ा, महिला का फोन हैक कर 5,12,000 रुपये की ठगी करने के एक मामले में कार्रवाई करते हुये साइबर थाना NIT की टीम ने सुनील वासी बाडवा, नागौर हाल देगाना, नागौर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपित को नागौर से 12 सितम्बर को काबू किया गया है। जिसको न्यायलय में पेश कर 3 दिन पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार डबुआ कालोनी वासी एक महिला ने पुलिस में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसके फोन पर एक लिंक आया, जिस पर क्लिक करते ही उसका फोन हैक हो गया और उसके खाता से 5,12,000 रुपये कट गये, जिसकी शिकायत पर साइबर थाना में मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई थी प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपित सुनील ने खाताधारक राधेश्याम का खाता आगे ठगों तक पहुंचाने का काम किया था। उक्त खाता में ठगी से जुडे हुए 23,743/-रू खाता में आये थे। सुनील को माननीय न्यायलय में पेश कर 3 दिन पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता जारी, पलवल के युवा एवं विद्यार्थी बढ़-चढ़कर लें भाग : उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर

● 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन क्विज 15 सितंबर तक रहेगी जारी ● सभी प्रतिभागियों को मिलेगा डिजिटल ई-प्रमाण पत्र

पलवल। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता जारी है। मायगोव के सहयोग से आयोजित यह राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता 15 सितंबर 2026 तक जारी रहेगी। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने पलवल जिले के युवाओं, स्कूली विद्यार्थियों, कॉलेज छात्रों तथा आम नागरिकों से इस राष्ट्रीय पहल में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल एक ऑनलाइन क्विज नहीं, बल्कि देश के इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और उन्हें अतीत की घटनाओं से परिचित कराने का सार्थक प्रयास है। उपायुक्त ने कहा कि भारत विभाजन के दौरान लाखों लोगों ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया। उनके संघर्ष, त्याग और विस्थापन की पीड़ा को समझना तथा राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे के महत्व को जानना आज की युवा पीढ़ी के लिए बेहद आवश्यक है। इस प्रकार की पहल युवाओं में इतिहास के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती हैं। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा उच्च शिक्षण संस्थानों से विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान प्रार्थना सभा, सूचना पट्ट, डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा अन्य माध्यमों से विद्यार्थियों को प्रतियोगिता की जानकारी दें और उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण के लिए प्रेरित करें। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि प्रतियोगिता पूरी तरह निःशुल्क है तथा इसमें सभी भारतीय नागरिक भाग ले सकते हैं। यह समयबद्ध ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता है। सफलतापूर्वक भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को मायगोव की ओर से डिजिटल ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने जिला के युवाओं एवं विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं, क्विज प्रतियोगिता में भाग लें और अपने मित्रों एवं परिवार के सदस्यों को भी इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी से देश के इतिहास, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव से जुड़ी इस महत्वपूर्ण पहल को मजबूती मिलेगी। इच्छुक प्रतिभागी https//quiz.mygov.in/?utm_source=chatgpt.com के क्विज पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बढ़े कदम

गांव आल्हापुर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित

पलवल। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से पलवल के गांव स्थित महाराजा अग्रसेन सामुदायिक भवन में निःशुल्क कृत्रिम अंग, कैलिपर एवं अन्य सहायक उपकरणों के फिटमेंट एवं वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हरियाणा सरकार में खेल, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता तथा कानून एवं विधायी कार्य राज्य मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि रहे। दिव्यांगजनों ने शिविर में पहुंचकर लाभ उठाया। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहां की दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोडना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्हें समान अवसर, सम्मान और आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सामाजिक विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है। शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, सहायक उपकरण तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिव्यांगजनों तक पहुंचाकर उनके जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है। समाज में जागरूकता बढ़ाकर दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना भी जरूरी है।

उन्हें कमजोर नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं और प्रतिभा के साथ आगे बढने वाले सशक्त नागरिक के रूप में देखना चाहिए। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पात्र दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग, कैलिपर एवं अन्य आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए तथा उनके स्वास्थ्य एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्य अतिथि गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार की एडीआईपी योजना के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों को आधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, जिससे उनकी दैनिक गतिविधियां आसान हो रही हैं।

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए आवेदन आमंत्रित : उपायुक्त

▸▸ लाभार्थी awards.gov.in/ पोर्टल पर 30 सितंबर 2026 तक कर सकते हैं आवेद ▸▸ उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने पुरस्कार के संबंध में दी जानकारी

पलवल। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। व्यक्तियों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। इसके लिए लाभार्थी awards.gov.in/ पोर्टल पर जाकर 30 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं. उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने पुरस्कार से जुड़ी अन्य जानकारी देते हुए बताया कि केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। संस्थानों, स्वैच्छिक संगठनों, कॉर्पोरेट संस्थाओं, शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने भारत में आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या ईए कार्य के क्षेत्र में काम किया हो। डीसी ने बताया कि आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए। पुरस्कार के संबंध में अधिक जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के पोर्टल पर उपलब्ध है।

इन बातों का रखें ध्यान :
उपायुक्त ने बताया कि इस पुरस्कार के लिए केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ-साथ कॉरपोरेट संस्थाओं, संस्थान स्वैच्छिक संगठनों, शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं।

कौन कर सकता है आवेदन :
पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने देश में शमन, आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, बचाव, प्रक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या इस कार्य क्षेत्र में काम किया हो। आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए। पुरस्कार के संबंध में अधिक जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के पोर्टल पर उपलब्ध है। जानकारी लेकर इसके लिए लाभार्थी आवेदन कर सकता है और पुरस्कार हासिल कर सकता है।

मेहनत को मंच मिले तो समाज खुद तरक्की करता है : रणबीर सिंह गंगवा

● 17 सितंबर को महेंद्रगढ़ में होने वाली राज्यस्तरीय विश्वकर्मा जयंती का न्योता दिया

● प्रतिभा सम्मान समारोह में जन स्वास्थ्य मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने किया प्रतिभाओं को सम्मानित

चंडीगढ़, 13 सितंबर। हरियाणा के लोक निर्माण तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा नारनौल के नांगल चौधरी स्थित जांगिड़ सभा भवन में श्री विश्वकर्मा सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था द्वारा आयोजित तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जन स्वास्थ्य मंत्री ने इस मौके पर 17 सितंबर को महेंद्रगढ़ में होने वाले राज्य स्तरीय विश्वकर्मा जयंती समारोह में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद श्री रामचंद्र जांगिड़, पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव और भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए जन स्वास्थ्य मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि किसी भी समाज और क्षेत्र की पहचान वहां की प्रतिभाओं से होती है। जब किसी युवा की मेहनत और उपलब्धि को समाज का सम्मान मिलता है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित होता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश के विकास के साथ-साथ युवाओं और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के हर क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश के युवाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था उपलब्ध कराई है और आज युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी मिलने का अवसर मिल रहा है।

श्री गंगवा ने कहा कि आज युवाओं के सामने शिक्षा, खेल, कला, विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। प्रदेश के प्रतिभावान युवा अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

इस अवसर पर उन्होंने जांगिड़ सभा भवन के निर्माण के लिए अपने ऐच्छिक कोटे से 15 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

इस मौके पर जन स्वास्थ्य मंत्री ने ओबीसी मोर्चा प्रदेश सचिव सरिता जांगिड़ को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जांगिड़ सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामपाल जांगिड़ सहित अभिभावक और समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

26 व 27 सितंबर को विशेष अभियान चलाकर वोट किए जाएंगे अपडेट

हर पात्र नागरिक का नाम वोटर लिस्ट में हो दर्ज

● 30 सितंबर 2026 तक फार्म-6 भरकर युवा बनवाएं अपना वोट

● मतदाताओं की जागरूकता से ही तैयार होगी त्रुटि रहित मतदाता सूची

पलवल। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में एसआईआर-2 (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया तेजी से जारी है। उन्होंने जिले के युवाओं से आह्वान किया कि जो नागरिक मतदाता बनने की पात्रता रखते हैं, वे 30 सितंबर 2026 तक फार्म-6 भरकर अपना वोट अवश्य बनवाएं। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि जिन मतदाताओं को दस्तावेज पूरे न होने के कारण नोटिस प्राप्त हुए हैं, वे अपने आवश्यक दस्तावेज संबंधित बीएलओ को उपलब्ध करवाकर अपने मतदाता विवरण को अपडेट करवाएं। उन्होंने कहा कि एसआईआर-2026 की प्रारंभिक मतदाता सूची में प्रत्येक मतदाता अपना नाम अवश्य जांच लें। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची में नहीं है तो वह अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करवाए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि जिले के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। इसके लिए मतदाताओं का जागरूक होना और निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करना बेहद जरूरी है।

जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि एसआईआर फेस-2 की प्रक्रिया को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए जिला में 26 सितंबर शनिवार और 27 सितंबर रविवार को विशेष अभियान आयोजित किए जाएंगे। इन दिनों सभी संबंधित बीएलओ अपने क्षेत्रों में उपलब्ध रहेंगे। मतदाता इन विशेष अभियानों का लाभ उठाते हुए अपने वोट बनवाने, नाम जुड़वाने अथवा मतदाता सूची में दर्ज विवरण को अपडेट करवाने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

फरीदाबाद हाफ मैराथन-2026 में तीन श्रेणियों में होगी दौड़, प्रतिभागियों की सुविधा के लिए समय व कट-ऑफ निर्धारित : डीसी आयुष सिन्हा

● 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर टाइम्ड रन और 5 किलोमीटर फन रन का होगा आयोजन

● खेल भावना, स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देगा हाफ मैराथन आयोजन

फरीदाबाद। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा ने बताया कि आगामी 27 सितंबर 2026 को सूरजकुंड मेला ग्राउंड, फरीदाबाद में आयोजित होने वाली फरीदाबाद हाफ मैराथन-2026 में प्रतिभागियों के लिए तीन अलग-अलग श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर टाइम्ड रन तथा 5 किलोमीटर फन रन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन प्रमुख प्रतिस्पर्धी दौड़ होगी, जो फरीदाबाद से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के AIMS-सर्टिफाइड कोर्स पर आयोजित की जाएगी। यह दौड़ RFIDचिप टाइम्ड होगी, जिसमें अनुभवी लॉन्ग-डिस्टेंस धावकों सहित प्रतिस्पर्धी प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। हाफ मैराथन का फ्लैग-ऑफ प्रातः 6 बजे होगा तथा इसका कट-ऑफ समय आधिकारिक फ्लैग-ऑफ से 3 घंटे निर्धारित किया गया है।

डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि 10 किलोमीटर टाइम्ड रन भी RFID चिप टाइम्ड प्रतिस्पर्धा होगी। सर्टिफाइड कोर्स पर आयोजित होने वाली 10 किलोमीटर दौड़ का फ्लैग-ऑफ प्रातः 7 बजे किया जाएगा तथा इसका कट-ऑफ समय आधिकारिक फ्लैग-ऑफ से 1 घंटा 30 मिनट निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 5 किलोमीटर फन रन को परिवारों, छात्रों, कॉर्पोरेट्स और नए धावकों की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है। यह नॉन-टाइम्ड फन रन होगी, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त हरियाणा के संदेश से जोड़ना है। 5 किलोमीटर फन रन का फ्लैग-ऑफ प्रातः 7:15 बजे होगा तथा इसमें प्रतिभागियों के लिए कट-ऑफ समय निर्धारित नहीं किया गया है। प्रतिभागी अपनी सुविधानुसार गति से दौड़ पूरी कर सकेंगे।

डीसी आयुष सिन्हा ने जिलेवासियों, युवाओं, खेल प्रेमियों, परिवारों तथा विभिन्न संस्थानों से आह्वान किया कि वे फरीदाबाद हाफ मैराथन-2026 में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर फिटनेस और नशामुक्त हरियाणा के संदेश को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन जिले में खेल भावना, स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर है।

करोड़ रुपये की 9 बड़ी विकास परियोजनाओं की निगमायुक्त ने की समीक्षा, समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

अमित ग्रोवर करनाल,

स्मार्ट रोड, आउटर बाईपास, स्काडा, कमर्शियल स्पेस, पार्क व सड़क परियोजनाओं की जानी प्रगति, देरी और गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं- सलोनी शर्मा, निगमायुक्त।

करनाल 13 सितंबर, शहर के विकास को नई गति देने तथा करनाल को आधुनिक एवं बेहतर नागरिक सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे बड़े विकास कार्यों की प्रगति को लेकर निगमायुक्त सलोनी शर्मा ने कैम्प कार्यालय में निगम के कार्यकारी अभियंताओं एवं सहायक अभियंता के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में निगमायुक्त ने लगभग 103 करोड़ 92 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाली 9 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, कार्य की गति, गुणवत्ता, तकनीकी मानकों तथा निर्धारित समय-सीमा की जानकारी ली और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बड़े विकास कार्यों में अनावश्यक देरी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी।

हर बड़े प्रोजेक्ट की गहन निगरानी के निर्देश:निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक बड़े प्रोजेक्ट की नियमित एवं गहन मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर सैंपल जांच करवाई जाए तथा निर्माण कार्यों में निर्धारित इंजीनियरिंग पैरामीटर्स और तकनीकी मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल समय पर पूरा करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता ऐसी होनी चाहिए कि परियोजनाएं लंबे समय तक सुरक्षित, मजबूत और पूरी तरह क्रियाशील रहें। इन परियोजनाओं की हुई समीक्षा, दिए उचित दिशा-निर्देश

1 आउटर बाईपास रोड—30 नवंबर तक पूरा करने के निर्देश:मेरठ रोड से शहीद उधम सिंह चौक तक निर्माणाधीन आउटर बाईपास रोड की प्रगति की समीक्षा की गई। निगमायुक्त को बताया गया कि परियोजना का लगभग 55 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना पर करीब 792.31 लाख रुपये की लागत आएगी। निगमायुक्त ने अभियंताओं को निर्देश दिए कि कार्य की गति और बढ़ाई जाए तथा 30 नवंबर तक परियोजना को हर हाल में पूर्ण करवाया जाए। उन्होंने निर्माण के दौरान गुणवत्ता एवं सड़क की मजबूती से संबंधित सभी तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

2 स्टॉर्म वाटर डिस्पोजल पर स्काडा सिस्टम—टेंडर प्रक्रिया जारी :शहर के स्टॉर्म वाटर डिस्पोजल सिस्टम व इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से प्रस्तावित स्काडा सिस्टम परियोजना की भी समीक्षा की गई। निगमायुक्त को बताया गया कि परियोजना के अनुमान को प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति मिल चुकी है तथा टेंडर फ्लोट करने की प्रक्रिया जारी है। इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 2282 लाख रुपये है। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी प्रक्रिया को निर्धारित समय के अनुसार तेजी से आगे बढ़ाया जाए, ताकि परियोजना को जल्द धरातल पर उतारा जा सके और शहर की जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक का लाभ मिल सके।

3 पुरानी अनाज मंडी में कमर्शियल स्पेस—31 अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश:पुरानी अनाज मंडी स्थित कमर्शियल स्पेस परियोजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इसका करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना पर करीब 3008 लाख रुपये की लागत आएगी। निगमायुक्त ने शेष कार्य को तेजी से पूरा करवाने के निर्देश देते हुए 31 अक्टूबर तक परियोजना पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित की। उन्होंने कहा कि जहां कार्य लगभग पूरा हो चुका है, वहां शेष गतिविधियों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाए तथा अंतिम चरण में गुणवत्ता जांच पर विशेष ध्यान दिया जाए।

पंजाब की जनता को चुटकुले नहीं, विकास और समस्याओं का समाधान चाहिए : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 13 सितंबर – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पंजाब की जनता को चुटकुले, प्रचार और विज्ञापन नहीं, बल्कि विकास, रोजगार, उद्योगों की सुरक्षा और अपनी समस्याओं का समाधान चाहिए। पंजाब के लोगों की क्षमता और परिश्रम में कभी कोई कमी नहीं रही, लेकिन प्रदेश को सही दिशा न दे पाने वाली सरकारों की नीति, नीयत और नेतृत्व ने पंजाब को विकास की दौड़ में पीछे कर दिया है।

मुख्यमंत्री रविवार को पटियाला के गांव ककराला में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री महारानी परनीत कौर व प्रोफेसर मलकीत सिंह व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। इस मौके पर सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा। मुख्यमंत्री ने सभी का पार्टी ज्वाइन करने पर स्वागत किया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब और हरियाणा भले ही दो अलग-अलग राज्य हैं, लेकिन दोनों की जड़ें, संस्कृति और विरासत एक हैं। गुरुओं, पीरों और बलिदानियों की इस महान धरती को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता अब पूछ रही है कि इतनी उपजाऊ धरती, मेहनती लोग और अपार संभावनाएं होने के बावजूद पंजाब पीछे क्यों रह गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय पंजाब देश के सबसे समृद्ध राज्यों में गिना जाता था। पंजाब बनने के लगभग 19 वर्ष बाद अस्तित्व में आया हरियाणा आज आर्थिक प्रगति में पंजाब से बहुत आगे निकल चुका है। वर्ष 2025-26 में हरियाणा की वास्तविक आर्थिक विकास दर 9.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि पंजाब की विकास दर केवल 6.1 प्रतिशत है। इस प्रकार हरियाणा, पंजाब से 3.4 प्रतिशत अधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी प्रकार, वर्ष 2026-27 में हरियाणा की अर्थव्यवस्था लगभग 15 लाख 18 हजार करोड़ रुपये और पंजाब की लगभग 9 लाख 81 हजार करोड़ रुपये अनुमानित है। दोनों राज्यों के आर्थिक आकार में लगभग 5 लाख 38 हजार करोड़ रुपये का अंतर है। यह अंतर सही नीति, साफ नीयत और जवाबदेह नेतृत्व का अंतर है।

प्रतिमाओं में प्राकृतिक सामग्री

चार राज्यों की मिट्टी से आकार ले रहे हैं गणपति बप्पा

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में गणेश चतुर्थी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में गणपति बप्पा की प्रतिमाएं अंतिम रूप ले रहीं हैं। इस बार इन प्रतिमाओं की खास बात यह है कि बप्पा को आकार देने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों से मिट्टी और दूसरी प्राकृतिक सामग्री दिल्ली पहुंच रही है। चार राज्यों की मिट्टी से तैयार हो रहे बप्पा इस बार लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कहीं बंगाल से लाई गई मिट्टी का इस्तेमाल हो रहा है तो कहीं मध्य प्रदेश से आई लकड़ी और बांस प्रतिमा को मजबूती दे रहे हैं। चार तरह की मिट्टी, पराली और दूसरी सामग्री को मिलाकर कारीगर प्रतिमाओं को ऐसा रूप दे रहे हैं कि तैयार होने के बाद भगवान गणेश का स्वरूप जीवंत नजर आता है। सागरपुर, मधु विहार, अर्जुन गढ़, सरोजिनी नगर, मुनिरका, भीकाजी कामा प्लेस, अर्जुन पार्क, कालकाजी और द्वारका समेत कई

इलाकों में गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रहीं हैं। इन जगहों पर करीब 100 कारीगर काम कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या महिला कारीगरों की है। कारीगरों के मुताबिक, प्रतिमा तैयार करने का काम गणेश चतुर्थी से करीब दो से तीन महीने पहले शुरू हो जाता है। सबसे पहले अलग-अलग तरह की मिट्टी को तैयार किया जाता है। इसके बाद पराली और दूसरी सामग्री की मदद से प्रतिमा का ढांचा बनाया जाता है। मिट्टी की परत चढ़ाकर उसे आकार दिया जाता है। सूखने के बाद प्रतिमा के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ा जाता है। गणपति की मांग मुख्य रूप से पूजा पंडालों के लिए है, जबकि छोटे आकार की प्रतिमाएं घरों में स्थापना के लिए खरीदी जा रही हैं।

बंगाल की काली मिट्टी से बन रहे बप्पा

गणेश प्रतिमाओं के लिए पश्चिम बंगाल से लाई जाने वाली मिट्टी की मांग ज्यादा है। कलाकारों के अनुसार, बंगाल की मिट्टी से प्रतिमा के चेहरे और शरीर की बारीक आकृतियों को उभारने में मदद मिलती है। वहीं, मध्य प्रदेश से लकड़ी और बांस समेत दूसरी सामग्री मंगाई जाती है। खंडवा और खरगोन जैसे इलाकों से आने वाली सामग्री का इस्तेमाल प्रतिमा के ढांचे को तैयार करने में किया जाता है। राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर तैयार हो रही प्रतिमाओं में छोटी मूर्तियों से लेकर 10 फुट से ज्यादा ऊंची प्रतिमाएं भी शामिल हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता कलराज मिश्र की पत्नी का निधन, नोएडा के अस्पताल में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का निधन हो गया है। इसकी जानकारी खुद कलराज मिश्र ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए दी। मिली जानकारी के अनुसार वह फेफड़ों के संक्रमण से पीड़ित थीं। नोएडा के मेट्रो हॉस्पिटल में शनिवार देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली। कलराज मिश्र की पत्नी के देहांत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हाल ही में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उप-राज्यपाल नियुक्त किए गए दिनेश शर्मा समेत तमाम राजनीति और सामाजिक हस्तियों ने शोक जताया है। अपनी पत्नी के निधन की जानकारी देते हुए कलराज मिश्र ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर उनकी एक तस्वीर भी साझा की। कलराज मिश्र ने लिखा- 'मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी, आज अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गई हैं, प्रभु उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें। ? शांति।' इस पोस्ट के सामने आने के बाद भाजपा और कलराज मिश्र के परिवार से जुड़े लोगों, उनके शुभचिंतकों और समर्थकों में शोक की लहर है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में शी चिनफिंग के भारत दौरे के खिलाफ तिब्बती संगठनों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच शनिवार रात तिब्बती यूथ कांग्रेस और स्टूडेंट्स फॉर ए फ्री तिब्बत के कार्यकर्ताओं ने इंडिया हैबिटेट सेंटर के बाहर प्रदर्शन कर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर लेकर चीन की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। एक बैनर पर लिखा था, 'शी चिनफिंग- नरसंहार।' वहीं, प्रदर्शन के दौरान मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया और करीब 50 लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति को नियंत्रित करने के बाद सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई की गई।

एअर इंडिया के पूर्व पायलट वसंत कुंज के एक होटल में मृत पाए गए, केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया के पूर्व पायलट दिल्ली के वसंत कुंज उत्तर क्षेत्र में स्थित द ग्रैंड होटल के एक कमरे में बेहोश पाए गए। जानकारी के मुताबिक उन्होंने 10 सितंबर को होटल में चेक-इन किया था। साउथ वेस्ट पुलिस अधिकारियों के अनुसार 11 सितंबर की शाम को उनके भाई ने होटल मैनेजर को सूचना दी कि वे फोन का जवाब नहीं दे रहे हैं। मैनेजर कमरे तक गए तो दरवाजा अंदर से बंद पाया। मास्टर चाबी से कमरा खोला गया और अंदर कप्तान बेहोश पाए गए। पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जांच के लिए एक क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। 12 सितंबर को सफदरजंग अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकल राय के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चलेगा। वसंत कुंज उत्तर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 194 के तहत जांच कार्यवाही शुरू कर दी है। आगे की जांच जारी है

दिल्ली-एनसीआर में अब कुछ दिन बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में शनिवार को आसमान में बादल छाए रहे और शहर के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मौसम

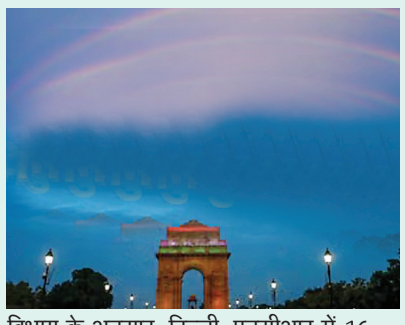

विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 16 सितंबर तक बारिश का यह सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि वर्तमान में चल रहा यह दौर इस मानसून सीजन की आखिरी बड़ी बारिश हो सकती है। मानसून की विदाई में होगी देरी मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई थोड़ी देरी से होने की संभावना है। दिल्ली से 21 सितंबर के बाद मानसून की वापसी शुरू होने की उम्मीद है।

तापमान और बारिश के आंकड़े

शनिवार को दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिली, लेकिन अधिकांश मौसम केंद्रों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक ही बना रहा। शनिवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच सफदरजंग वेधशाला में 3.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, लोधी रोड और आयानगर में 0.5 मिमी बारिश हुई, जबकि पालम में केवल बूंदाबांदी दर्ज की गई। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक) और न्यूनतम 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री और न्यूनतम 24.1 डिग्री सेल्सियस रहा। लगातार हो रही बारिश और मौसम में बदलाव के चलते दिल्ली की हवा साफ बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक 62 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

ठेका देने पर उठे सवाल

एमसीडी के टोल नाके बने सिरदर्द, दिल्ली में प्रदूषण और जाम बढ़ने से घट रहा राजस्व

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एमसीडी के टोल नाके एक तरफ प्रदूषण का कारण बन रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर इनसे मिलने वाला राजस्व भी घट गया है। जी हां, टोल से आने वाले राजस्व को अपनी आय का प्रमुख स्रोत बताने वाली एमसीडी का इससे राजस्व घटा है, वहीं इसके वसूलने से होने वाली परेशानी के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है। बताया गया कि आए दिन प्रमुख टोल नाकों पर व्यावसायिक वाहनों से वसूले जाने वाले ईसीसी (पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क) और एमसीडी टोल के कारण जाम लगता है। जिससे प्रदूषण बढ़ता है।

वहीं, बावजूद इसके दिल्ली के नौ टोल नाके (टिकरी बॉर्डर, केजीटी-सिंघु बॉर्डर, कापसहेड़ा

बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, अप्सरा-शाहदरा बॉर्डर, न्यू मंडौली बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर और रजोकरी बॉर्डर) ऐसे हैं जहां पर विशेषकर व्यावसायिक वाहनों से एमसीडी द्वारा टोल वसूली के कारण जाम लगा रहता है।

950 करोड़ सालाना ही पहुंचा

गौरतलब है कि दिल्ली में एमसीडी के 156 टोल नाके हैं, जिनसे एमसीडी को मिलने वाला राजस्व जहां 1800-2000 करोड़ पहुंचना चाहिए था और वह 950 करोड़ सालाना ही पहुंच पाया है। दरअसल, वर्ष 2017 में एमसीडी ने 1206 करोड़ रुपये के सालाना अनुबंध पर इनका ठेका एमईपी नाम की कंपनी को दिया था। शुरुआत में कुछ समय तक तो कंपनी को राजस्व आया, लेकिन कोरोना में लगे लाकडाउन में राजस्व में छूट व अन्य कारणों से भुगतान का मामला फंस गया।

एमसीडी और कंपनी के बीच विवाद बढ़ा तो एमसीडी ने 2021 में सहकार ग्लोबल नाम की कंपनी को शुरुआत में तीन वर्षों के लिए यह काम दे दिया।

वाहनों का प्रवेश अनिवार्य

यह हालत तब है जब टोल नाकों से जाम खत्म करने के लिए एमसीडी ने 100 करोड़ से अधिक खर्च कर यहां पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग आधारित वाहनों का प्रवेश अनिवार्य कर दिया था। लेकिन उस दौरान इसे मात्र 786 करोड़ के ही सालाना राजस्व पर काम दिया था। यानी 2017 के मूल ठेके से करीब 450 करोड़ कम। टोल कंपनी के तीन वर्ष 2023 में पूरे हो गए थे, लेकिन एमसीडी की स्थायी समिति का गठन न होने का बहाना लेकर एमसीडी ने इसका एक-एक साल के लिए तीन बार विस्तार किया। अब भी नया ठेका इसी कंपनी को एमसीडी ने दिया है, लेकिन वह भी 950 करोड़ का ही है, जो कि 2017 के मूल ठेके से 250 करोड़ के करीब कम है।

दिल्ली के गांधी नगर में युवक की छत से गिरकर मौत, गली में बिना कपड़ों के मिली लाश

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर इलाके में रविवार तड़के बिहार के रहने वाले 30 वर्षीय एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में एक इमारत की छत से गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस को उसका शव गली में निर्वस्त्र हालत में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह हत्या है या फिर आत्महत्या अभी यह पता नहीं चल सका है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह 5:20 बजे सूचना मिली कि गांधी नगर थाना अंतर्गत आने वाली नामदेव गली में एक व्यक्ति बिना कपड़ों के सड़क पर पड़ा है और उसके सिर से खून बह रहा है। गांधी नगर थाने से पुलिस की एक टीम, क्राइम और फोरेंसिक टीमों के साथ तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में मृतक व्यक्ति की पहचान बिहार में किशनगंज जिले के पिपला के रहने वाले दीपक के तौर पर हुई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि दीपक खुद छत से गिरा या उसे किसी ने धक्का दिया। उन्होंने कहा कि दीपक की मौत की असल वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ पता चल सकता है। वहीं, दिल्ली के भलस्वा डेयरी में चोरी के शक में 18 साल के युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने दो ट्रक ड्राइवरों को गिरफ्तार किया है। भलस्वा डेयरी थाने में बीएनएस की धारा 105 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपी ट्रक ड्राइवरों मुंतियाज और नईम को गिरफ्तार किया। 12 सितंबर को पोस्टमॉर्टम किया गया। बाकी दो और संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीमें दूसरी जगहों पर भेजी गई हैं। इस मामले की जांच जारी है।

डीटीसी बस सर्विस को हाईटेक करेगा एआई; रूट, रखरखाव और ड्राइवर-कंडक्टर की ड्यूटी और पैसेंजर्स पर रखेंगे नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को अधिक आधुनिक और सुलभ बनाने के लिए दिल्ली सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बस सेवा, रूट मैनेजमेंट और रखरखाव की निगरानी के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग तकनीक की मदद ली जाएगी। मौजूदा सिस्टम का होगा जीर्णोद्धार डीटीसी अपने मौजूदा बस मैनेजमेंट सिस्टम को अपग्रेड कर पूरी तरह से एआई आधारित नया सॉफ्टवेयर तैयार करने की योजना बना रहा है। इसके लिए विशेषज्ञ कंपनियों से प्रस्ताव (आरएफपी) मांगे गए हैं। चयनित कंपनी पहले वर्तमान बस संचालन व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन करेगी, जिसके बाद इलेक्ट्रिक, सीएनजी व अन्य बसों के प्रबंधन के लिए नया डिजिटल ढांचा तैयार किया जाएगा। वर्तमान में डीटीसी के बेड़े में 6,500 से अधिक बसें शामिल हैं, जिनका संचालन शहर के 52 डिपो से किया जाता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वर्ष 2028-29 तक बसों की संख्या को बढ़ाकर 14,000 करने और डिपो की संख्या 90 तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। बसों के इस बढ़ते बेड़े को नियंत्रित करने के लिए एआई आधारित मॉनिटरिंग बेहद अहम साबित होगी। प्रस्तावित नए एआई सॉफ्टवेयर को इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन (ईटीएम) और किराया वसूली व्यवस्था से सीधे जोड़ा जाएगा। इससे डिपो, बस, चालक और परिचालक के अनुसार ईटीएम की मैपिंग होगी।

दिल्ली के गोदाम में लगी आग

आसपास के मकानों में भरा धुआं; बच्चों के साथ खिड़की से कूदे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली क स्वरूप नगर थाना क्षेत्र स्थित गली नंबर-2 में रविवार सुबह इमारत की पहली मंजिल पर बने बॉक्सिंग किट गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त गोदाम में मौजूद कर्मचारी निकलने में सफल हो गए। लेकिन पड़ोस की इमारत में धुआं भरने से घबराए 6 लोगों ने खिड़की से छलांग लगा दी। घायलों बुराड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चश्मदीदों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि उसका काला धुआं आसपास के मकानों में भर गया। धुएं के कारण लोगों का दम घुटने लगा। स्थिति बिगड़ती देख कुछ निवासियों ने अपने मासूम बच्चों के साथ मकान के पीछे की खिड़कियों से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई। इस भागदौड़ में कुछ लोगों को चोटें भी आई हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय निवासियों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया और खुद राहत और बचाव कार्य में जुट गए। वहीं, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी रोष है। निवासियों का कहना है कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके के बीच अवैध रूप से कमर्शियल गोदाम का संचालन किया जा रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, फैक्ट्री के बगल वाली इमारत में लोगों के बीच घबराहट फैल गई, जिससे महिलाओं और बच्चों समेत छह लोग इमारत से कूद गए और घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और वे खतरे से बाहर हैं। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि उन्हें सुबह 11:05 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद 15 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

पुलिस ने बताया कि तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया गया और अब दमकल गाड़ियों ने आग पूरी तरह बुझा दी है। आग लगने की वजह और नुकसान के बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस घटना में घायल हुए लोगों की पहचान और अन्य विवरणों की भी पुष्टि कर रही है।

अल-फलाह विश्वविद्यालय परिसर में विस्फोटक परीक्षण करते थे सफेदपोश आतंकी

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला के बाहर 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल की है। एनआईए की चार्जशीट के अनुसार, अल-फलाह विश्वविद्यालय को देश विरोधी गतिविधियों का केंद्र बनाने की साजिश रची जा रही थी। इस 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल में विश्वविद्यालय के तीन डॉक्टरों समेत कई अन्य लोग शामिल थे। आरोप पत्र के अनुसार, आतंकी डॉक्टर उमर उन नबी, डॉक्टर मुजम्मिल शकील गनी और डॉक्टर अदील अहमद राथर ने पहले खेतों में उर्वरक आधारित विस्फोटक मिश्रणों का प्रयोग किया। बाद में उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के एक ट्यूबवेल के पास नाइट्रोग्लिसरीन का परीक्षण किया, जिसमें जासिर बिलाल वानी नाम के छात्र ने मदद की। इसके बाद आतंकियों ने धौज, उमरगांव और फरीदाबाद की अरावली पहाड़ियों के सुनसान जंगलों में अधिक घातक विस्फोटक टीएटीपी (ट्राई-एसीटोन ट्राई-पैराक्साइड) और हथियारों का परीक्षण किया। धौज में टीएटीपी परीक्षण में प्रयुक्त पाइप के अवशेष बाद में डॉक्टर गनी के आवास से बरामद किए गए। पुलिस और आम लोगों की नजरों से बचने के लिए आतंकियों ने खोरी जमालपुर और धौज में किराए पर मकान लिए थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए 2.10 करोड़ से अधिक मामले, चेक बाउंस से वैवाहिक विवादों तक बनी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर की अदालतों और ट्रिब्यूनल में मुकदमेबाजी के स्थान पर बातचीत और समझौते का माहौल रहा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने साल की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की। इसमें आपसी सहमति से 2.10 करोड़ से ज्यादा मामले सुलझाए गए। नालसा के बयान के अनुसार, 26 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में लोक अदालत की बेंच बनाई गई। इनमें हाई कोर्ट से लेकर तालुका कोर्ट स्तर पर न्यायिक अधिकारी, वकील, पैरा-लीगल वालंटियर और मुकदमा करने वाले शामिल हुए। शनिवार शाम सात बजे तक के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार (कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली को छोड़कर और कुछ अन्य क्षेत्रों से डेटा आना बाकी है), 2,10,39,112 मामले सुलझाए गए। बयान में कहा गया है कि इनमें से 1,90,75,743 मामले प्री-लिटिगेशन (मुकदमे से पहले के) थे, जिन्हें सीधे लोक अदालत के सामने लाया गया था, जबकि 19,63,369 मामले पहले से ही अदालतों में लंबित थे। कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली में यह आयोजन 19 सितंबर, 10 अक्टूबर और 25 अक्टूबर को होना है। मुख्य न्यायाधीश और नालसा के संरक्षक जस्टिस सूर्य कांत ने लोक अदालत से पहले अपने एक संदेश में कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए लोग इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करें। नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि यह तरीका अदालतों में लंबित मामलों की संख्या को कम करने में मदद करता है। साथ ही यह दोनों पक्षों को ऐसे नतीजे तक पहुंचने का मौका देता है जो दोनों को मंजूर हो। इससे उन्हें लंबे मुकदमों के खर्च और देरी से बचाया जा सकता है। जिन विवादों को सुलझाया गया, उनमें चेक बाउंस के मामले, मोटर दुर्घटना के दावे, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, उपभोक्ता शिकायतें, जमीन अधिग्रहण के मामले, उत्तराधिकार से जुड़े विवाद, छोटे कारोबार से जुड़े मध्यस्थता के दावे, समझौता योग्य आपराधिक मामले और ट्रैफिक चालान शामिल थे।

वेलेंटाइन डे के मैसेज से खुला राज तो रची साजिश, फिर गर्लफ्रेंड संग मिल पत्नी को मार डाला; मुंबई से मोहम्मद अरेस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में शाहबाद डेरी के प्रहलादपुर बांगर में सबीला खातून की हत्या के मामले में पुलिस ने साजिश की परतें खोलते हुए उसके पति मोहम्मद लाल बाबू उर्फ जाहिद अली और उसकी प्रेमिका रुखसार खातून को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद दोनों को भगाने में मदद करने वाले लाल बाबू के ममेरे भाई मोहम्मद सामा को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि महिला की मौत स्लैब पर बार-बार सिर टकराने व गला घोंटने से हुई है। पुलिस उपायुक्त शोभित डी. सक्सेना ने बताया कि 29 अगस्त को शाहबाद डेरी थाना पुलिस को प्रहलादपुर गांव में सबीला की हत्या की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो घर के बाथरूम में सबीला खातून का शव मिला था। मृतका के भाई गुलाब ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन की हत्या उसके पति लाल बाबू ने की है और वारदात के बाद वह अपने एक साल के बेटे को लेकर फरार हो गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि लाल बाबू का रुखसार खातून से प्रेम संबंध था। वह उससे शादी करना चाहता था। इस बात का पता सबीला को वेलेंटाइन डे पर आए संदेश से चला। इसको लेकर उसका पत्नी सबीला से अक्सर विवाद होता था।

इसी विवाद के चलते लाल बाबू ने रुखसार के साथ मिलकर पत्नी को रास्ते से हटाने की साजिश रची। मौका पाकर दोनों ने बाथरूम में स्लैब पर सबीला का सिर टकरा कर व गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी और वारदात के बाद लाल बाबू अपने बेटे को लेकर फरार हो गया था। पुलिस को मोबाइल सर्विलांस से पता चला कि आरोपी नोएडा पहुंचा था। वहां उसने अपने ममेरे भाई मोहम्मद ओसामा से संपर्क किया। ओसामा ने लाल बाबू को छिपने में मदद की और गिरफ्तारी से बचने के लिए उसे बिहार भागने का इंतजाम कराया। पुलिस ने पहले ओसामा को बिहार से गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने मुंबई से दिल्ली लौटे लाल बाबू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पूछताछ में लाल बाबू ने बताया कि वह रुखसार से शादी करना चाहता था और इसी वजह से उसने पत्नी की हत्या की साजिश रची थी।

संपादकीय

भारत के एजेंडे में वैश्विक दक्षिण, व्यापार और शांति, मोदी की कूटनीति पर दुनिया की नजर

ब्रिक्स 2026 में भारत आर्थिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज और शांति के मुद्दों को प्रमुखता देगा। मोदी-पुतिन और मोदी-शी जिनपिंग की बैठक से वैश्विक कूटनीति और भारत-चीन संबंधों पर नजर रहेगी। देश की राजधानी में आयोजित किया जा रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग और वैश्विक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका को मजबूत करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितता, युद्ध, व्यापारिक तनाव और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के दौर से गुजर रही है, तब ब्रिक्स की प्रासंगिकता और बढ़ गई है।भारत के लिए यह मंच अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त रूप देने की दृष्टि से भी अहम है। सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को हुई बैठक में भी भारत की प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया।इस दौरान मुख्य रूप से वर्ष 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर सौ अरब डालर तक पहुंचाने तथा रक्षा, ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत को व्यापारिक सहयोग के मोर्चे पर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को विस्तार देने और नए बाजार तलाशने की जरूरत है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुए ब्रिक्स समूह का विस्तार अब कई अन्य देशों तक हो चुका है। ब्रिक्स भारत के लिए केवल आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की दृष्टि से विकासशील देशों की आवाज बुलंद करने का माध्यम भी है।भारत की नीति दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की रही है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों को उनकी आर्थिक क्षमता और जनसंख्या के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की वकालत की जाती रही है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, भुगतान प्रणालियों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को आसान बनाने जैसे विषय भी भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और इन मुद्दों पर शिखर सम्मेलन में भी प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है।इसके अलावा, भारत हमेशा से वैश्विक शांति का पक्षधर रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में दोहराया कि किसी भी समस्या का समाधान केवल युद्ध नहीं हो सकता है। साथ ही कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के शांति प्रयासों में भारत हर संभव मदद के लिए तैयार है।भारत ऐसे समय में ब्रिक्स को अधिक प्रभावी मंच के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है।

मौत का इंतजार करती इमारतें और गहरी नींद सोता प्रशासन

(योगेश कुमार गोयल)

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी?

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में जो हृदयविदारक घटना घटित हुई है, वह केवल एक पांच मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने की घटना नहीं बल्कि राजधानी की उस व्यवस्था का ढ़हना है, जिसकी नींव नागरिकों की सुरक्षा, कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर टिकी होनी चाहिए थी। जिस इमारत में कुछ घंटे पहले तक देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवा अपने भविष्य के सपने बुन रहे थे, देखते ही देखते वह ईंट, सीमेंट और लोहे के मलबे में बदल गई। धूल का गुबार तो छंट जाएगा, मलबा भी हट जाएगा, सड़कें फिर सामान्य हो जाएंगी लेकिन उन परिवारों के जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वह कभी नहीं भर सकेगा। 'हॉस्टल डेज' नामक लड़कों के लिए बने पीजी की इस पांच मंजिला इमारत में हादसे के वक्त कई छात्र अपने कमरों में थे, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत लगभग 40-50 वर्ष पुरानी थी और हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत तथा खुदाई का काम चल रहा था। यही तथ्य इस त्रासदी को और भयावह बना देता है।

सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता। जमीन का उपयोग बदलता है, नक्शा बनता है, निर्माण शुरू होता है,

मंजिलें बढ़ती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और अंततः उस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभागों और अधिकारियों की भूमिका होती है। ऐसे में यह कहना कि प्रशासन को कुछ पता ही नहीं था, जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान बहाना है।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है। जब छह कमरों की अनुमति वाली इमारत में 25 से अधिक कमरे बना दिए जाते हैं, जब बेसमेंट को पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब एक ही निकास मार्ग पर सैंकड़ों लोगों की सुरक्षा निर्भर कर दी जाती है, तब यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं रहता, यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बन जाता है।

दिल्ली में अतीत की त्रासदियां भी हमें बार-बार चेताती रही हैं। 1997 का उपहार सिनेमा अग्निकांड हो या हाल के वर्षों में सामने आए बेसमेंट, कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक इमारतों से जुड़े हादसे, हर घटना के बाद सुरक्षा मानकों पर सवाल उठे। बंद दरवाजे, अवरुद्ध निकास, अवैध निर्माण, अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता और प्रशासनिक उदासीनता बार-बार त्रासदियों की पृष्ठभूमि में दिखाई देती रही है। फिर भी व्यवस्था की स्मृति इतनी कमजोर है कि कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर पुराने ढ़र्रे पर लौट आता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सस्पेंशन हमेशा छोटे कर्मचारी का ही क्यों होता है? यदि किसी इलाके में वर्षों तक अवैध निर्माण चलता रहा, यदि नियमों के विपरीत इमारतें खड़ी होती रही और उनमें पीजी, कोचिंग सेंटर, दुकानें या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रही तो उस पूरे प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए, जिसने इसे होने दिया। तत्कालीन अवैध निर्माण प्रभारी, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, जोनल स्तर के जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभागों की भूमिका की निष्पक्ष जांच क्यों न हो? यदि मिलीभगत प्रमाणित होती है तो कार्रवाई भी उसी अनुपात में कठोर क्यों न हो?

समस्या किसी एक इमारत की नहीं है। दिल्ली और देश के तमाम शहरों में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जो बाहर से सामान्य दिखाई देती हैं लेकिन भीतर से मौत के जाल में बदल चुकी हैं। कहीं बेसमेंट में अवैध निर्माण है, कहीं बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, कहीं संकरी सीढ़ियां, कहीं बंद खिड़कियां, कहीं लोहे की ग्रिलें और कहीं एक ही प्रवेश-निकास द्वार। अग्निशमन उपकरण कई जगह केवल निरीक्षण के समय दिखाने के लिए रखे जाते हैं और आपातकालीन निकास कागजों पर मौजूद रहते हैं, वास्तविकता में नहीं। ऐसी स्थिति में हादसा होने पर दमकल की गाड़ियां भी संकरी गलियों में फंस जाती हैं। बचाव दल के पास पहुंचने का रास्ता नहीं होता और अंदर फंसे लोगों के पास बाहर निकलने का रास्ता नहीं होता। फिर कुछ ही मिनटों में एक इमारत कब्रिस्तान में बदल जाती है।

अब जरूरत केवल दोषी खोजने की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। दिल्ली की सभी पुरानी बहुमंजिला और व्यावसायिक इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए। पीजी, हॉस्टल, कोचिंग सेंटर और बेसमेंट में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अनिवार्य जांच होनी चाहिए। फायर एनओसी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध हो। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाकर उसे वैध बनाने की प्रवृत्ति समाप्त होनी चाहिए। गंभीर उल्लंघन वाली इमारतों को तत्काल सील और आवश्यकतानुसार ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि जिम्मेदारी ऊपर तक जानी चाहिए। किसी दुर्घटना के बाद दो-चार छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर देना प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, अक्सर जिम्मेदारी से बचने का तरीका बन जाता है। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, मिलीभगत या भ्रष्ट आचरण के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ी है तो उसके विरुद्ध कठोर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। पद जितना बड़ा हो, जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए।

सत्य निकेतन का मलबा केवल ईंट-पत्थरों का ढ़ेर नहीं है। उसके नीचे प्रशासनिक दावों की विश्वसनीयता, भवन सुरक्षा के नियमों और नागरिकों के भरोसे की भी परीक्षा हो रही है। इस त्रासदी को 'हादसा' कहकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ा अपराध होगा। हादसा वह होता है, जिसे रोका न जा सके लेकिन जिस दुर्घटना की जमीन अवैध निर्माण, नियमों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही से तैयार होती है, उसे केवल हादसा कहना सच्चाई को छोटा करना है। यदि इस बार भी जांच के नाम पर खानापूर्ति हुई, छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराकर बड़े जिम्मेदार बच निकले और कुछ लाख रुपये के मुआवजे को न्याय का विकल्प बना दिया गया तो अगली त्रासदी केवल समय की प्रतीक्षा करेगी।

पाकिस्तान की तबियत बिगड़ी ! ब्रिक्स में मोदी का शक्ति प्रदर्शन देख इस्लामाबाद में जबरदस्त खलबली

(नीरज कुमार दुबे)

इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत-चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं।

नई दिल्ली में आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्सशिखर सम्मेलन की गूंज वैसे तो पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है लेकिन पाकिस्तान के सत्ता और रक्षा प्रतिष्ठान में इसे लेकर जबरदस्त सन्नाटा छाया हुआ है। सन्नाटा इसलिए है क्योंकि शहबाज शरीफ से लेकर असीम मुनीर तक, आसिफ अली जरदारी से लेकर ख्वाजा आसिफ तक और इशाक डार से लेकर पाकिस्तान के अन्य बड़बोले नेताओं तक की नजरें टीवी चैनलों पर लगी हुई हैं और जैसे जैसे वैश्विक नेता एक एक कर दिल्ली की धरती पर उतर रहे हैं वैसे वैसे पाकिस्तान हुक्मरानों का गला सूखता जा रहा है।

हम आपको बता दें कि इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत-चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से भी बाकायदा चीन-भारत बढ़ती नजदीकी पर सवाल पूछा गया, जिस पर उसने कहा कि चीन के साथ उसकी आल वेदर साझेदारी किसी तीसरे देश के साथ चीन के संबंधों से प्रभावित नहीं होगी। लेकिन यही स्पष्टीकरण बताता है कि सवाल कितना महत्वपूर्ण हो चुका है।

पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका मोदी-शी जिनपिंग की मुलाकात होने वाली है। सात साल बाद शी जिनपिंग का भारत आना अपने आप में बड़ा संकेत है। सीमा विवाद के बाद दोनों देशों ने धीरे-धीरे संवाद बहाल किया है और अब व्यापार, निवेश, सीमा प्रबंधन तथा रणनीतिक संवाद पर आगे बढ़ने की कोशिश हो रही है। पाकिस्तान के लिए समस्या यह है कि उसकी सुरक्षा रणनीति लंबे समय से इस धारणा पर टिकी रही है कि भारत को दो मोर्चों पर एक साथ दबाव में रखा जा सकता है। लेकिन अगर बीजिंग और नई दिल्ली टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व की ओर बढ़ते हैं, तो इस्लामाबाद का वह रणनीतिक गणित कमजोर पड़ सकता है। साथ ही पाकिस्तान इसलिए भी परेशान है कि यदि भारत और चीन के संबंध सुधरे तो भविष्य के भारत-पाक संघर्ष में बिना बीजिंग के सहयोग के इस्लामाबाद के लिए मैदान में कुछ घंटे टिक पाना भी मुश्किल हो जायेगा। दूसरा मोर्चा मोदी-पुतिन समीकरण है। दोनों नेताओं की बैठक में स-400 की अंतिम यूनिट की डिलीवरी और अगली पीढ़ी के बारहमास पर चर्चा हो रही है। भारत को चार एस-400 रेजिमेंट मिल चुकी हैं और पांचवीं की डिलीवरी पर रूस ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पाकिस्तान के लिए यह इसलिए चिंता का विषय है क्योंकि भारत की वायु-रक्षा और लंबी दूरी की मारक क्षमता में रूसी सहयोग उसकी सैन्य गणना को और कठिन बनाता है। आने वाले समय में बारहमास के उन्नत संस्करण और संयुक्त उत्पादन पर बातचीत इस तस्वीर को और गंभीर बना सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल हुए भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान रूस की एस-400 ने पाकिस्तान के लगभग सभी हमलों को निष्क्रिय कर दिया था। उस समय पाकिस्तान ने चीन और तुर्की से रक्षा उपकरण लेकर भारत पर निशाने साधे थे लेकिन एस-400 के आगे कोई नहीं टिक पाया था। ऐसे में पाकिस्तान की नजरें इस बात पर बनी हुई हैं कि भारत और रूस के बीच क्या नये रक्षा समझौते होने जा रहे हैं।

पाकिस्तान की तीसरी चिंता सऊदी अरब और चौथी ईरान को लेकर है। ब्रिक्स की मेज पर सऊदी अरब और ईरान दोनों हैं, जबकि पश्चिम एशिया अब भी संघर्ष की आग में झुलस रहा है। पाकिस्तान के लिए यह बेहद असहज परिस्थिति है क्योंकि एक तरफ वह सऊदी अरब के साथ अपने सुरक्षा संबंधों को महत्वपूर्ण मानता है, दूसरी तरफ भारत के खाड़ी देशों के साथ रिश्ते लगातार गहरे हो रहे हैं। इसी बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भारत पहुंचे हैं और मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता भी हो रही है। पाकिस्तान की चिंता यहां यह है कि सऊदी अरब के साथ वह हाल ही में मक्का पैक्ट में शामिल हुआ है। ऐसे में यदि भारत और सऊदी अरब के संबंध और मजबूत होते हैं तो मक्का पैक्ट के पैकेट की हवा पूरी तरह निकल जायेगी। साथ ही ईरानी राष्ट्रपति से मोदी की बातचीत के बाद यदि पश्चिम एशिया के हालात में सुधार होता है तो पाकिस्तान की उस पूरी कूटनीतिक कवायद पर पानी फिर जायेगा जिसके तहत कभी अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद बुलाकर वार्ता कराई गयी तो कभी शहबाज शरीफ और असीम मुनीर भागे भागे तेहरान और वाशिंगटन के चक्कर लगाते रहे।

मायावती ने आकाश को क्यों दिखाई 'जमीन' ?

उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों और निजी हितों को महत्व दे रहे हैं। मायावती का सबसे तीखा सवाल आकाश की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर था। उनका कहना था कि आकाश पहले उनके पोस्ट को लगातार रीपोस्ट करके अपनी राजनीतिक निष्ठा जताते रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थ से जुड़े हालिया पोस्ट को उन्होंने रीपोस्ट नहीं किया, जबकि मायावती के मुताबिक वह पोस्ट खुद आकाश के राजनीतिक हित में था।

(नीरज कुमार दुबे)

बसपा सुप्रीमो ने आकाश की 'दोहरी मानसिकता' पर सवाल खड़ा कर दिया। उनका तर्क था कि अगर आकाश के लिए पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा अहम पारिवारिक रिश्ते हैं तो फिर वह पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से काम कैसे कर सकते हैं?

बहुजन समाज पार्टी की सियासत में एक बार फिर ऐसा उलटफेर हुआ है, जिसने पार्टी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में भी हलचल तेज कर दी है। जिस कवायद को आकाश आनंद के सियासी भविष्य की राह साफ करने की कोशिश माना जा रहा था, वही कुछ घंटों में उनके बहुजन समाज पार्टी से पूरी तरह बाहर होने की पटकथा बन गई। हम आपको बता दें कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से 'पूरी तरह आजाद' कर दिया है।

खास बात यह है कि मायावती ने यह फैसला आकाश के ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास की घोषणा के तत्काल बाद लिया। यानी जिस शर्त को आकाश की वापसी और राजनीतिक सक्रियता के रास्ते की आखिरी बाधा माना जा रहा था, वह शर्त पूरी हुई, लेकिन नतीजा उम्मीद के ठीक उलट निकला। अशोक सिद्धार्थ ने गुरुवार सुबह भावुक संदेश के जरिए राजनीति से संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने साफ कहा कि मायावती का आदेश उनके लिए पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों से ऊपर है। उन्होंने यह भी कहा कि आकाश ने करीब दो दशक मायावती की देखरेख और मार्गदर्शन में बिताए हैं और उनके भीतर मायावती का 'खून' बहता है। सिद्धार्थ ने खुद पर आकाश को प्रभावित या गुमराह करने के आरोपों को भी खारिज किया और कहा कि उनके जैसे सामान्य कार्यकर्ता की इतनी हैसियत ही कहां कि वह आकाश को गुमराह कर सके।

लेकिन बसपा सुप्रीमो के तेवर इससे नरम नहीं हुए। मायावती ने अपने दस सूत्रीय संदेश में साफ कर दिया कि मामला केवल संगठनात्मक जिम्मेदारी का नहीं है, बल्कि निष्ठा, परिवार और राजनीतिक प्राथमिकताओं का है। उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों और निजी हितों को महत्व दे रहे हैं। मायावती का सबसे तीखा सवाल आकाश की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर था। उनका कहना था कि आकाश पहले उनके पोस्ट को लगातार रीपोस्ट करके अपनी राजनीतिक निष्ठा जताते रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थ से जुड़े हालिया पोस्ट को उन्होंने रीपोस्ट नहीं किया, जबकि मायावती के मुताबिक वह पोस्ट खुद आकाश के राजनीतिक हित में था।

यहीं से बसपा सुप्रीमो ने आकाश की 'दोहरी मानसिकता' पर सवाल खड़ा कर दिया। उनका तर्क था कि अगर आकाश के लिए पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा अहम पारिवारिक रिश्ते हैं तो फिर वह पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से काम कैसे कर सकते हैं? मायावती ने अशोक सिद्धार्थ के राजनीति छोड़ने के फैसले को सही कदम बताया, लेकिन साथ ही यह भी कह दिया कि फैसला देर से लिया गया। उनका आरोप था कि अगर सिद्धार्थ को अपने दामाद के उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की सचमुच चिंता होती तो वह उसी वक्त राजनीति छोड़ने की घोषणा कर देते। देरी को मायावती ने सिद्धार्थ की महत्वाकांक्षा और नीयत पर सवाल उठाने का आधार बनाया।

दरअसल, आकाश आनंद पिछले कुछ वर्षों में बसपा की अगली पीढ़ी के चेहरे के तौर पर तेजी से उभरे थे। मायावती ने उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी थी। लेकिन आकाश की राजनीतिक भूमिका बार-बार बदलती रही। तीन सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटाया गया और अब पार्टी से ही 'आजाद' कर दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों की आहट तेज हो चुकी है। बसपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि मायावती के बाद पार्टी का चेहरा कौन होगा और संगठन को नई पीढ़ी तक कैसे पहुंचाया जाएगा। आकाश आनंद को इसी संक्रमण का संभावित चेहरा माना जा रहा था। अब उनके बाहर होने से बसपा की उत्तराधिकार की पूरी रणनीति फिर सवालों के घेरे में है।

इस बीच मायावती के छोटे भाई के बेटे ईशान आनंद की हाल के महीनों में उनके साथ बढ़ती मौजूदगी भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे बसपा में अगली पीढ़ी की कमान को लेकर अटकलें और तेज हो सकती हैं।

देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में मायावती का यह फैसला महज एक पारिवारिक विवाद नहीं माना जाएगा। 2027 में मुकाबला बहुकोणीय होने की स्थिति में बसपा का हर फैसला उसके वोट बैंक, संगठन और सोशल इंजीनियरिंग पर असर डालेगा। आकाश जैसे युवा चेहरे की विदाई से पार्टी को जहां नई पीढ़ी से जुड़ने में चुनौती मिल सकती है, वहीं मायावती के सामने अब यह साबित करने की चुनौती होगी कि बसपा किसी एक उत्तराधिकारी के भरोसे नहीं, बल्कि उनके अपने राजनीतिक नियंत्रण और संगठनात्मक ढांचे पर खड़ी है।

फिलहाल संदेश साफ है कि ससुर ने राजनीति छोड़ी, लेकिन दामाद की कुर्सी नहीं बची। और मायावती की बसपा में रिश्ते नहीं, राजनीतिक निष्ठा अंतिम कसौटी है। 2027 के रण में इस फैसले की असली कीमत और असर तब सामने आएगा, जब हाथी मैदान में उतरेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पसमांदा समाज को एकजुट कर शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर

पिनगवां में पसमांदा समाज की बैठक, सामाजिक-आर्थिक मजबूती को लेकर बनी रणनीति

● पसमांदा इत्तेहाद तंजीम की बैठक में उठी समाज की आवाज, बड़ी पंचायत व जनसभा की तैयारी

नूंह जुबैर खान नूंह मेवात/ पिनगवां। पसमांदा यानी समाज के पिछड़े तबके को सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से मजबूत करने तथा समाज के लोगों को एकजुट करने के उद्देश्य से रविवार को पिनगवां स्थित यादराम गर्ग फार्म हाउस में पसमांदा समाज के प्रमुख लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन पसमांदा इत्तेहाद तंजीम की ओर से किया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिला पार्षद यूनुस अलवी ने की, जबकि मंच संचालन एडवोकेट गुलाम नबी आजाद ने किया। तंजीम के प्रमुख आदिल इलयास ने बैठक के उद्देश्य और आगामी कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।बैठक में मेवात सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए पसमांदा समाज के प्रतिनिधियों ने शिक्षा, रोजगार, सामाजिक समानता, राजनीतिक भागीदारी और अपने अधिकारों को लेकर खुलकर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज की तरक्की के लिए सबसे पहली जरूरत शिक्षा को प्राथमिकता देने की है। शिक्षा के अभाव को समाज के पिछड़ेपन का एक प्रमुख कारण बताते हुए सभी बच्चों, विशेषकर बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई।वक्ताओं ने कहा कि केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि रोजगार के अवसर बढ़ाना और पारंपरिक कार्यों से जुड़े लोगों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना भी जरूरी है। लोहार, बई और अन्य कारीगर समाजों का उदाहरण देते हुए कहा गया कि हुनरमंद लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए उन्हें उचित अवसर और बाजार उपलब्ध कराया जाना चाहिए।बैठक में राजनीतिक भागीदारी को भी प्रमुख मुद्दा बनाया गया। वक्ताओं ने कहा कि जिस अनुपात में पसमांदा समाज की आबादी है, उसी अनुपात में उसे राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भागीदारी मिलनी चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज मजबूत करनी होगी।आदिल इलयास ने कहा कि तंजीम का उद्देश्य किसी समाज या व्यक्ति का विरोध करना नहीं, बल्कि पसमांदा समाज को पिछड़ेपन से बाहर निकालकर विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल मेवात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश के मेवात से जुड़े क्षेत्रों सहित अन्य इलाकों में भी समाज को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।बैठक में यह भी कहा गया कि समाज की समस्याओं को मजबूती से सामने रखने के लिए भविष्य में आवश्यकता के अनुसार बड़ी पंचायत और जनसभा आयोजित की जाएगी। वक्ताओं ने आपसी सहयोग, भाईचारे और एकजुटता को समाज की तरक्की की बुनियाद बताया।बैठक में मौजूद लोगों ने पसमांदा इत्तेहाद तंजीम की पहल का स्वागत करते हुए इसे समाज को एक मंच पर लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने शिक्षा, रोजगार, सामाजिक समानता और राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।इस मौके पर मोहम्मद आदिल इलयास, एडवोकेट गुलाम नबी आज़ाद, मोहम्मद इलयास डीलर, मोहम्मद खान नायब तहसीलदार, यूनुस अलवी पूर्व जिला पार्षद, हाजी खुर्शीद अहमद पार्षद, इमरान एडवोकेट नूह, साबिर खान जिला पार्षद, जैकम चेयरमैन, तौफीक सरपंच, मुबीन ठेकेदार, हाजी मुबीन धोबी, साबिर सैफी, मुबारिक सलमानी जफर जोगी एडवोकेट, अब्दुल करीम अब्बासी, अब्बास एडवोकेट नियामत अज़ीज़ नट, अय्यूब मिराशी, फतेह मोहम्मद लाहबास, मास्टर रफीक, एडवोकेट अब्दुल करीम अब्बासी, रहीस तैयब, जमशेद अल्वी, मास्टर शाहजहाँ, मास्टर आबिद, कय्यूम मरोड़ा, फ़ज़ल हुसैन, मुस्तक कामा, मुज़म्मिल एडवोकेट, डॉ. फ़करू अल्वी, शम्सुद्दीन सरपंच और अनवर हुसैन सहित समाज के सैकड़ों प्रमुख लोग मौजूद रहे।

एसएचओ विद्यासागर के आने के बाद कोसली के होटलों में सख्ती, इलाके में शांति का माहौल

कोसली,(सुनील नठेडा) कोसली थाना प्रभारी एसएचओ विद्यासागर के कार्यभार संभालने के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की सख्ती देखने को मिल रही है। खासकर होटलों में अवैध रूप से शराब परोसे जाने की शिकायतों पर पुलिस की कार्रवाई और निगरानी से होटल संचालकों में भी सतर्कता बढ़ी है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की सख्ती के चलते फिलहाल कोसली क्षेत्र के होटलों में शराब परोसे जाने पर रोक लगी हुई है। इसके साथ ही क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने एसएचओ विद्यासागर की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उनका आभार जताया। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस द्वारा लगातार निगरानी और सख्ती जारी रहने से असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से इसी तरह कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने की मांग की है।

श्री सनातन धर्म रामलीला मॉडल टाउन में मंचन की तैयारियां जोरों पर

8 अक्टूबर को भव्य हवन-यज्ञ से होगा शुभारंभ

पानीपत,(चुघ) भेदी नजर। श्री सनातन धर्म रामलीला मॉडल टाउन सभा द्वारा इस वर्ष आयोजित होने वाले भव्य रामलीला महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सभा के प्रधान तरुण गांधी ने बताया कि रामलीला का शुभारंभ 8 अक्टूबर को शाम 5बजे विधि-विधान से आयोजित भव्य हवन-यज्ञ और गणेश पूजन के साथ किया जाएगा। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जीवन चरित्र हमें धर्म, सत्य और मर्यादा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। सभा का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सनातन संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ना है। स्थानीय कलाकारों द्वारा विभिन्न प्रसंगों के सजीव मंचन के लिए लीला के विभिन्न पात्रों का सजीव अभिनय करने वाले कलाकार पिछले कई सप्ताहों से दिन-रात कड़ा अभ्यास कर रहे हैं ताकि प्रत्येक दृश्य को प्रभावशाली बनाया जा सके। 8 अक्टूबर को सायं 5 बजे भव्य हवन-यज्ञ व पूजन के साथ लीला का शुभारंभ होगा। 9 अक्टूबर को मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार लीला, 10 अक्टूबर को 'भए प्रगट कृपाला' श्री राम जन्मोत्सव, 11 अक्टूबर को विश्वामित्र आगमन व ताड़का वध, 12 अक्टूबर को धनुष भंग व सीता स्वयंवर, 13 अक्टूबर को कैकेयी कोपभवन व श्री राम वनवास (भाग-1),

14 अक्टूबर को केवट संवाद व श्री राम वनवास (भाग-2), 15 अक्टूबर को भावुक भरत मिलाप, 16 अक्टूबर को शूर्पणखा प्रसंग व सीता हरण, 17 अक्टूबर को जटायु मोक्ष व माँ शबरी प्रसंग, 18 अक्टूबर को अशोक वाटिका संवाद व लंका दहन, 19 अक्टूबर को लक्ष्मण मूर्छा, संजीवनी बूटी आगमन व कुंभकर्ण-मेघनाद वध, 20 अक्टूबर को अधर्म पर धर्म की विजय का महापर्व दशहरा (भव्य रावण दहन) तथा 21 अक्टूबर को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के भव्य राजतिलक व महाआरती के साथ इस 14-दिवसीय महोत्सव का पावन समापन होगा।

पिकअप ने ट्रक को मारी टक्कर, कैबिन में फंसा चालक

रेवाड़ी, एजेंसी। झज्जर से रेवाड़ी की ओर आ रहे एक ट्रक की गांव गुरावड़ा स्थित त्रिवेणी होटल के समीप डिवाइडर कूदकर आई पिकअप गाड़ी से सीधी टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक चालक कैबिन में फंस गया, जिसे करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद जेसीबी की सहायता से बाहर निकाला गया। हादसे में ट्रक चालक को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि पिकअप में सवार दो युवकों को मामूली चोटें लगी हैं। जानकारी के अनुसार ट्रक चालक झज्जर की ओर से रेवाड़ी आ रहा था। जैसे ही वह गुरावड़ा गांव के त्रिवेणी होटल के पास पहुंचा, इसी दौरान दूसरी दिशा से डिवाइडर पार करके आई पिकअप गाड़ी ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का कैबिन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसके अंदर फंस गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने चालक को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। लोगों ने डायल-112 पर पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने भी चालक को कैबिन से निकालने का प्रयास किया, लेकिन वह बुरी तरह फंसा होने के कारण बाहर नहीं निकल सका। इसके बाद जेसीबी मशीन को मौके पर बुलाया गया। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद चालक को कैबिन से बाहर निकाला गया। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। पिकअप में सवार घायलों की पहचान बिहार के मायापुर निवासी 22 वर्षीय रोशन पुत्र सुधीर कुमार और 17 वर्षीय अनिकेत पुत्र अजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

सम्राट मिहिर भोज की जयंती पर गुर्जरवास में रक्तदान का महायज्ञ, 129 यूनिट रक्त जुटा

कोसली विधायक अनिल यादव ने किया शुभारंभ, युवाओं और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

कोसली,(सुनील नठेडा) गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज महान की जयंती के अवसर पर रविवार को गांव गुर्जरवास में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। विजय एकता मंच एवं समस्त ग्रामवासियों की ओर से एम्स कैंसर हॉस्पिटल, बाढ़सा और जन सेवा ब्लड सेंटर, रेवाड़ी के सहयोग से आयोजित शिविर में कुल 129 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इसमें एम्स बाढ़सा की टीम ने 67 यूनिट तथा जन सेवा ब्लड सेंटर, रेवाड़ी ने 62 यूनिट रक्त एकत्रित किया। बाबा धर्मानंद सरस्वती महाराज मंदिर परिसर में आयोजित शिविर का शुभारंभ कोसली विधायक अनिल यादव ने रिबन काटकर किया। शिविर में युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। रक्तदाताओं में समाजसेवा और मानवता की सेवा के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। विधायक अनिल यादव ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ी मानव सेवाओं में से एक है। सम्राट मिहिर भोज महान की जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर में ग्रामीणों और युवाओं की भागीदारी सराहनीय है। 129 यूनिट रक्त एकत्रित होना क्षेत्रवासियों की सेवा भावना का प्रमाण है। रक्त की एक-एक बूंद जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती है।विजय एकता मंच के अध्यक्ष एवं समाजसेवी विजय गुड़ियानी ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज महान की जयंती को समाजसेवा और मानवता की सेवा के संकल्प के साथ मनाया गया है। उन्होंने कहा कि शिविर को सफल बनाने में ग्रामीणों और युवाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। रक्तदान से जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाने में मदद मिलती है और समाज में मानवता व सेवा का संदेश जाता है। गुड़ियानी ने कहा कि विजय एकता मंच आगे भी सामाजिक एवं मानव सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी युवाओं, ग्रामीणों तथा सहयोगी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जयंती के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर ने समाजसेवा के साथ-साथ मानवता का संदेश भी दिया है। इस अवसर पर रवि चेयरमैन कोसली, कंवरपाल चेयरमैन कँवाली , दुष्यंत चेयरमैन, जिला पार्षद एडवोकेट जीवन हितैषी, गुरदयाल एडवोकेट, अभय नंबरदार, कृष्ण सरपंच, मनोज गुर्जर, विकास गुर्जर, रिंकू पहलवान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

घर में घुसकर पत्रकार के परिवार पर जानलेवा हमला

लाठी डंडे एवं कुल्हाड़ी के साथ घर में घुसे 8-10 लोग

● पत्रकार को दिया एसएचओ ने कड़ी कार्यवाही का आश्वासन

कोसली,(सुनील नठेडा) क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव नांगल पठानी में रविवार सुबह करीब 5जे पत्रकार बिरेंद्र पठानिया के घर में घुसकर मारपीट करके जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है प्राप्त जानकारी के अनुसार गाँव नांगल पठानी निवासी सुनील, अनूप पुत्र करतार सिंह तथा हर्ष , अंकित पुत्र अनिल, निशांत पुत्र सुनील एवं महिला सुदेश ,अनीता , कविता (माया) आदि लाठी , डंडे एवं कुल्हाड़ी लेकर पत्रकार के घर में घुस गए तथा उनके परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया , जिसमें पत्रकार एवं पत्नी तथा पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए । आरोपियों ने छोटी बच्ची पर भी हमला करने की कोशिश की लेकिन मासूम बच्ची बाल-बाल बच गई । इस हमले में पत्रकार तथा उनकी पत्नी एवं उनके पुत्र को गंभीर चोटे आई जिनको कोसली के सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया । डाक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए पत्रकार एवं उनकी पत्नी को ट्रामा सेंटर रेवाड़ी में रैफर कर दिया जहाँ पत्रकार की हालत नाजुक बताई गई है । पुलिस की कार्यवाही :- जब इस बारे में जादूसाना एसएचओ प्रिंस सोनी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पत्रकार के घर में घुसकर जानलेवा हमला करने वाले अभी महिला-पुरुषों के खिलाफ कड़ी क़ानूनी कार्यवाही की जाएगी ।

एसएचओ ने कहा की घटना स्थल का मौका मुआयना कर लिया गया है तथा आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है तथा शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।

केवल बेटियों वाले परिवारों के लिए सहारा बनी लाडली पेंशन, अब मिल रहे 3,200 रुपए मासिक

● 45 वर्ष की आयु पूरी होने पर शुरू होता है भत्ता

पानीपत,(चुघ) भेदी नजर। हरियाणा सरकार की लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता योजना केवल बेटियों वाले परिवारों के लिए आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करने, उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा देने और माता-पिता को आर्थिक सहारा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को अब 3,200 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जा रही है। उपायुक्त ने बताया कि केवल बेटियों वाले ऐसे परिवार, जो योजना की निर्धारित शर्तें पूरी करते हैं, वे बिना किसी झिझक के आवेदन करें और सरकार की इस सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ उठाएं। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि पात्र लोगों को योजना की जानकारी देकर आवेदन प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उपायुक्त डॉ हरीश ने बताया कि पात्र परिवार अपनी फैमिली आईडी में दर्ज विवरण को सही रखें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त करें। बताया कि योजना के तहत ऐसे पति-पत्नी पात्र हैं, जिनका कोई बेटा नहीं है। इसमें सगा या गोद लिया हुआ बेटा भी शामिल है। परिवार में केवल लड़की या लड़कियां होने की स्थिति में तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करने पर माता-पिता योजना का लाभ ले सकते हैं। परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय दो लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ने बताया कि – योजना का लाभ उस समय शुरू होता है, जब माता या पिता में से किसी एक की आयु 45 वर्ष या उससे अधिक हो जाती है। योजना के तहत मिलने वाली 3,200 रुपए की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है।

प्राथमिकता परिवार की महिला यानी माता के बैंक खाते को दी जाती है। माता के जीवित न होने की स्थिति में यह लाभ पिता को दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि – लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता योजना का लाभ 60 वर्ष की आयु तक दिया जाता है। लाभार्थी के 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर विभाग द्वारा सरल पोर्टल के माध्यम से इस पेंशन को स्वतः वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना में परिवर्तित कर दिया जाता है। इससे लाभार्थी को अलग से वृद्धावस्था भत्ते के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं रहती। आवेदन के दौरान फैमिली आईडी, बैंक खाते, आय प्रमाण पत्र और आयु से संबंधित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने होते हैं।

जिला प्रशासन ने जिले के ऐसे सभी परिवारों से अपील की है, जिनमें केवल बेटियां हैं और वे योजना की पात्रता पूरी करते हैं, वे समय रहते आवेदन करें। साथ ही अपनी फैमिली आईडी में दर्ज पारिवारिक एवं अन्य आवश्यक विवरणों की जांच कर उन्हें सही रखना सुनिश्चित करें, ताकि योजना का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

'सेवा संकल्प अभियान' 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक होगा आयोजन

'सेवा संकल्प अभियान' में होंगे जनकल्याण से जुड़े 12 प्रमुख कार्यक्रम, आशीर्वाद का दीया' से होगा शुभारंभ

रेवाड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और शासन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि अभियान का व्यापक उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट कर सेवा, सहयोग और सहभागिता की संस्कृति को मजबूत करना है। इसके साथ ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका को रेखांकित करने की दिशा में भी अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि 'सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' मॉड्यूल एक से होगी। इसी तरह 12 मॉड्यूल के तहत कार्यक्रम आयोजित करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला में 'सेवा संकल्प अभियान' के प्रमुख कार्यक्रमों में 'आशीर्वाद का दीया/रक्तदान', 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा', 'नमो सेवा-अनकही कहानियां', 'आंगन मिलन सेवा', 'सेवा की कहानी', 'सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प', 'वडनगर वाराणसी सेवा यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग', 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' तथा 'सुशासन सेवा संवाद' शामिल हैं। डीसी ने बताया कि इन कार्यक्रमों के जरिए सेवा को केवल एक गतिविधि तक सीमित रखने के बजाय इसे सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का संदेश दिया जाएगा। रक्तदान जैसे जनसेवा कार्यों से जरूरतमंदों की मदद को प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं चित्र सेवा और अनकही कहानियों जैसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच और सेवा भावना को सामने लाने का माध्यम बनेंगे। इसी तरह 'सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प' और 'सेवा सेतु अभियान' के माध्यम से जनभागीदारी को व्यापक रूप देने पर जोर रहेगा। वहीं 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' के जरिए सेवा कार्यों में नए विचार और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाएगा। 'सुशासन सेवा संवाद' के माध्यम से सेवा, सुशासन और जनकल्याण के बीच संबंध को मजबूत करने का प्रयास होगा। डीसी ने संबंधित नोडल अधिकारियों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि 'सेवा संकल्प अभियान' से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत समाज में सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा कार्यों से जोड़ने और जनकल्याण की भावना को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

हुक्का नहीं 85 सिगरेट गुड़गुड़ा रहे आप, अभी नहीं संभले तो हो सकता है कैंसर

डॉक्टरों ने दी चेतावनी

करनाल , एजेंसी। हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति और जीवनशैली में हुक्के का स्थान बेहद ख़ास रहा है. प्रदेश की चौपालों से लेकर गांवों के आंगनों तक, हुक्के को केवल एक नशीले पदार्थ या धूम्रपान के साधन के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इसे सदियों पुरानी सामाजिक व्यवस्था, भाईचारे और बुजुर्गों के सम्मान का प्रतीक माना जाता है. गांव के बड़े-बुजुर्ग जब एक साथ बैठकर हुक्के की घूंट खींचते हैं, तो वहां ना केवल सुख-दुख की बातें साझा होती हैं, बल्कि बड़े से बड़े सामाजिक, पारिवारिक और भूमि विवादों का निपटारा भी इसी हुक्के की बैठक में कर दिया जाता है. हालांकि इस सांस्कृतिक ताने-बाने वाले शौक के पीछे एक जानलेवा स्वास्थ्य संकट छुपा हुआ है. चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ बार-बार इस बात की चेतावनी दे रहे हैं कि हुक्का पीना सिगरेट या बीड़ी की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक है. साथ ही ये कैंसर जैसी बीमारी पीने वाले को दे रहा है लेकिन जब तक लोग इन बीमारियों की चपेट में नहीं आ जाते, तब तक वे इस शौक की सच्चाई को स्वीकार नहीं करना चाहते हैं और डॉक्टर की सलाह को फिजूल मानते हैं.

हुक्के का इतिहास जानिए : सबसे पहले हुक्के का इतिहास जानिए. हुक्के का आविष्कार भारत में मुगल काल के दौरान 16वीं शताब्दी में हुआ था. हुक्के का आविष्कार मुगल काल में अकबर के ईरानी चिकित्सक अबुल-फतह गिलानी ने भारत के फतेहपुर सिकरी शहर में किया था. शुरुआत में तंबाकू के धुएं को स्वास्थ्य के लिए कम हानिकारक बनाने और उसे पानी से छानकर ठंडा करने के लिए इसे बनाया गया था. पहले हुक्के का आधार नारियल के खोल और नली बांस से बनाई जाती थी. भारत से यह परंपरा बाद में फारस (ईरान), ओटोमन साम्राज्य और अन्य मध्य पूर्वी देशों में फैली.

हरियाणा में हुक्का : हरियाणा में हुक्का सैकड़ों सालों से आपसी भाईचारे, एकता और मान-सम्मान का प्रतीक रहा है. हरियाणा की संस्कृति में हुक्के को 'पंचों का प्याला' भी कहा जाता है. गांव की चौपालों या बैठकों में एक ही हुक्के पर बैठकर सभी लोग फैसले लेते थे. हुक्का पीने की परंपरा में सबसे बड़े या बुजुर्ग व्यक्ति को सबसे पहले सम्मान के साथ हुक्का दिया जाता है. पुराने समय में गांव के बड़े-बूढ़े साथ बैठकर हुक्के की गुड़गुड़ाहट के बीच सुख-दुख की बातें साझा करते थे. किसी व्यक्ति से सामाजिक संबंध तोड़ने को 'हुक्का-पानी बंद करना' कहा जाता था. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग महिलाएं भी घर के भीतर चिलम या छोटी पाइपनुमा 'हुक्खी' का सेवन करती थीं.

हरियाणा सरकार ने लगाया प्रतिबंध : हरियाणा सरकार ने राज्य के सभी होटलों, रेस्तरां, बार और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में हुक्का बार और हुक्का परोसने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा रखा है. यह रोक सभी प्रकार के कमर्शियल स्थानों, क्लबों, पब और बार पर लागू होती है. ग्रामीण इलाकों में और घरों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक और सांस्कृतिक हुक्के को इस नियम से बाहर रखा गया है. हुक्के को लेकर सामाजिक धारणाएं और मिथक : हरियाणा के जनमानस में हुक्के को लेकर कुछ ऐसी गहरी जड़ें जमा चुकी मान्यताएं हैं, जो लोगों को इसके वास्तविक खतरों से बेखबर रखती हैं. करनाल में हुक्के का कश खींचने वाले जगबीर सिंह का मानना है पानी से धुआं फिल्टर हो जाता है. चूंकि हुक्के का धुआं पानी की कटोरी से होकर गुजरता है, इसलिए उसमें मौजूद हानिकारक तत्व या विषैले रसायन पानी में ही छन जाते हैं. लोगों का मानना है कि फेफड़ों तक केवल ठंडा और साफ धुआं पहुंचता है.

भाईचारा बढ़ाता है हुक्का : हुक्का पीने वाले बुजुर्ग बलबीर का कहना है हुक्के को एक ही नली से पीने की प्रथा को सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है. जातिगत या सामाजिक भेद-भाव को भुलाकर जब लोग एक साथ हुक्का गुड़गुड़ाते हैं, तो इसे सामूहिक सद्भाव की निशानी समझा जाता है.

पाचन और गैस से राहत का दावाः बुजुर्ग गजे सिंह मानते हैं कि सुबह-सुबह हुक्का पीने से पेट साफ होता है, बदहजमी दूर होती है और गैस की समस्या से राहत मिलती है. वर्षों से हुक्का पी रहे बुजुर्ग गजे सिंह , बलबीर सिंह और राजिंदर ये तर्क देते हैं कि वे 40-50 सालों से हुक्का पी रहे हैं और उन्हें आज तक कोई बड़ी बीमारी नहीं हुई, इसलिए डॉक्टर जो दावे कर रहे हैं वे गलत हैं.

सिगरेट से 80-85 गुना ज्यादा नुकसान : हुक्का गुड़गुड़ाने वाले भले ही इसके जितने फायदे गिना रहे हों लेकिन चिकित्सा विज्ञान और कैंसर अनुसंधान संस्थानों ने इस बात को पूरी तरह खारिज कर दिया है कि हुक्का सुरक्षित है. आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर डॉ. मीनाक्षी के अनुसार, हुक्का पीना सिगरेट से भी कई गुना अधिक घातक हैः

पानी की कार्यप्रणाली का सच : हुक्के का पानी धुएं को केवल थोड़ा ठंडा करता है, लेकिन वह उसमें मौजूद कैंसर पैदा करने वाले हानिकारक कार्सिनोजेन्स को बाहर नहीं निकाल पाता. निकोटिन, टार और भारी धातुएं पानी में घुलनशील नहीं होतीं और वे बिना किसी रुकावट के सीधे इंसान के फेफड़ों तक पहुंचती हैं.

80 से 85 सिगरेट के बराबर धुआं : एक औसत सिगरेट को पीने में व्यक्ति 5 से 9 मिनट लगाता है और लगभग 8 से 12 बार सांस खींचता है. इसके विपरीत हुक्के का एक सेशन (बैठक) आमतौर पर 60 से 90 मिनट तक चलता है. इस दौरान एक व्यक्ति सैकड़ों बार गहरा धुआं अंदर खींचता है. डॉक्टरों के अनुसार केवल 1 घंटे का हुक्का सेशन शरीर में 80 से 85 सिगरेट के बराबर हानिकारक धुआं पहुंचा देता है.

रेवाड़ी में युवक की हत्या मामला: पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, अवैध संबंध का मामला

रेवाड़ी, एजेंसी। 7 सितंबर को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी के पास युवक की हत्या के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. भाड़ावास गांव जाने वाले रास्ते पर कमालपुर निवासी एक व्यक्ति की हत्या की गई थी. पुलिस ने हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव कमालपुर निवासी प्रवीन उर्फ पपला और अमन कुमार के रूप में हुई है. रेवाड़ी में युवक की हत्या मामला : एएसपी दीपिका अग्रवाल ने बताया कि '7 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी के पास गांव भाड़ावास वाले रास्ते पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है. सूचना मिलते ही थाना माडल टाउन पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची. घटनास्थल का गहनता से निरीक्षण करने के लिए सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए.' जितेंद्र के रूप में हुई मृतक की पहचान : मृतक के सिर पर किसी भारी वस्तु से गहरी चोट के निशान थे और काफी खून बहा हुआ था. मृतक की पैंट की जेब से एक आईफोन बरामद हुआ, मृतक पहचान जितेन्द्र (उम्र 40 वर्ष) निवासी गांव कमालपुर के रूप में हुई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल रेवाड़ी में पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया. चाचा ने गांव के ही युवक पर जताया हत्या का शक : मृतक के चाचा उत्तम सिंह ने पुलिस को दिए अपने बयान में उनके ही गांव के प्रवीन उर्फ पपला सहित उसके एक अन्य साथी पर जितेन्द्र के सिर पर चोट मारकर हत्या करने का संदेह जताया था. जिस पर पुलिस ने थाना माडल टाउन रेवाड़ी में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी. बीयर पार्टी के बहाने बुलाकर मारी रॉड : एएसपी दीपिका अग्रवाल ने बताया कि जांच के दौरान सीआईए रेवाड़ी व थाना माडल टाऊन पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों व गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए वीरवार को मामले में संलिप्त दो आरोपी प्रवीन उर्फ पपला और अमन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी ने किया खुलासा : पुलिस द्वारा पूछताछ में आरोपी प्रवीन उर्फ पपला ने वारदात की पूरी कहानी का खुलासा किया. प्रवीन ने बताया कि उसे संदेह था कि मृतक जितेंद्र का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध हैं. इसी रंजिश के चलते उसने जितेंद्र को रास्ते से हटाने की योजना बनाई. घटना वाले दिन उसने जितेंद्र को बीयर पार्टी के बहाने गांव कमालपुर स्थित शराब के ठेके पर बुलाया. वहां से दोनों ने नहर की पुलिया पर बैठकर बीयर पी. इसके बाद आरोपी प्रवीन, जितेन्द्र के साथ अपने भतीजे अमन कुमार को मिंडा कंपनी से लेने चला गया. ऐसे दिया हत्या की वारदात को अंजाम : अमन को साथ लेकर तीनों गाड़ी में सवार होकर हिंदुस्तान पेट्रोलियम रिफाइनरी के पास गांव भाड़ावास वाले सुनसान रास्ते पर पहुंचे, जहां उन्होंने फिर से बियर पी. इस दौरान जब जितेंद्र शौच करने के लिए नीचे उतरा, तो प्रवीन ने पीछे से गाड़ी में रखी लोहे की भारी रॉड से उसके सिर पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इस दौरान उसका भतीजा अमन आने जाने वाले लोगों की निगरानी करता रहा.वारदात को अंजाम देने के बाद वह अमन के साथ गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए. पुलिस द्वारा आरोपियों को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि वारदात में इस्तेमाल गाड़ी, लोहे की रॉड व अन्य साक्ष्य बरामद किए जा सकें. मामले की अग्रिम जांच जारी है.

बारिश का अलर्ट जारी, यमुनानगर में आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने वाला है. मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में 13 से 18 सितंबर तक बारिश का दौर बना रहेगा. इस दौरान कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक की संभावना है. 13 से 17 सितंबर के बीच कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है. मौसम विभाग ने आज यमुनानगर में भारी बारिश के साथ आंधी और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए चेतावनी जारी की है. 16-17 सितंबर को बढ़ेगा बारिश का दायरा: मौसम विभाग के अनुसार 13 से 15 सितंबर के बीच प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक हो सकती है. इसके बाद 16 और 17 सितंबर को बारिश की गतिविधियां बढ़ने और प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना है. 18 सितंबर को बारिश का दायरा फिर सीमित होकर कुछ स्थानों तक रहने का अनुमान है. लगातार बादल और बारिश की गतिविधियों के कारण अगले कुछ दिनों में तापमान में भी बहुत ज्यादा बढ़ोतरी की संभावना नहीं है.13 सितंबर को इन जिलों में बारिश के आसार: 13 सितंबर को पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, करनाल, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, नूंह और पलवल में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. इसके अलावा कुरुक्षेत्र, कैथल, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत, पानीपत, भिवानी और चरखी दादरी में भी कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है. यमुनानगर में भारी बारिश के साथ आंधी-बिजली की चेतावनी: मौसम विभाग ने यमुनानगर में भारी बारिश के साथ आंधी और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए चेतावनी जारी की है. विभाग ने खराब मौसम के दौरान लोगों को खुले स्थानों पर जाने से बचने और सावधानी बरतने की सलाह दी है. प्रदेश में 35.9 डिग्री तक पहुंचा तापमान: शनिवार को हरियाणा के औसत अधिकतम तापमान में करीब 1.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई. प्रदेश में सबसे अधिक तापमान रोहतक के कैनाल रेस्ट हाउस में 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ. नारनौल में अधिकतम तापमान 34.0, महेंद्रगढ़ में 34.2, रेवाड़ी में 33.1, गुरुग्राम में 33.1, नूंह में 33.3 और पलवल में 34.5 डिग्री सेल्सियस रहा. पिछले 24 घंटे में कहां हुई बारिश: पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश दर्ज की गई. फरीदाबाद में 2.0 एमएम, रोहतक के कैनाल रेस्ट हाउस में 2.5 एमएम, सोनीपत के जगदीशपुर में 3.0 एमएम, यमुनानगर के हथनीकुंड में 1.0 एमएम और रेवाड़ी के बावल में 0.5 एमएम बारिश हुई. नूंह में भी 0.5 एमएम बारिश दर्ज की गई.

युवक से मारपीट और वीडियो वायरल करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने शहर में निकाला जुलूस

फतेहाबाद, एजेंसी। रतिया में युवक को घेरकर मारपीट करने और घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सीआईए रतिया की टीम ने मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों को शहर के विभिन्न बाजारों से होते हुए रामनगर कॉलोनी तक पैदल ले जाकर घटनास्थल से जुड़े स्थानों की निशानदेही कराई। पुलिस की इस कार्रवाई को देखने के लिए रास्ते में लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रतिया निवासी कुलदीप उर्फ कल्याण, संदीप उर्फ सिप्पी, मंदीप उर्फ मणी शिकारी, जोगा उर्फ कालू, सतनाम सिंह और सोनू के रूप में हुई है। आरोपियों की उम्र करीब 19 से 25 वर्ष के बीच बताई गई है। सीआईए स्टाफ प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रदीप पुरी की मौजूदगी में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। मामला 10 सितंबर की शाम का बताया जा रहा है। शिकायत के मुताबिक सिरसा से काम करके रतिया लौट रहे 27 वर्षीय राजकुमार को धमरवीर के मकान के पास कुछ युवकों ने घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों ने तेजधार हथियारों, डंडों और ईंटों से उसके साथ मारपीट की। हमले में युवक के दोनों बाजुओं, दोनों टांगों, सिर और पीठ पर चोटें आईं। घायल को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल रतिया ले जाया गया, जहां से उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसकी दोस्ती टौनी नामक युवक से है। टौनी की मकबन सिंह के साथ करीब दो माह से रंजिश चल रही थी। इसी विवाद के चलते उस पर हमला किए जाने का आरोप है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आया। पुलिस ने वायरल वीडियो को गंभीरता से लेते हुए उसमें दिखाई दे रहे युवकों की पहचान शुरू की। इसके बाद संभावित ठिकानों पर दबिश देकर छह आरोपियों को काबू किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने शहर में पैदल ले जाकर घटना से संबंधित स्थानों की निशानदेही कराई।पुलिस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है। अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

करनाल में नहर में डूबे बाप-बेटे की दो दिन बाद मिली लाश

घर में पसरा मातम, एक साथ होगा अंतिम संस्कार

करनाल, एजेंसी। करनाल के निसिंग क्षेत्र में बेटे की जान बचाने के लिए पिता ने नहर में छलांग लगा दी. हालांकि तेज बहाव के आगे दोनों की जिंदगी हार गई. दो दिन तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद आखिरकार दोनों बाप-बेटे के शव को बरामद कर लिया गया है. अब गांव में दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा. खेत में काम कर रहे थे दोनों: मृतक के परिजन मनीष कुमार ने कहा कि, 'निसिंग क्षेत्र के गांव वीर बड़ालवा निवासी 78 वर्षीय सतनाम और उनका 20 वर्षीय बेटा मानुष खेत में फसल पर स्प्रे करने के लिए गए थे. खेत के पास ट्यूबवेल की सुविधा नहीं थी, इसलिए स्प्रे की टंकी में पानी भरने के लिए मानुष पास से गुजर रही हाबड़ी ब्रांच स्थित बस्तली नहर के पास पहुंचा.

इसी दौरान पानी लेने के प्रयास में उसका पैर फिसल गया और वह अचानक गहरे पानी में जा गिरा. मानुष को नहर में डूबता देख उसके साथी ने भी उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के सामने उसकी कोशिश नाकाम रही.' बेटे की आवाज सुनी तो पिता ने लगाई छलांग: इधर, कुछ ही दूरी पर मौजूद मानुष के पिता सतनाम को जब बेटे के नहर में गिरने की खबर मिली तो वह दौड़कर मौके पर पहुंचे. बेटे को जिंदगी और मौत के बीच जूझता देख पिता ने एक पल भी नहीं सोचा और सीधे नहर में छलांग लगा दी. सतनाम को तैरना तक नहीं आता था. बेटे को बचाने की कोशिश में उन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं की. लेकिन नहर का तेज बहाव दोनों को अपने साथ बहा ले गया और देखते ही देखते दोनों गहरे पानी में गायब हो गए. दो दिन तक चला सर्च ऑपरेशन: वहीं, परिजन नितेश कुमार ने बताया कि, 'हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों की तलाश के लिए लगातार सर्च अभियान चलाया गया. करीब दो दिन तक नहर में तलाश जारी रही. आखिरकार आज राजौंद गांव के पास नहर से पिता-पुत्र दोनों के शव बरामद कर लिए गए. शव मिलने की खबर जैसे ही परिवार तक पहुंची, घर में मातम पसर गया. 'ञ्च पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंपे जाएंगे शव: मामले में पुलिस जांच अधिकारी विनीत कुमार ने बताया कि, 'मानुष खेत में स्प्रे का काम कर रहा था. गर्मी के कारण वह नहर की तरफ गया था. इसी दौरान वह पानी में डूब गया और उसे बचाने के लिए उसके पिता सतनाम ने भी नहर में छलांग लगा दी. सतनाम को तैरना नहीं आता था, जिसके चलते दोनों पानी में डूब गए. पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर लिया है. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे.'

22 की उम्र में जींद के नवीन कौशिक बने सेना में लेफ्टिनेंट, मां का ताना बनी प्रेरणा, घर लौटाने पर भव्य स्वागत

जींद, एजेंसी। अहिरका गांव के 22 वर्षीय नवीन कौशिक ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर परिवार और गांव का नाम रोशन किया है. चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में पासिंग आउट परेड के बाद नवीन पहली बार अपने गांव पहुंचे, तो ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ उनका जोरदार स्वागत किया. नवीन का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा मौजूद रहे.

मां की डांट को बनाया चुनौती: नवीन की सफलता के पीछे मेहनत के साथ उनकी मां की डांट का भी दिलचस्प किस्सा है. नवीन ने बताया कि पढ़ाई के दिनों में जब वह घर के काम में हाथ नहीं बंटाते थे तो उनकी मां अक्सर ताना मारते हुए कहती थीं- 'काम क्यों नहीं करता, क्या कहीं का लेफ्टिनेंट लगा हुआ है' मां के ये शब्द नवीन के मन में बैठ गए. उन्होंने इसी बात को चुनौती के रूप में लिया और ठान लिया कि एक दिन वह सच में लेफ्टिनेंट बनकर दिखाएंगे. आज वही बात हकीकत बन चुकी है. सीडीएस की जानकारी मिली तो शुरू की तैयारी: नवीन ने बताया कि बचपन से ही उनका सपना देश की सेवा करने का था. दिल्ली में ग्रेजुएशन की पढ़ाई के दौरान उन्हें सीडीएस (कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज) परीक्षा के बारे में जानकारी मिली. इसके बाद उन्होंने अनुशासन और लगातार मेहनत के साथ तैयारी शुरू कर दी. लिखित परीक्षा और एसएसबी इंटरव्यू की कठिन प्रक्रिया को पार करने के बाद उनका चयन सैन्य प्रशिक्षण के लिए हुआ. चेन्नई में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन मिला. युवाओं को दिया मेहनत का संदेश: नवीन ने कहा कि आज इंटरनेट के जरिए युवाओं के पास पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए तमाम संसाधन उपलब्ध हैं. युवा 11वीं-12वीं कक्षा से ही एनडीए की तैयारी शुरू कर सकते हैं. उन्होंने युवाओं से सही दिशा में तैयारी करने, अनुशासन बनाए रखने और इंटरनेट का सकारात्मक इस्तेमाल करने की अपील की.

माता-पिता की आंखों में छलके खुशी के आंसू: पासिंग आउट परेड में नवीन के कंधों पर लेफ्टिनेंट के सितारे सजते देख उनके पिता दलबीर शर्मा और माता भावुक हो गए. माता-पिता ने कहा कि बेटे ने बचपन में देखे अपने सपने को मेहनत से पूरा कर दिखाया है. नवीनद्ध के गांव लौटने पर पूरे अहिरका में उत्सव जैसा माहौल रहा. ग्रामीणों ने कहा कि नवीन की सफलता गांव के दूसरे युवाओं को भी सेना में जाने के लिए प्रेरित करेगी.

ट्यूशन से लौट रही 5 साल की मासूम बच्चियों पर कुत्ते का हमला, घर तक पीछा किया

फरीदाबाद, एजेंसी। ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही 5 वर्षीय दो मासूम बच्चियों पर एक खूंखार कुत्ते द्वारा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कुत्ता बच्चियों के पीछे पड़ गया और उनके घर के दरवाजे तक पीछा करता रहा। किसी तरह परिजनों और आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर बच्चियों को कुत्ते के चंगुल से बचाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।इस घटना के बाद से ही क्षेत्र के निवासियों और परिजनों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल है। घटना के बाद पीड़ित परिवार और पड़ोसियों ने जमकर हंगामा किया और स्थानीय प्रशासन से शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों के अनुसार, मासूम बच्चियां शाम को ट्यूशन पढ़कर वापस लौट रही थीं, तभी अचानक कुत्ते ने उन पर हमला बोल दिया और भागने के दौरान घर के मुख्य द्वार तक उनका पीछा किया। एनजीओ कर्मी पर गंभीर आरोप: परिजनों ने आरोप लगाया है कि

कॉलोनी में ही रहने वाली एक एनजीओ कर्मी ने कई आवारा कुत्तों को पाल रखा है। जब परिजनों ने इस हमले का विरोध किया, तो आरोप है कि महिला ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और परिजनों के साथ बदसलूकी की। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा और हिंसक कुत्तों का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है, जिससे छोटे बच्चों और बुजुर्गों का घर से बाहर निकलना मुहाल हो गया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस और स्थानीय नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि हिंसक कुत्तों को पालने और उन्हें खुला छोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि दोबारा किसी बच्चे की जान जोखिम में न पड़े।

2 बाइकों पर आए 4 हमलावरों ने पुलिस जवान को चाकुओं से गोदा, पर्स और मोबाइल लूटकर हुए फरार

अंबाला, एजेंसी। अंबाला शहर के बलदेव नगर इलाके में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब पुलिस कर्मचारी भी सुरक्षित नहीं हैं। गुरुग्राम पुलिस में तैनात कांस्टेबल मुकेश कुमार पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी कांस्टेबल का मोबाइल फोन और पर्स छीनकर मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल पुलिस कर्मचारी को तुरंत अंबाला शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित मुकेश कुमार गुरुग्राम में पुलिस कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं। मुकेश कुमार अंबाला सेंट्रल जेल में एक मामले का प्रोडक्शन वारंट रिसीव करवाने आए थे। जब वे बलदेव नगर इलाके में ऑटो से उतरकर कुछ दूरी पर पैदल चल रहे थे, तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार नकाबपोश/अज्ञात बदमाशों ने उन्हें घेर लिया।बदमाशों ने चाकुओं के बल पर उनके साथ मारपीट की और चाकुओं से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद उनका पर्स और मोबाइल फोन छीनकर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही अंबाला पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।घायल जवान का अंबाला शहर के सिविल अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस की टीमें घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं, ताकि बदमाशों के भागने के रूट और उनकी पहचान का पता लगाया जा सके।

बिहारीपुर के कबीरपंथी आश्रम में गेट तोड़कर चोरी, चांदी के 5 छत्र, नकदी और मोबाइल ले उड़े चोर

रेवाड़ी, एजेंसी। गांव बिहारीपुर स्थित प्रसिद्ध कबीरपंथी आश्रम में चोर लोहे का गेट तोड़कर अंदर घुस गए और चांदी के पांच छत्र, 14 हजार रुपये की नकदी व एक मोबाइल चोरी कर फरार हो गए। वारदात के समय आश्रम के महंत परम दास किसी काम से रेवाड़ी गए हुए थे। महंत परम दास ने बताया कि वह सुबह किसी काम से रेवाड़ी गए थे और रात को वहीं रुक गए। अगले दिन दोपहर करीब एक बजे जब वह आश्रम पहुंचे तो लोहे का गेट टूटा हुआ था। आश्रम के अंदर सभी लाइटें जल रही थीं और कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर चांदी के पांच छत्र, बिस्तर के नीचे रखी 14 हजार रुपये की नकदी और एक श्रद्धालु द्वारा भेंट किया गया मोबाइल गायब मिला। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना गांव के सरपंच को दी गई। सरपंच के मौके पर पहुंचने के बाद डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और थाने में लिखित शिकायत देने को कहा। महंत ने बताया कि उन्हें किसी पर शक नहीं है, लेकिन आश्रम की लाइटें जलती मिलने से अंदेशा है कि चोरी रात के समय की गई। ग्रामीण सुमेर सिंह ने बताया कि आश्रम गांव के बीच में स्थित है और महंत के बाहर होने की जानकारी किसी स्थानीय व्यक्ति को ही रही होगी। उन्होंने आशंका जताई कि गांव के ही किसी व्यक्ति ने वारदात को अंजाम दिया है। ग्रामीणों के अनुसार आश्रम में पहले भी छोटी-मोटी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

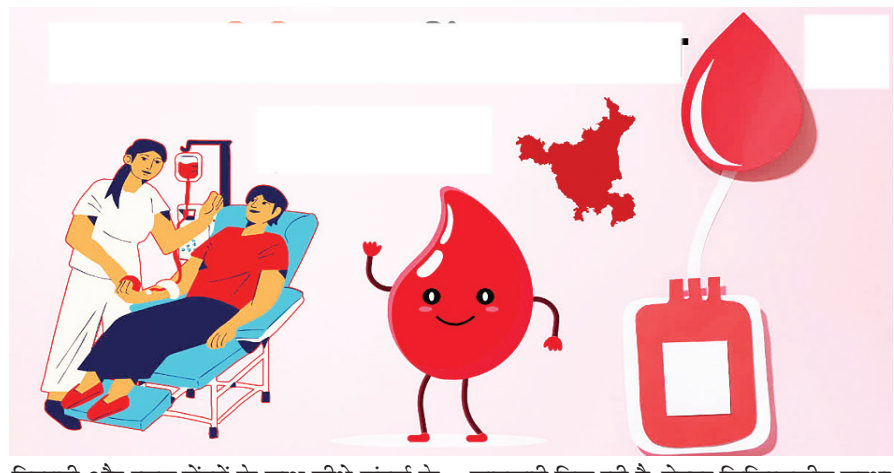

रक्तदान में नंबर वन बना हरियाणा, लगातार तीसरी बार हासिल की उपलब्धि, एक साल में 5.89 लाख यूनिट रक्त जुटाया

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉक्टर सुमिता मिश्रा ने बताया कि हरियाणा लगातार तीसरे साल रक्तदान के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य बना है. इससे पहले प्रदेश को वर्ष 2024 और 2025 में भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ था. हरियाणा में 5.89 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया गया और 8,189 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए. रक्तदान में देश में नंबर वन बना हरियाणाः ई-रक्तकोष पोर्टल पर दर्ज सत्यापित वार्षिक रक्तदान आंकड़ों के आधार पर प्रति दस लाख आबादी पर रक्तदान के मामले में हरियाणा सभी राज्यों में प्रथम स्थान पर रहा है. भारत सरकार द्वारा हरियाणा को 1 अक्टूबर, 2026 को नई दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया जाएगा. 5.89 लाख यूनिट रक्त एकत्रः डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि 'हरियाणा ने 2025-26 के दौरान 5.89 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया और वित्तीय वर्ष के दौरान 8,189 रक्तदान शिविर आयोजित किए. हरियाणा की ये उपलब्धि निरंतर जनभागीदारी तथा राज्य द्वारा रक्त आधान सेवाओं को मजबूत करने, चिकित्सकीय सुरक्षा में सुधार, डिजिटल एकीकरण को बढ़ावा देने और सुरक्षित जीवनरक्षक रक्त एवं रक्त अवयवों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लगातार प्रयासों को दर्शाती है.' ब्लड सेंटरों की सुविधा बढ़ाई गईः चरखी दादरी जिला नागरिक अस्पताल में ब्लड सेंटर को लाइसेंस मिलने के साथ अब हरियाणा के 22 जिलों में कम से कम एक कार्यशील लाइसेंस प्राप्त सरकारी ब्लड सेंटर उपलब्ध हो गया है, जिससे जिला स्तर पर पूर्ण कवरेज हासिल हो गया है. ब्लड सेंटरों की संख्या 146 से बढ़कर 163 हो गई है. वर्तमान में राज्य में 34 सरकारी और 129 निजी ब्लड सेंटर हैं, जबकि 150 ब्लड सेंटर (92 प्रतिशत) ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन की सुविधा से लैस हैं. इससे मरीजों के लिए विशेष रक्त अवयवों की उपलब्धता मजबूत हुई है. स्वैच्छिक रक्तदान को मिल रही गतिः डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि 'हरियाणा ने केंद्रित

निगरानी और ब्लड सेंटरों के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदान बढ़ाने में तेजी से प्रगति की है. राज्य में स्वैच्छिक रक्तदान की दर 79 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त 2026 तक 92 प्रतिशत हो गई है. ये उपलब्धि ब्लड सेंटरों के साथ सीधे ऑनलाइन समीक्षा और संचालन संबंधी समस्याओं के समन्वित समाधान के बाद हासिल हुई है. इस प्रगति से हरियाणा 95 प्रतिशत के राष्ट्रीय मानक के और करीब पहुंच गया है. ये जीवनरक्षक अभियान में बढ़ती जनभागीदारी और ये सुनिश्चित करने के राज्य के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है कि स्वैच्छिक, बिना पारिश्रमिक वाले रक्तदान पर अधिक निर्भरता हो.' डिजिटल बदलाव से रक्त सेवाएं मजबूतः हरियाणा ने अपनी रक्त आधान सेवाओं को डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ एकीकृत करने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है.नए ्र-आधारित डोनर रजिस्ट्रेशन फीचर की शुरुआत के बाद दो महीने के भीतर 89 ब्लड सेंटर ्र सिस्टम से एकीकृत हो गए हैं. ये सुविधा राष्ट्रीय ई-रक्तकोष पोर्टल पर शुरू की गई है और इससे पहले ये संख्या शून्य थी. इसी समय 134 ब्लड सेंटर ई-रक्तकोष प्लेटफॉर्म पर लाइव जानकारी सक्रिय रूप से अपडेट कर रहे हैं, जिससे पारदर्शिता मजबूत हो रही है, रियल-टाइम निगरानी में सुधार हो रहा है और रक्त की उपलब्धता तथा सेवाओं के प्रदर्शन की बेहतर जानकारी मिल रही है. बेहतर चिकित्सकीय सुरक्षा, रक्त की कम बर्बादीः हरियाणा ने महत्वपूर्ण चिकित्सकीय सुरक्षा संकेतकों पर भी बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है. कुल 1,305 हाई-रिस्क रिएक्टिव डोनर्स में से 1,255 यानी 96.17 प्रतिशत को सफलतापूर्वक ट्रैक किया गया और उपयुक्त स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जोड़ा गया, जो 85 प्रतिशत के मानक से अधिक है.रक्त की बर्बादी भी नियंत्रण में रही है और डिस्कार्ड दर 2.69 प्रतिशत दर्ज की गई, जो 4 प्रतिशत के मानक से कम है. मरीजों के लिए मुफ्त रक्त और जीवनरक्षक सहायताः डॉ. मिश्रा ने कहा कि हरियाणा जीवनरक्षक उपचार की जरूरत वाले मरीजों की पहुंच मजबूत करने के लिए रक्त से संबंधित महत्वपूर्ण सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराना जारी रखे हुए है. सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को रक्त और रक्त अवयव मुफ्त उपलब्ध कराए जाते हैं. सरकारी संस्थानों में पात्र बीपीएल और डेंगू मरीजों को फ्री सिंगल डोनर प्लेटलेट्स भी उपलब्ध कराए जाते हैं. राज्य थैलेसीमिया, हीमोफीलिया और सिकल सेल एनीमिया जैसे विकारों से पीड़ित उन मरीजों को भी सहायता प्रदान करता है, जिन्हें बार-बार और आजीवन उपचार की आवश्यकता होती है. वर्तमान में जिला नागरिक अस्पतालों में 1,443 थैलेसीमिया मरीज और 1,018 हीमोफीलिया मरीज पंजीकृत हैं. राज्य की सहायता प्रणाली के तहत उन्हें क्रमशः मुफ्त आयरन केलेशन दवाएं और एंटी-हीमोफीलिया फैक्टर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं. बड़े पैमाने पर जनभागीदारी ने रक्तदान अभियान को बनाया मजबूतः डॉ. मिश्रा ने कहा कि बड़े पैमाने पर जनसक्रियता ने हरियाणा की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. 5 मई, 2025 को प्रदेशभर में आयोजित रक्तदान अभियान के दौरान एक ही दिन में 10,183 नागरिकों ने रक्तदान किया. मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हरियाणा ने युवाओं के नेतृत्व में आयोजित 51 रक्तदान शिविरों के माध्यम से 2,374 यूनिट रक्त एकत्र किया. इस पहल के दौरान हरियाणा की पहली ब्लड बैंक के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान भी शुरू की गई, जिससे आपात स्थितियों के लिए रक्त आधान सेवाओं की तैयारियों को मजबूत किया गया. एनसीआई झज्जर ब्लड सेंटर, जो पहला पेपरलेस ब्लड सेंटर है, को 14 जून, 2026 को गुजरात में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा का सर्वश्रेष्ठ ब्लड सेंटर घोषित किया गया. ये सम्मान राष्ट्रीय प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर बेहतर प्रदर्शन तथा अत्याधुनिक और स्वचालित ब्लड सेंटर तकनीक के उपयोग के लिए दिया गया. अगला चरण- उन्नत जांच और आगे विस्तारः आगे की दिशा बताते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि 'हरियाणा अब रक्त सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए उन्नत तकनीक के माध्यम से रक्त आधान सेवाओं को मजबूत करने के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है. पीजीआईएमएस रोहतक के ब्लड सेंटर में मशीन सुविधा स्थापित करने को मंजूरी दी गई है, जिससे रक्त आधान से फैलने वाले संक्रमणों की जांच और मजबूत होगी. स्वैच्छिक रक्तदान, आधुनिक ब्लड सेंटर बुनियादी ढांचे, डिजिटल निगरानी, रक्त सुरक्षा और मरीज-केंद्रित सहायता पर हरियाणा का निरंतर ध्यान राज्य की रक्त आधान प्रणाली को और मजबूत करेगा तथा जरूरतमंद लोगों के लिए सुरक्षित रक्त और रक्त अवयवों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा.

बांदीकुई जंक्शन पर फुट ओवरब्रिज का एंगल गिरा

यात्री की मौत, मेहंदीपुर बालाजी दर्शन कर घर जा रहे थे

बांदीकुई,एजेंसी। बांदीकुई रेलवे जंक्शन पर शनिवार रात फुट ओवरब्रिज का एक लोहे का एंगल यात्री के सिर के ऊपर गिर गया। हादसे में यात्री की मौत हो गई। यात्री मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन कर लौट रहे थे। मृतक की पहचान हरियाणा के झज्जर निवासी सुरेंद्र कुमार जाट (45) के रूप में हुई है।

बालाजी दर्शन कर घर जाने के लिए बांदीकुई जंक्शन आए थे– मृतक के फूफा सुरेंद्र ने बताया–मृतक सुरेंद्र जाट मेरे और उसकी बुआ कमलेश के साथ शुक्रवार शाम को मेहंदीपुर बालाजी दर्शन के लिए आए थे। शनिवार रात जयपुर – चंडीगढ़ ट्रेन से झज्जर जा रहे थे। मृतक सुरेंद्र फुट ओवरब्रिज के एंगल के सहारे बैठा था। इसी दौरान रात 12 :55 पर पुराने फुट ओवरब्रिज का करीब 25 फीट लंबा लोहे का एंगल अचानक टूटकर उसके सिर के ऊपर गिर गया। अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के 5 मिनट बाद ही ट्रेन आ गई थी। परिजनो का आरोप है एंगल के जंग लगी हुई थी। इस कारण वह टूटकर गिरी है। सूचना मिलने पर जीआरपी और आरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। उन्होंने शव को बांदीकुई के उप जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। सुरेंद्र किसान है। उनके एक बेटा और दो बेटियां हैं।

योगा एक्सप्रेस से रेवाड़ी जाने वाला था यात्री– जीआरपी थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया–मृतक रात को जयपुर – चंडीगढ़ ट्रेन से झज्जर जाने वाले थे। रविवार को पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। थाना प्रभारी ने बताया–प्लेटफॉर्म नंबर 1 के आसपास बंदरों का उपद्रव रहता है। उन्होंने आशंका जताई कि बंदरों के बार–बार एंगल को हिलाने से वह कमजोर होकर टूट गया होगा। हालांकि, पूरी सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी।

बीकानेर में महाराष्ट्र से आई एम्बरग्रीस, चार को पकड़ा

व्हेल मछली की उल्टी से बनता है प्रोडक्ट, 70 लाख का पैकेट बरामद

बीकानेर,एजेंसी। बीकानेर में पुलिस ने एम्बरग्रीस (व्हेल की उल्टी से बनने वाला पदार्थ) की डिलीवरी देने आए चार युवकों को पकड़ा है। इनमें तीन नाबालिग और एक बालिग है। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई कर उनके कब्जे से करीब 70 लाख रुपए कीमत का अंबरग्रीस का पैकेट बरामद किया। आरोपी महाराष्ट्र के रत्नागिरी से यह पैकेट लेकर बीकानेर पहुंचे थे।

रत्नागिरी से पैकेट लेकर बीकानेर पहुंचे– सीओ सिटी अनुज डाल ने बताया कि युवक एम्बरग्रीस का पैकेट महाराष्ट्र के रत्नागिरी से लेकर बीकानेर पहुंचे थे। यहां उन्हें इसकी डिलीवरी देनी थी। पुलिस अब जांच कर रही है कि यह पदार्थ उन्हें किसने उपलब्ध करवाया और बीकानेर में इसकी डिलीवरी किसे दी जानी थी।

सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर चारों को पकड़ा, पैकेट बरामद– सीओ सिटी अनुज डाल ने शनिवार रात बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक वन्यजीव से संबंधित प्रतिबंधित पदार्थ की डिलीवरी देने के लिए बीकानेर पहुंचे हैं। सूचना पर थाना पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों को पकड़ लिया। उनके कब्जे से पैकेट बरामद किया गया। इनमें तीन नाबालिग और एक बालिग युवक है। चारों को डिटेन किया गया है।

15 दिन पहले भी आया था सैंपल, अब पूरे नेटवर्क की जांच– जांच में सामने आया कि करीब 15 दिन पहले भी अंबरग्रीस का सैंपल बीकानेर में लाए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस अब दोनों मामलों के बीच कनेक्शन की जांच कर रही है। बरामद पदार्थ की वास्तविक प्रकृति और कीमत की पुष्टि के लिए संबंधित विभाग से जांच करवाई जाएगी। वन्यजीव से संबंधित पदार्थ होने के कारण वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर 30 करोड़ की हेरोइन बरामद

तस्करों ने ड्रोन से पांच किलो के 11 पैकेट गिराए, आधा किलो अफीम भी मिली

बीकानेर,एजेंसी। भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पुलिस और क्चस्स्न ने ड्रोन से भेजी गई करीब 30 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की है। श्रीगंगानगर के रावला थाना क्षेत्र के 14 केएनडी गांव में खेत से 11 पैकेट में 5 किलो 615 ग्राम हेरोइन और अलग पैकेट में 508 ग्राम अफीम मिली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मादक पदार्थ पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए सीमा पार गिराए गए थे। कार्रवाई 12 सितंबर की रात में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई।

संतराम के खेत में मिला बड़ा पैकेट– बीएसएफ से मिली सूचना के आधार, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने भारत–पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बीएसएफ बीकानेर रेंज की टीम के निर्देशन में कार्रवाई की गई। बाद में श्रीगंगानगर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद रावला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस ऑपरेशन में ष्टद्बष्ठ और क्चस्स्न की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार रावला थाना क्षेत्र के 14 केएनडी गांव निवासी संतराम बिश्नोई के खेत में सर्च अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान खेत में एक बड़ा संदिग्ध पैकेट मिला। पैकेट खोलने पर उसमें 11 छोटे पैकेट मिले। इनमें कुल 5 किलो 615 ग्राम हेरोइन थी। इसके अलावा अलग पैकेट में 508 ग्राम अफीम भी बरामद हुई। हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 30 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

ड्रोन से पाकिस्तान की ओर से खेप गिराने की आशंका प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद मादक पदार्थ पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए सीमा पार गिराए गए थे। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि खेप को खेत में किस जगह और कब गिराया गया था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इसकी डिलीवरी लेने के लिए कौन आने वाला था।

डिलीवरी लेने वालों की तलाश, ग्रामीण भी सर्च में शामिल– बरामदगी के बाद क्चस्स्न और पुलिस की संयुक्त टीमों ने बॉर्डर क्षेत्र में सर्च अभियान तेज कर दिया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां कंसाइनमेंट की डिलीवरी लेने आने वाले लोगों की तलाश कर रही हैं। आसपास के इलाकों और संभावित ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है। सर्च अभियान में स्थानीय ग्रामीणों का भी सहयोग लिया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां सीमा क्षेत्र के साथ आसपास के संभावित ठिकानों पर निगरानी रख रही हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

जयपुर एसीबी ने सांभरलेक थानाधिकारी को किया ट्रैप

थाने में 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा, सड़क निर्माण नहीं रुकवाने के लिए मांगी घूस

जयपुर,एजेंसी। जयपुर भ्ष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने सांभरलेक थानाधिकारी को थाने में ही 50 हजार रुपए की घूस लेते गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राममिलन मीणा ने सड़क निर्माण का काम नहीं रुकवाने की एवज में ठेकेदार से रिश्वत मांगी थी। फिलहाल एसीबी टीम की ओर से थानाधिकारी से पूछताछ के साथ ही ऑफिस और घर की तलाशी ली जा रही है। डीजी (एसीबी) गोविंद गुप्ता ने बताया- जयपुर एसीबी की टीम ने रविवार दोपहर सांभर थाने के पुलिस निरीक्षक राममिलन मीणा को अरेस्ट किया है। एसीबी मुख्यालय पर परिवादी (ठेकेदार) की ओर से थानाधिकारी राममिलन मीणा के रिश्वत मांगने की शिकायत दी गई थी, जिसके बाद एडिशनल एसपी (एसीबी) भूपेन्द्र के नेतृत्व में एसीबी टीम ने ट्रैप की कार्रवाई की।

50 हजार देने का दबाव बनाया था– गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी (ठेकेदार) ने कहा था कि PWD से मिले वर्क ऑडर पर सांभर इलाके में सड़क निर्माण का काम मिला है। सड़क निर्माण काम में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आने और बिना रोक-टोक के निर्माण कार्य चलते रहने की एवज में थानाधिकारी राममिलन घूस की डिमांड कर रहे हैं और रिश्वत के 50 हजार रुपए देने को लेकर लगातार दबाव बना रहे हैं।

हर महीने 20 हजार की डिमांड– शिकायत में बताया- परिवादी के पिता के नाम की फर्म को पीडब्ल्यूडी विभाग से सड़क निर्माण काम सौंपा गया है। सांभर लेक थाना इलाके में बिना रुकावट काम चालू रखने की एवज में पुलिस निरीक्षक राममिलन मीणा की ओर से हर महीने 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। वहीं रिश्वत राशि नहीं देने पर निर्माण साइट पर लगे वाहनों और कर्मचारियों को थाने ले जाकर परेशान किया जा रहा था। एसीबी सत्यापन के दौरान आरोपी राममिलन मीणा की ओर से हर महीने 10 हजार रुपए के हिसाब से कुल 50 हजार रुपए रिश्वत राशि की मांग करना पाया गया। एसीबी ने थानाधिकारी कक्ष में ही रिश्वत के 50 हजार रुपए लेते दबोच लिया।

एसीबी ने परिवादी को रिश्वत की रकम देकर भेजा था– एसीबी की ओर से शिकायत का सत्यापन करवाकर ट्रैप रखा गया। एसीबी टीम ने परिवादी ठेकेदार को घूस की रकम देकर थानाधिकारी राममिलन के पास भेजा। थाना परिसर में बने एसएचओ रूम में रिश्वत के 50 हजार रुपए लेते एसीबी टीम ने थानाधिकारी राममिलन को रंगे हाथों धर-दबोच लिया।

आरोपी थानाधिकारी से हो रही पूछताछ– एसीबी टीम की ओर से सांभर थाना परिसर में उनके ऑफिस और क्वार्टर की तलाश ली जा रही है। इसके साथ ही जयपुर के जगतपुरा स्थित घर पर भी सर्च किया गया। एसीबी टीम की ओर से फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

रानीवाड़ा में कार पलटने से दो बच्चियों की मौत

अहमदाबाद से सुंधा माता जा रहा था परिवार, 5 लोग घायल

रानीवाड़ा, एजेंसी। जालोर के रानीवाड़ा में कागमाला मोड पर इनोवा कार पलटने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई, वहीं पांच लोग घायल हो गए। हादसा कागमाला-बिलड रोड पर रविवार सुबह करीब 4 बजे हुआ। कार सवार लोग एक ही परिवार से है। सभी अहमदाबाद से सुंधा माता दर्शन करने के लिए जा रहे थे, लेकिन मंदिर से 7 किलोमीटर पहले ये हादसा हो गया।

एक ही परिवार के लोग थे सभी– सुंधा माता चौकी प्रभारी महिपाल सिंह ने बताया-हादसे में अहमदाबाद के कर्णावती के घटीवालावास निवासी श्रेपा (10) पुत्री अल्पेश भाई ठाकुर और परडोल, अहमदाबाद निवासी सिया (7) पुत्री तरुण भाई ठाकुर की मौत हुई है। वहीं श्रेपा के पिता अल्पेश भाई (31) पुत्र जगदीश भाई ठाकुर, मां गीताबेन, गांधीनगर निवासी चाचा फिजेश, दादी पारुल बेन और भाई रियान (9) घायल हुए हैं। वहीं सिया अल्पेश के साले की बेटी है। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए घायलों को गुजरात भेजा गया।

झाड़ियों में चली गई कार–महिपाल सिंह ने बताया-हादसे की सूचना के बाद वे टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। कार झाड़ियों के बीच पड़ी थी। घटनास्थल का जायजा लिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

अजमेर में रिटायर्ड डॉक्टर-टीचर से लूट की कोशिश

● घर से 100 मीटर पहले बदमाशों ने चेन खींचने के लिए झपट्टा मारा; लोगों ने 1 को पकड़ा

अजमेर,एजेंसी। अजमेर में रिटायर्ड डॉक्टर महेंद्र जैन (69) और उनकी पत्नी रिटायर्ड टीचर सुचित्रा जैन (66) से लूट की कोशिश हुई। दोनों शनिवार रात 8 बजे वैशाली नगर से स्कूटी पर सिविल लाइंस स्थित घर लौट रहे थे। घर से 100 मीटर पहले बाइक पर आए 2 बदमाशों ने महिला के गले से चेन खींचने की कोशिश की।

झपट्टा मारते ही बदमाशों की बाइक स्पीड ब्रेकर पर अनियंत्रित होकर गिर गई। दंपती भी स्कूटी से सड़क पर गिर गए। बाइक गिरने के बाद पीछे बैठा बदमाश उठा और सड़क पर गिरी सुचित्रा जैन की तरफ दौड़ा। नकली पिस्तौल तानकर धमकाया और गले से चेन तोड़ ली।

महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख पिस्तौल लहरा रहा बदमाश भागने लगा, लेकिन लोगों ने पकड़कर पिटाई कर दी। वहीं, दूसरा बदमाश नकली बंदूक दिखाते हुए मौके से भाग निकला। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया, थाने ले गई– घटना की सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाने से कॉन्स्टेबल रामावतार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गए। पुलिस ने मौके से बदमाशों की बाइक और नकली पिस्तौल को बरामद किया है।

रिपोर्ट मिलने के बाद होगी कार्रवाई– सिविल लाइन थाना प्रभारी शंभू सिंह ने बताया- स्कूटी सवार दंपती से लूट के कोशिश की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। स्थानीय लोगों ने एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। उससे पूछताछ की जा रही है और फरार साथी की तलाश की जा रही है। फिलहाल पीड़ित दंपती की ओर से लिखित शिकायत नहीं दी गई है। शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस-नेता के बेटे का सुसाइड, 10 दिन पहले हुई थी सगाई

▶▶ दादा की बंदूक से खुद को मारी गोली

जैसल सिंह

श्रीगंगानगर,एजेंसी। श्रीगंगानगर की श्रीकरणपुर पंचायत समिति के पूर्व प्रधान और कांग्रेस नेता युवरेंद्र सिंह के बेटे जैसल सिंह बराड़ (27) ने आत्महत्या कर ली। जैसल ने शनिवार दोपहर को 5-ओ स्थित अपने घर में की। उसके पास मिले सुसाइड नोट में केवल 'ढ्ढ,रू स्ह्रक्रक्रङ्घ' लिखा हुआ था। श्रीकरणपुर डीएसपी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया- केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र निवासी जैसल ने अपने दादा की 312 बोर की बंदूक से सिर में गोली मार ली। उसकी 10 दिन पहले ही सगाई हुई थी।

चाय देने कमरे में गया नौकर, बेड पर मिला शव– पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम करीब 5 बजे घर का नौकर जैसल को चाय देने उसके कमरे में गया था। उसने देखा की पूरा बेड खून से सना हुआ है और जैसल की बॉडी बेड पर ही पड़ी हुई है। वह घबराकर बाहर भाग परिवार को घटना की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार जैसल क्रस्न एग्जाम की तैयार कर रहा था। दस पहले हुई जैसल की सगाई घर में खुशियों का माहौल था। सुसाइड की घटना से घर में चीख-पुकार मची गई। जैसल कांग्रेस नेता युवरेंद्र सिंह का इकलौता बेटा था। सिंह साल 2000 से 2005 तक प्रधान रहे थे। उनके पिता बाघ सिंह भी पंचायत समिति प्रधान थे।

सुसाइड के कारणों को लेकर पूछताछ– पुलिस के अनुसार घटना दोपहर करीब 3.30 बजे की है। पुलिस को करीब 6 बजे सुसाइड की जानकारी मिली थी। शनिवार शाम को ही फोरेंसिक टीम ने जैसल के कमरे से सैंपल लिए थे। घटनास्थल से सुसाइड नोट और लाइसेंसी बंदूक को अपने कब्जे में लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रविवार सुबह मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिवार को सौंपा गया।

घर में बंद कमरे में पति-पत्नी के शव मिले

10 महीने की बेटी सुरक्षित मिली, 2 साल पहले नाता प्रथा से हुई थी शादी

बूंदी,एजेंसी। बूंदी शहर के ब्रह्मपुरी इलाके में रविवार सुबह करीब 7 बजे घर के कमरे में पति–पत्नी के शव मिले। कमरे के अंदर 10 महीने की बेटी सुरक्षित मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए हैं। घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। दोनों की 2 साल पहले नाता प्रथा से शादी हुई थी। डीएसपी अनिल जोशी ने बताया– हनीफ (37) और उसकी पत्नी रोशन (34) के शव मिले हैं। शुरुआती जांच में घटनास्थल की परिस्थितियां सुसाइड की ओर संकेत कर रही हैं। हालांकि, मृतकों के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं। इसलिए पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है। बच्ची को परिजनों को सौंप दिया है। **मकान के नीचे के हिस्से में रहती है मां–** जिस मकान में शव मिले, वह 2 कमरों का मकान है। मकान में ऊपर वाले कमरे में पति–पत्नी रहते हैं। नीचे के कमरे में हनीफ की मां रहती है। पुलिस यह पता कर रही है कि घटना से पहले घर में क्या हालात थे। पति–पत्नी के बीच कोई झगड़ा हुआ था या नहीं। पुलिस परिजनों और पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है। **महिला की मानसिक हालत नहीं थी ठीक–** हनीफ के भतीजे अकील अंसारी ने बताया कि रोशन की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। उसका इलाज चल रहा था। एक दिन पहले ही उसे हॉस्पिटल दिखाने गए थे। पड़ोसियों और परिजनों ने बताया कि पति–पत्नी में अक्सर झगड़ा होता रहता था। परिवार को आशंका है कि महिला ने पति पर हमला किया होगा। हनीफ ने करीब 2 साल पहले कैथून निवासी रोशन से नाता प्रथा से शादी की थी।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार 3 दोस्तों को कुचला

● परिजनों ने हत्या की FIR करवाई, बोले- रंजिश के चलते मारा, सिर पर पत्थर से भी वार किए

अलवर,एजेंसी। अलवर में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार 3 दोस्तों को रौंद दिया। तीनों ने मौके पर दम तोड़ दिया। कार की टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक और कार नाले की दीवार से टकराई, जिससे 5 फीट ऊंची दीवार टूट गई। एक युवक उछलकर नाले में गिर गया। बाइक के परखच्चे उड़ गए। घटना अरावली विहार थाना इलाके में काली मोरी स्थित मोती नगर में शनिवार रात 10:15 बजे की है। परिजनों का आरोप है कि रंजिश के चलते तीनों युवकों की हत्या की गई है। कार से कुचलने के बाद सिर पर पत्थर से वार किए गए। थाना प्रभारी सुनील टांक ने बताया- चोर डूंगरी निवासी जितेंद्र सिंह उर्फ छोटू (22) पुत्र बजरंग सिंह राजपूत, तहसीलदार कॉलोनी निवासी युवराज उर्फ युवी (21) पुत्र नेमीचंद सैनी और काला कुआं इलाके निवासी हिमांशु (22) पुत्र धर्मेंद्र शर्मा की मौत हुई है। छ्वस्क्क राजेश कसाना ने बताया- धर्मेंद्र शर्मा ने रिपोर्ट दी है कि उनके बेटे हिमांशु व उसके दो साथियों की कार से टक्कर मारकर हत्या की गई है। उसके अनुसार हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। उच्च अधिकारियों को भी मामले की रिपोर्ट दी है। इधर, मृतकों के परिजन, रिश्तेदार और आस-पड़ोस के लोग रविवार सुबह करीब 8 बजे जिला हॉस्पिटल के बाहर धरने पर बैठ गए। उनका कहना है कि जब तक पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगी, तब तक शव नहीं लेंगे।

परिजन का आरोप- रंजिश के चलते कार से कुचलकर मारा– युवराज (मृतक) के पिता नेमीचंद सैनी ने आरोप लगाया कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या है। युवराज का कॉलोनी के ही कुछ युवकों (सचिन मीणा व अन्य) से विवाद चल रहा था। जिस कार से बाइक को पीछे से टक्कर मारी गई, वह सचिन मीणा के नाम पर ही रजिस्टर्ड है। कार में 4 से 5 युवक सवार थे, जो वारदात के तुरंत बाद गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए।

चाचा बोले- कुचलने के बाद सिर पर पत्थर से वार किए– मृतक युवराज के चाचा दिनेश सैनी ने बताया- युवराज, जितेंद्र और हिमांशु शनिवार रात पुराना भूरासिद्ध मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के बाद अपने किसी दोस्त से मिलने जा रहे थे। काली मोरी के पास पहले उनको कार से कुचला गया। फिर उसके बाद सिर पर पत्थर से वार किए गए। मौके पर क्षत-विक्षत शव दूर-दूर मिले। एक शव नाले के अंदर पड़ा मिला। जिस कार ने टक्कर मारी, उसमें चोर डूंगरी निवासी सचिन मीणा पुत्र बल्लू, सागर, पलटा और आकाश थे। सचिन पर पहले भी मुकदमे दर्ज हैं। वह कुछ महीने पहले ही जेल से छूटकर आया था।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- दीवार से टकराने पर धमाके जैसी आवाज हुई– प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक आगे चल रही थी। कार तेज रफ्तार में बाइक के पीछे आ रही थी। काली मोरी जीएसएस बाउंड्री के पास मोड़ पर कार ने सीधे बाइक को टक्कर मार दी। कार और बाइक नाले की दीवार से टकराई, जिससे धमाके जैसी आवाज हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के एयरबैग खुल गए। वहीं बाइक सवार नाले में गिर गए।

बचपन के दोस्त थे– युवराज, जितेंद्र और हिमांशु बचपन के दोस्त थे। ज्यादातर समय साथ ही बिताते थे। युवराज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वह 10वीं तक पढ़ा था और ताइक्वांडो खिलाड़ी था। वह होटल में काम करता था। जितेंद्र का एक बड़ा और एक छोटा भाई है। 8वीं तक पढ़ाई के बाद वह होटल और रंगोली गार्डन में काम करता था। हिमांशु इकलौता बेटा था। वह भजन मंडली में गायक (सिंगर) था। युवराज की बहन की नवंबर में शादी है। उसके पिता नेमीचंद सैनी मजदूरी करते हैं। जितेंद्र का भाई डीजे का काम करता है। उसके पिता का निधन हो चुका है। मां मजदूरी करती हैं। हिमांशु के पिता धर्मेंद्र शर्मा भी पूजा-पाठ करते हैं।

हर एंगल से कर रहे जांच– हादसे की सूचना पर सीओ सिटी (छ्वस्क्क) राजेश कसाना और अरावली विहार थाना प्रभारी सुनील टांक मौके पर पहुंचे थे। थाना प्रभारी सुनील टांक का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला तेज रफ्तार के कारण दुर्घटना का लग रहा है।

3 बेटियों और पत्नी की हत्या करने वाले पर इनाम

एक-एक वार में सभी को मार डाला; सिर की हड्डियां टूट गई थीं

जयपुर,एजेंसी। जयपुर में पत्नी और तीन बेटियों की हत्या कर भागे आरोपी पति का पुलिस को शनिवार को भी सुराग नहीं मिला। पुलिस की ओर से फरार आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम रखा गया है। पुलिस की टीमें सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर कुछ गाड़ियों की तलाश कर रही है। करधनी पुलिस ने कांवटिया हॉस्पिटल में चारों शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। आरोपी ने एक-एक वार में मां और तीनों बेटियों की हत्या की। जिससे सिर की हड्डियां टूट गई। डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण ने बताया- 11 सितंबर की अल सुबह गोविंद वाटिका प्लॉट नंबर- ए-169 में राहुल झा (45) ने पत्नी गीता झा (40), बेटी नंदनी (22), राधिका (17) और गिरीश उर्फ गौरी (14) की हत्या की थी। आरोपी राहुल झा फरार है। पुलिस की टीमों की ओर से परिचित-दोस्तों से भी आरोपी राहुल के बारे में पूछताछ की गई है। इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर कुछ गाड़ियों को संदिग्ध मानकर उसमें राहुल के बैठकर फरार होने को लेकर भी जांच की जा रही है।

एक ही वार में एक हत्या की– सूत्रों के मुताबिक, परिवार की हत्या के लिए 10 सितंबर की रात को राहुल ने खाने में जहर मिलाया था। जहर मिला खाना खाने के बाद पत्नी और तीनों बेटियां अपने-अपने कमरे में सोने चली गई। 11 सितंबर की सुबह करीब 4-5 बजे के बीच बेहोश की हालत में सभी पड़े थे। जिंदा होने के शक के चलते घर के बाहर रखी डेढ़ फीट की करीब 10 चत्न की सीमेंट पट्टी उठाकर लाया। पत्नी और तीनों बेटियों के सिर-मुंह पर सीमेंट की पट्टी को एक-एक बार ही तेजी से मारा।

मोबाइल सीडीआर की जांच

पुलिस की ओर से आरोपी राहुल के मोबाइल नंबर की सीडीआर निकलवाई गई। सीडीआर में ज्यादातर कॉल से बातचीत में पत्नी गीता झा (40) और बड़ी बेटी नंदनी (22) से होना सामने आया है। मोबाइल कॉल नंबर्स के आधार पर दोस्तों से बात करने पर उन्होंने राहुल के परेशान होने की बात पता होने से मना किया है।वार से सोफा भी टूट गया **डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण ने बताया–** वार– इतना तेज था कि नीचे कमरे में एक बेटी सोफे पर सो रही थी। सीमेंट की पट्टी से किए वार से सोफा टूट गया और वह जमीन पर आ गिरी। वहीं, पहली मंजिल पर कमरे में सो रही पत्नी के सिर–मुंह पर भी उसी तेजी से वार किया।

जिसके चलते बेड के सिराहने रखा हत्यारे राहुल का मोबाइल भी चपेट में आने से टूट गया। पुलिस ने पत्नी और तीनों बेटियों के मोबाइल को जब्त किया है। जिसे अनलॉक करवाने के लिए स्नस्रुभेजा जाएगा।

ये हैं दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल

यहां हमेशा होती रहती है बारिश

अपनी धरती पर बड़े-बड़े जंगल हैं, जहां हजारों तरह के पेड़-पौधे हैं और हजारों तरह के जीव रहते हैं। ऐसा ही एक घना जंगल है अफ्रीका महादेश के मध्य में। कांगो देश से जुड़ा यह जंगल दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल है। इस जंगल में हमेशा बारिश होती रहती है, इस कारण इसे कांगो रेन फॉरेस्ट कहा जाता है।

- कांगो रेन फॉरेस्ट मध्य अफ्रीका में स्थित है। यह 23 लाख 45 हजार वर्ग किलोमीटर से भी अधिक क्षेत्र में फैला है। अपना देश भारत लगभग 32 लाख 87 हजार वर्ग किलोमीटर में फैला है। यानी अपने देश के लगभग 75 प्रतिशत क्षेत्र के बराबर है यह जंगल।
- यह रेन फॉरेस्ट दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल है, जहां खूब बारिश होती है। यहां औसतन 58 इंच बारिश हर वर्ष होती है। पहले नम्बर पर अमेजन रेनफॉरेस्ट है, जो 55 लाख वर्ग किलोमीटर में है। यानी अपने देश के क्षेत्रफल से डेढ़ गुना ज्यादा क्षेत्र में है अमेजन का जंगल।
- कांगो रेन फॉरेस्ट का ज्यादा हिस्सा कांगो देश में आता है, जो अफ्रीका महादेश के मध्य में स्थित है। इसे डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है। संक्षेप में इस देश को डीआरसी भी कहा जाता है और डीआर कांगो भी।
- इस घने जंगल का काफी हिस्सा ऐसा है, जहां अब तक इंसान नहीं पहुंच पाया है। यहां तक कि इस जंगल में रहने वाले लोग भी काफी बड़े हिस्से तक नहीं पहुंच पाए हैं। इन घने हिस्सों में सूर्य की एक प्रतिशत रोशनी ही जमीन तक पहुंच पाती है।
- इस जंगल में रहने वाले लोगों को पिग्मी कहा जाता हैं। यहां के पुरुषों की औसत लंबाई 4 फीट 10 इंच होती है, जबकि महिलाओं की औसत लंबाई 4 फीट 1 इंच होती है।
- इस जंगल में पांच नेशनल पार्क हैं, जिन्हें यूएन विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त है। यानी यह जंगल दुनिया भर के लिए बहुत महत्व रखता है।
- इस जंगल के बीच से कांगो नदी निकलती है, जिसकी लंबाई 4700 किलोमीटर है। यह नदी कांगो देश के अलावा कई और देशों से होकर गुजरती है। इसे दुनिया की सबसे गहरी नदी का दर्जा प्राप्त है।
- इस जंगल में 2000 से भी अधिक तरह के जीव रहते हैं। इनमें 450 से अधिक ऐसे जीव रहते हैं, जो अपने बच्चों को दूध पिलाते हैं। 300 से अधिक रेंगने वाले जीव रहते हैं, जैसे कीड़े-मकोड़े, सांप आदि। 200 से अधिक तरह के ऐसे जीव रहते हैं, जो पानी और उसके बाहर दोनों जगह रह सकते हैं। एक हजार से अधिक तरह की चिड़ियां इस जंगल में रहती हैं।
- इस जंगल को दुनिया का अकेला जंगल माना जाता है, जहां तीनों तरह के गुरिल्ला रहते हैं। इस जंगल में बोनोबो भी रहते हैं, जिनके बारे में कहा और माना जाता है कि यह हमसे सबसे अधिक मिलता-जुलता है।
- यह जंगल 11 हजार से भी अधिक तरह के पौधों का घर है। इनमें से एक हजार से भी अधिक प्लांट सिर्फ इसी जंगल में होते हैं।

इस सेंक्चुरी में संरक्षित रखे जाते हैं गधे

तुमने बाघ, शेर, चिड़ियों और गैंडों को बचाने के लिए, उन्हें सुरक्षित रखने के लिए सेंक्चुरी बनाने का बात तो सुनी होगी! पर क्या तुम्हें पता है कि भारत में एक ऐसी सेंक्चुरी है, जो जंगली गधों के लिए संरक्षित है? यह सेंक्चुरी बनाई गई है गुजरात के कच्छ में। यह इंडियन वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी करीब पांच हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है और इसीलिए यह भारत की सबसे बड़ी वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी है। गुजरात में इन जंगली गधों को घुड़खर कहा जाता है। ये कद में आम गधों से ऊंचे होते हैं। ये कच्छ में मिलने वाले घास और पेड़ों के पत्ते आदि खाकर अपना गुजारा करते हैं। यह जानकर तुम्हें हैरानी होगी कि ये जंगली गधें 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकते हैं। पहली बार 1940 में जब इन गधों की गिनती कराई गई, तब ये देश भर में साढ़े तीन हजार से ज्यादा की संख्या में थे। परंतु 20 साल के अंदर ही उनकी संख्या घटकर केवल साढ़े तीन सौ रह गई। इसके बाद इन्हें बचाने के लिए सैंक्चुरी बनाने का फैसला किया गया। फिर 1972 में यह बनकर तैयार हुई। आज इन घुड़खर की संख्या अच्छी-खासी है।

पाजामा पहनते हैं यहां के गधे

फ्रांस के सेंट मार्टिन हार्बर पर गधों को पाजामा पहनाने का अनोखा प्रचलन है। यहां हर साल बहुत से देशी-विदेशी सैलानी आते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र होते हैं गधे, जो रंग-बिरंगे सूती कपड़े के पाजामे पहने होते हैं। बच्चे इन गधों पर ठीक वैसे ही सवारी करते हैं, जैसे घोड़ों पर की जाती है। दरअसल इन गधों को पाजामा पहनाने की प्रथा इसलिए शुरू की गई, क्योंकि यहां की नमकीन दलदली जमीन पर मक्खी और मच्छर ज्यादा हैं। गधों को उनके काटने से बचाने के लिए उन्हें पाजामा पहनाया जाता है।

चीनू और पोपू की शरारत

चीनू और पोपू चौथी क्लास में पढ़ते थे, लेकिन थे अव्वल दर्जे के शरारती। ये दोनों कहीं पर भी कोई शरारत का मौका नहीं छोड़ते थे। अगर कोई उन्हें कहीं जाने का सीधा रास्ता पूछता तो वे उसे उल्टा रास्ता बता देते। अगर कोई फल वाला गुजरता तो वे उसे बातों में लगाकर उसके फल गायब कर देते। अपनी क्लास में भी वे खूब शरारत करते थे।

एक दिन रिक्कू क्लास में यूनीफॉर्म की काले रंग की नई पेंट पहनकर आया और चीनू को शरारत सूझी। वह पोपू से बोला- 'आज रिक्कू की पैंट ढीली करते हैं। आज यह नई पेंट पहनकर बहुत स्मार्ट समझ रहा है अपने आपको।' पोपू बोला- 'तो क्या करना है?' चीनू ने कहा- 'देखते जाओ मैं क्या करता हूं।' रिक्कू इंटरवल के समय अपनी सीट से उठकर कहीं बाहर गया हुआ था कि मौका देखते ही चीनू ने एक चॉक से उसकी सीट पर 'शरारती रिक्कू' लिख दिया। यह कुछ इस तरह उल्टे अक्षरों में लिखा कि छपकर सीधा लगे। इंटरवल खत्म होने के बाद सभी बच्चे अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गये। रिक्कू भी अपनी सीट पर आकर बैठ गया।

क्लास टीचर ने ब्लैक बोर्ड पर कुछ लिखवाने के लिए रिक्कू को बुलाया। रिक्कू बड़े आराम से मुस्कराहट के साथ जब ब्लैक बोर्ड पर टीचर की बताई हुई बात लिखने लगा तो उसकी पैंट के पीछे 'शरारती रिक्कू' छपा देखकर सब बच्चे हंसने लगे। टीचर ने हंसने का कारण पूछा तो सभी ने रिक्कू की पेंट की तरफ इशारा किया। क्लास टीचर ने उसकी पेंट पर छपे शब्दों को पढ़ा तो बड़ी हैरान हुईं। पूछा कि ये किसकी शरारत है, तो सभी चुप थे।

रिक्कू बेचारा यह लिखा देखकर शर्मिंदगी महसूस कर रहा था। क्लास टीचर का ध्यान जब चीनू और पोपू की तरफ गया तो वे दोनों नीचे निगाहें किए हुए थे। क्लास टीचर समझ गई थीं कि यह इन्हीं दोनों की शरारत होगी। बाद में उन दोनों ने मान लिया कि यह उन्हीं की शरारत है। क्लास टीचर ने उन्हें वार्निंग (चेतावनी) देकर छोड़ दिया था।

कुछ दिन बाद चीनू और पोपू को फिर शरारत सूझी। रिक्कू का दोस्त मीकू रोजाना अच्छी-अच्छी स्वादिष्ट चीजें घर से अपने टिफिन में लेकर आता था। मीकू रिक्कू के साथ ही अपना खाना शेयर करता था और चीनू-पोपू को दिखा-दिखाकर खाना खाता था। पोपू ने चीनू से कहा कि अबकी बार मीकू को मजा चखाया जाए और यह मजा मैं चखाऊंगा। ये बड़ा हमें अपना खाना दिखा-दिखा कर खाता है और चिढ़ाता है। दोनों ने योजना बनाई कि इसके टिफिन में कुछ ऐसा रखा जाए कि इसे नानी याद आ जाए। दोनों आपस में विचार कर ही रहे थे कि क्या रखा जाए कि तभी पोपू के दिमाग में एक आइडिया आ गया।

उसने चीनू से कहा कि कल स्पोर्ट्स पीरियड में मीकू के टिफिन को खाली करके उसमें हरी-हरी घास भरनी है। दूसरे दिन अपनी योजना के अनुसार पोपू कुछ घास और दो-चार हरी मिर्चें ले आया।

इंटरवल से पहले स्पोर्ट्स पीरियड था तो सभी बच्चे प्लेग्राउंड में जाने लगे। मीकू भी रिक्कू के साथ चला गया। तभी पोपू और चीनू दोनों ने मिलकर उसका टिफिन खाली करके उसमें हरी मिर्च और घास भर दी और उसके टिफिन में जो भी चीजें थीं, सब जल्दी से खा-पीकर बराबर कर दीं। इसके बाद वे दोनों प्लेग्राउंड में चले गये। जब इंटरवल समाप्त हुआ तो सभी बच्चे क्लास में आकर अपने-अपने टिफिन खोलकर लंच करने लगे। चीनू और पोपू भी अपना लंच कर रहे थे। मीकू ने अपना टिफिन खोला तो उसे देखकर भौचक्का रह गया। सभी बच्चे उसके टिफिन में घास देखकर हंसने लगे और कमेंट करने लगे कि आज तो जानवरों का खाना लेकर आए हो।

इधर चीनू और पोपू बड़े मजे से कुछ इस तरह से लंच कर रहे थे, जैसे वे मीनू और रिक्कू को चिढ़ा रहे हों। उन्होंने कुछ सहानुभूति दिखाते हुए और आश्चर्य करके मीकू से कहा कि यह जरूर किसी की शरारत है। आओ आज हमारे साथ लंच कर लो। मीकू मन ही मन सोच रहा था कि यह किसकी शरारत हो सकती है, तभी रिक्कू ने इशारा किया कि यह इन दोनों का ही काम हो सकता है, क्योंकि इन्होंने मेरे साथ भी शरारत की थी।

जब क्लास टीचर क्लास में आईं तो बच्चों ने उन्हें मीकू के टिफिन में घास वाली बात बताई। टीचर पहले तो थोड़ा मुस्कराईं, फिर गुस्से में बोलीं- 'ये किसका काम है?' चीनू और पोपू क्लास टीचर के सामने तो बहुत सीधे बन जाते थे, लेकिन टीचर के जाते ही शरारतें शुरू कर देते थे। अभी दोनों एकदम शांत थे। टीचर की निगाह जब इन दोनों पर गई तो पहले तो उन्होंने कहा कि हमने यह काम नहीं किया, लेकिन जब टीचर ने सही बात बताने पर दबाव डाला तो उन्होंने अपनी गलती मान ली।

टीचर चीनू और पोपू को अपने कमरे में ले गईं और उनसे प्यार से पूछा कि वे ऐसी शरारतें क्यों करते हैं तो उन्होंने बताया- 'जो हमें किसी बात पर चिढ़ाता है तो बहुत बुरा लगता है। हम उससे बदला ले लेते हैं। मीकू जब रिक्कू के साथ लंच करता था तो अपना खाना शेयर कराने की बजाए हमें दिखा-दिखाकर खाता था और चिढ़ाता था। और रिक्कू जब भी कोई नई शर्ट या पेंट पहनता तो हमें चिढ़ाता और अपने को ऐसा शो करता जैसे कि वो क्लास का हीरो हो। हमें ये अच्छा नहीं लगा, इसीलिए हमने ऐसा किया।'

क्लास टीचर ने उन्हें बड़े प्यार से समझाया कि अब वे आगे से ऐसी कोई हरकत नहीं करें, जिससे किसी बच्चे को कोई परेशानी हो और क्लास में भी सब बच्चों को समझाया कि सभी बच्चे आपस में मिल-जुलकर रहें। कोई किसी को किसी बात पर न चिढ़ाए।

अगले दिन मीकू और रिक्कू इंटरवल में लंच करने लगे तो उन्होंने चीनू और पोपू को भी लंच शेयर करने के लिए बुला लिया। अब चारों साथ-साथ ही लंच करते थे और बड़े अच्छे दोस्त बन गये थे। चीनू और पोपू की शरारतें भी अब कुछ कम होने लगी थीं।

संक्षिप्त समाचार

100 रुपये से अधिक का जीएमपी, 16 सितंबर को खुल रहा आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते कई कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं। इसी में एक कंपनी

एसएस रिटेल भी है। कंपनी का आईपीओ 16 सितंबर से 18 सितंबर तक खुला रहेगा। दांव लगाने की सोच रहे निवेशकों को ग्रे मार्केट से अच्छी खबर आई है। जीएमपी इस समय 100 रुपये से अधिक के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। यह एक मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। आईपीओ के जरिए कंपनी 500 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास करेगी। आईपीओ में ओएफएस और फ्रेश शेयर दोनों शामिल है। फ्रेश इश्यू के जरिए यह कंपनी 360 करोड़ रुपये के शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए कंपनी 140 करोड़ रुपये के शेयर बेच रही है। एसएस रिटेल आईपीओ का प्राइस बैंड 403 रुपये से 424 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 35 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14840 रुपये का इनवेस्टमेंट करना ही होगा। बता दें, आनंद राठी एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। वहीं, केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। कंपनी की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई दोनों जगह होगी। इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 106 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि 25 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। आईपीओ ग्रे मार्केट में इस समय सबसे मजबूत स्थिति में है। बता दें, आईपीओ का सबसे कम जीएमपी 30 रुपये प्रति शेयर रहा है।

एचडीएफसी बैंक ने जिमी टाटा को दी बड़ी जिम्मेदारी, एमडी और सीईओ पर आरबीआई को भेजा नाम

नईदिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पद के संभावित उत्तराधिकारियों के रूप में दो उम्मीदवारों के नाम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भेजे। प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आरबीआई को दोनों नाम वरीयता के क्रम में भेजे गए हैं और उनके प्रस्तावित पारिश्रमिक का भी उल्लेख किया गया है। एमडी और सीईओ का कार्यकाल तीन साल का होगा। इसके साथ ही, बैंक ने निदेशक मंडल में भी बदलाव करते हुए पूर्णकालिक निदेशकों की संख्या तीन से बढ़ाकर चार कर दी और चीफ लेंडिग ऑफिसर जिमी टाटा को पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया। उनके पास 35 साल का अनुभव है। वो 2013 में बैंक से जुड़े थे। एचडीएफसी बैंक के मौजूदा एमडी एवं सीईओ शशिधर जगदीशन ने 29 अगस्त को पद पर दोबारा नियुक्ति की दौड़ से अलग रहने का फैसला किया था। उनका मौजूदा कार्यकाल 26 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। बैंक के निदेशक मंडल ने शनिवार को अपनी शासन, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों के आधार पर दोनों नामों को मंजूरी दी। आरबीआई आम तौर पर किसी बैंक के एमडी और सीईओ की नियुक्ति के लिए भेजे गए नामों का मूल्यांकन 'उपयुक्त एवं उचित' मानदंडों के आधार पर करने के बाद मंजूरी देता है। एचडीएफसी बैंक को प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एचडीएफसी बैंक ने अपने निदेशक मंडल में पूर्णकालिक निदेशकों की संख्या तीन से बढ़ाकर चार करने का भी फैसला किया है। बैंक के मुख्य ऋण अधिकारी जिमी टाटा को तीन साल के लिए पूर्णकालिक निदेशक और कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। टाटा वर्ष 1994 में बैंक से जुड़े थे।

ब्रिक्स डिनर में में परोसी गई हिमालय की गुच्छी, कीमत 40000 किलो तक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में दो दिवसीय ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। आज इसका दूसरा और आखिरी दिन है। कल शनिवार को हुए डिनर में हिमालय की एक बेहद दुर्लभ चीज ने सबका ध्यान खींचा। डिनर में गुच्छी मार्मिक नाम की पारंपरिक डिश परोसी गई, जिसमें गुच्छी मशरूम का इस्तेमाल किया गया है। इसकी कीमत हजारों रुपये प्रति किलो होती है।

दरअसल, यह मशरूम भारत के सबसे महंगे और दुर्लभ जंगली खाद्य पदार्थों में शामिल है। इसकी अच्छी क्वालिटी वाली सूखी गुच्छी की कीमत कई बाजारों में 15000 से 40000 रुपये प्रति किलो तक है। हालांकि, कीमत क्वालिटी, उपलब्धता और बाजार की स्थिति के हिसाब से काफी बदल सकती है। गुच्छी मशरूम की खेती करके आप बिजनेस शुरू कर सकते हैं। हो सकता है कि कुछ समय में यह मशरूम ट्रेंड में आ जाए। ऐसे में इसकी खेती से आपको अच्छी कमाई हो सकती है।

गुच्छी को दुनिया भर में मोरल मशरूम के नाम से जाना जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम है। यह मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पाई जाती है। गुच्छी आम बटन या ऑयस्टर मशरूम की तरह बड़े पैमाने पर उगाई नहीं जाती। यह मुख्य रूप से जंगलों में प्राकृतिक रूप से पैदा होती है। हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों में शंकुधारी जंगल, मिट्टी

की स्थिति, नमी, तापमान में बदलाव और बर्फ पिघलने जैसी कई प्राकृतिक परिस्थितियां इसके उगने के लिए जिम्मेदार होती हैं। गुच्छी मशरूम को उसके खास छत्ते जैसी जालीदार टोपी से आसानी से पहचाना जा सकता है। इसका रंग हल्के पीले से लेकर गहरे भूरे रंग तक हो सकता है। इसका तना आमतौर पर हल्के रंग का और अंदर से खोखला होता है। हिमालयी क्षेत्रों में यह लोकमान्यता काफी प्रचलित है कि वसंत के मौसम में जब पहाड़ों पर कड़क के साथ बिजली गिरती है, तब जमीन से गुच्छी मशरूम बाहर निकलती है। हालांकि वैज्ञानिक रूप से इसका कोई सीधा प्रमाण नहीं मिला है, लेकिन मौसम के बदलाव और बारिश के बाद इसके अचानक उगने के कारण यह धारणा बनी हुई है।

कुछ ही हफ्तों का होता है सीजन

गुच्छी की सबसे बड़ी खासियत इसकी दुर्लभता है। इसके उगने का कोई निश्चित तरीका नहीं है और इसकी फसल का मौसम भी बहुत छोटा होता है। आमतौर पर पहाड़ी इलाकों में लोग वसंत के मौसम में कुछ ही हफ्तों के दौरान इसे जंगलों से इकट्ठा करते हैं। इसे ढूंढना भी आसान नहीं होता। स्थानीय लोग ऊंचे और कठिन पहाड़ी इलाकों में जाकर हाथ से गुच्छी इकट्ठा करते हैं। गुच्छी मशरूम को बड़े पैमाने पर व्यावसायिक रूप से उगाना संभव नहीं है। यह जंगल की मिट्टी, नमी, बर्फ पिघलने के पानी और खास तापमान के सही संतुलन से ही प्राकृतिक रूप से उगती है। स्थानीय पहाड़ी ग्रामीण वसंत ऋतु के दौरान बेहद खतरनाक और ढलान वाले पहाड़ों पर मील पैदल चलकर इसे एक-एक करके ढूंढते हैं। इसका सीजन भी बहुत छोटा (कुछ ही हफ्तों का) होता है। ताजी गुच्छी में नमी अधिक होती है। इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए सुखाया जाता है, जिससे इसका वजन काफी कम हो जाता है। इसलिए सूखी गुच्छी की प्रति किलो कीमत आसमान छूने लगती है। इसमें मिट्टी जैसी खुशबू, गहरा उमामी स्वाद और हल्की मस्की सुगंध होती है, जो किसी भी व्यंजन को शाही स्वाद दे देता है।

दिल्ली से अमेरिका को कड़ा संदेश, ब्रिक्स देश बोले- टैरिफ पर मनमानी नहीं चलेगी, डब्ल्यूटीओ नियम मानने होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स सम्मेलन के पहले दिन ब्रिक्स देशों ने अमेरिका का नाम लिए बिना उसे कड़ा संदेश दिया।

ब्रिक्स देशों ने कहा कि टैरिफ को लेकर किसी भी देश की मनमानी नहीं चलेगी। सम्मेलन में ब्रिक्स देशों ने दुनिया में बढ़ते टैरिफ वॉर और व्यापारिक तनाव के बीच ब्रिक्स देशों ने एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। ब्रिक्स सम्मलन में सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी। घोषणा में कहा गया कि ऐसे एकतरफा कदम वैश्विक व्यापार को प्रभावित करते हैं और विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। भारत की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा को मंजूरी देने का प्रस्ताव रखा। किसी भी सदस्य देश की ओर से आपत्ति नहीं आने के बाद इसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। ब्रिक्स की घोषणा में एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों में बढ़ोतरी पर गंभीर चिंता जताई गई। समूह का कहना है कि इस तरह के व्यापारिक कदम देशों के बीच समान अवसर को प्रभावित करते हैं और वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अनिश्चितता बढ़ाते हैं।

पहाड़ के नीचे दौड़ेगी ट्रेन, 11 किमी लंबी सुरंग हुई आर-पार, टी-49 के बाद दूसरी बड़ी कामयाबी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना ने शुक्रवार को एक और बड़ा पड़ाव पार कर

लिया। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत टिहरी जिले के ढालवाला में बन रही पहली एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू पूरा हो गया। यानी सुरंग के दोनों छोर आखिरकार आपस में जुड़ गए। इस ब्रेकथ्रू के साथ ही 10.847 किलोमीटर लंबी एस्केप टनल-1 पूरी तरह आर-पार हो गई है। यह देश की दूसरी सबसे लंबी रेलवे सुरंग है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना उत्तराखंड के बेहद कठिन और पहाड़ी इलाके से होकर गुजर रही है। यहां रेल लाइन बिछाने से ज्यादा चुनौती सुरंगों का निर्माण है। ऊंचे पहाड़, कठिन भूगर्भीय परिस्थितियां और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सुरंग निर्माण का काम लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

125 किलोमीटर की रेल लाइन

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सबसे बड़ी खासियत और चुनौती इसकी सुरंगें हैं। पूरी परियोजना में कुल 28 सुरंगों का निर्माण किया जाना है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 22 सुरंगों का काम पूरा हो चुका है। यानी परियोजना की कुल 28 सुरंगों में से करीब 78 फीसदी सुरंगें पूरी हो चुकी हैं। ढालवाला की एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू इसी सिलसिले में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आरवीएनएल की महत्वपूर्ण भूमिका

रेल विकास निगम लिमिटेड इस परियोजना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। परियोजना का उद्देश्य केवल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल कनेक्टिविटी देना नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देना भी है। अधिकारियों के मुताबिक, सुरंग के रास्ते में बेहद कमजोर चट्टानी क्षेत्र और मायलोनाइट जोन भी मिले।

पर्यटन को भी मिलेगा बढ़ावा

125 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सिर्फ एक नया परिवहन साधन नहीं होगी। इससे सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने, यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने और पर्वतीय क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत करने में मदद मिल सकती है। कर्णप्रयाग तक रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने का असर स्थानीय लोगों के साथ-साथ तीर्थयात्रियों और पर्यटकों पर भी पड़ने की उम्मीद है।

मिथुन और गोविंदा का वो दौर जब जूता मतलब बाटा था, विदेशी ब्रांड जो बन गया भारत का देसी आइकन

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्यादातर भारतीयों के मन में रचा-बसा बाटा असल में एक विदेशी ब्रांड है। इसकी शुरुआत 1894 में चेकोस्लोवाकिया में टोमास बाटा ने की थी। भारत में औपनिवेशिक काल के दौरान 1930 के दशक में इसने कदम रखा था। ऐसा करते हुए बाटा ने देश के संगठित फुटवियर बाजार की नींव रखी। साथ ही कोलकाता के पास 'बाटानगर' जैसी पूरी औद्योगिक बस्ती बसाकर भारतीय संस्कृति और मध्यम वर्ग के दिलों में खुद को 'देसी' पहचान के रूप में स्थापित कर लिया। 80-90 के दशक में तो जूता मतलब बाटा बन गया था। आइए, यहां इस ब्रांड के सफर के बारे में जानते हैं।

जब भारत में हुई एंट्री

1894 में चेकोस्लोवाकिया से शुरू हुए बाटा ने जब 1920-30 के दशक में भारत में प्रवेश किया तब देश में फुटवियर का संगठित ढांचा नहीं था। जापानी आयात का दबदबा था। टोमास बाटा ने आम भारतीयों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण जूते देने के मकसद से कोलकाता के पास अपनी पहली प्रोडक्शन यूनिट लगाई। बाटा ने स्थानीय जलवायु और भारतीय पैरों की बनावट के अनुकूल प्रोडक्ट बनाकर देश में औद्योगिक स्तर के जूतों का स्टैंडर्डाइजेशन किया। समय के साथ स्कूल और ऑफिस शूज से आगे बढ़कर कंपनी ने स्नीकर्स, एथलीजर और 'हश पपीज' और 'पावर' जैसे प्रीमियम सब-ब्रांड्स पेश कर अपने पोर्टफोलियो को विविधता दी।

ब्रांड की सबसे बड़ी ताकत

बाटा की सबसे बड़ी ताकत उसकी बेजोड़ डिस्ट्रीब्यूशन स्ट्रैटेजी और सटीक प्राइसिंग रही है। कंपनी ने हर वर्ग के लिए एंट्री लेवल से लेकर प्रीमियम कैटेगरी तक की कीमतें रखीं। इससे उपभोक्ता बचपन से बड़े होने तक तक ब्रांड से जुड़ा रहता है। 1,500 से अधिक एक्सक्लूसिव स्टोर्स, मजबूत रिटेल नेटवर्क और हालिया ई-कॉमर्स इंटीग्रेशन के कारण यह भारत का सबसे बड़ा फुटवियर नेटवर्क बना हुआ है।

पुराने ढर्रे के ठप्पे को हटाया

प्रतिस्पर्धा के मोर्चे पर बाटा ने घरेलू ब्रांड्स (जैसे रिलैक्सो, खादिम्स) और नाइके, एडिडास जैसे वैश्विक स्पोर्ट्स ब्रांड्स की चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। ब्रांड पर लगे 'पुराने ढर्रे' के ठप्पे को हटाने के लिए कंपनी ने दिशा पटानी और कृति सैनन जैसे युवा एंबेसडरों के साथ फैशन-फोकस्ड कैंपेन की शुरुआत की। इसके अलावा, ऑनलाइन डिस्काउंटिंग और महामारी जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए बाटा ने अपने रिटेल फॉर्मेट और डिजिटल डिलीवरी चैनलों को तेजी से आधुनिक बनाया है।

जूता मतलब बाटा बन गया था

भारत में बाटा का जुड़ाव सांस्कृतिक और भावनात्मक है। 80-90 के दशक में बड़े हुए भारतीयों के लिए 'टेनिस/स्कूल शू' का मतलब ही बाटा था। यह वही दौर था जब सनिमा जगत में मथुन चक्रवर्ती और गोविंदा छाए हुए थे। भारी बदलावों की जगह लगातार और धीरे-धीरे सुधार की रणनीति अपनाकर बाटा ने 90 से अधिक सालों से भारत में अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखी है। यह सफर साबित करता है कि उपभोक्ता की जरूरतों की गहरी समझ, भरोसेमंद उत्पाद और व्यापक पहुंच के दम पर कोई भी ब्रांड किसी देश के जनजीवन का अभिन्न अंग बन सकता है।

ऐसा कोई कानून नहीं जो रोक सके, इनकम टैक्स विवाद में आईटीएटी का बड़ा फैसला, पत्नी के क्रेडिट कार्ड से किया था खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। पत्नी के क्रेडिट कार्ड से किए गए 6.42 लाख रुपये के बिजनेस ट्रैवल खर्च को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट (आयकर विभाग) ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि भुगतान कारोबारी की पत्नी के कार्ड से हुआ था। मामला इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल मुंबई पहुंचा, जहां कारोबारी को बड़ी राहत मिली। कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो किसी व्यक्ति को अपने जीवनसाथी के क्रेडिट कार्ड से बिजनेस खर्च करने से रोकता हो। यह मामला मुंबई निवासी शाह से जुड़ा है। उन्होंने कारोबार के सिलसिले में पेरिस, रूस और अन्य जगहों की यात्रा की थी। इन यात्राओं पर कुल करीब 20.32 लाख रुपये खर्च हुए। इसमें से 6.42 लाख रुपये का भुगतान उन्होंने अपनी पत्नी के क्रेडिट कार्ड से किया। भारत लौटने के बाद शाह ने यह रकम अपनी पत्नी को वापस कर दी। यहीं से आयकर विभाग के साथ विवाद शुरू हो गया।

आयकर विभाग के टैक्स अधिकारी ने तर्क दिया कि शाह की पत्नी का उनके बिजनेस ट्रैवल

से कोई संबंध नहीं था और खर्च उनके बजाय पत्नी के क्रेडिट कार्ड से किया गया था। इसलिए 6.42 लाख रुपये के खर्च को बिजनेस खर्च के तौर पर स्वीकार नहीं किया गया।

मामला आईटीएटी मुंबई पहुंचने पर ट्रिब्यूनल ने कारोबारी के पक्ष में फैसला दिया। ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, जो किसी व्यक्ति को अपने जीवनसाथी के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके बिजनेस खर्च करने से रोकता हो। यह भी माना कि अगर उस खर्च की रकम बाद में कार्डधारक यानी पत्नी को वापस कर दी गई है। आईटीएटी के मुताबिक खर्च वास्तव में बिजनेस के लिए हुआ है, तो सिर्फ इस वजह से इसे बिजनेस खर्च मानने से इनकार नहीं किया जा सकता कि भुगतान पत्नी के क्रेडिट कार्ड से किया गया था। इस मामले में एक और अहम सवाल उठा था। अगर पत्नी ने कारोबारी के लिए भुगतान किया है और बाद में उसे रकम लौटाई गई, तो इसे सर्विस के बदले भुगतान माना जा सकता है और उस पर टीडीएस लागू होना चाहिए। इस दलील को भी खारिज कर दिया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि पत्नी को किसी सेवा के बदले भुगतान नहीं किया गया था। उनके क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके जो खर्च किया गया था, उसकी सिर्फ प्रतिपूर्ति की गई थी। इसलिए पत्नी को लौटाई गई रकम पर टीडीएस काटने की जरूरत नहीं थी।

डीजल का महासंकट! हूती विद्रोहियों ने दबाई दुनिया की दुखती रग, भारत पर भी पड़ेगा बड़ा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। किसने सोचा होगा कि यमन का एक गरीब और सशस्त्र मिलिशिया समूह वैश्विक अर्थव्यवस्था की दुखती रग दबा देगा हूती विद्रोहियों ने मोका बंदरगाह और लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने वाले द्वीपों पर कब्जा कर लिया है। इसका असर वॉशिंगटन से नई दिल्ली और रियाद से इस्लामाबाद तक दिखाई दे सकता है।

बाब-अल-मंदेब का नाम, जिसका अर्थ 'आंसुओं का द्वार' है, मौजूदा हालात में बिल्कुल सही साबित हो रहा है। साल 2023 में हूती हमले शुरू होने से पहले इस रास्ते से रोजाना करीब 9.3 मिलियन बैरल तेल और पेट्रोलियम उत्पाद गुजरते थे। हूती हमलों के कारण 2025 तक यह मात्रा घटकर करीब 4.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन रह गई।

अप्रैल 2026 के बाद जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया, तो सऊदी अरब ने अपने ज्यादातर कच्चे तेल को ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए लाल

सागर तक पहुंचाना शुरू किया। हूती हमलों में आई शांति के दौरान अप्रैल-जून तिमाही में लाल सागर के रास्ते सऊदी अरब का तेल निर्यात बढ़कर 8.1 मिलियन बैरल प्रतिदिन हो गया था। इससे वैश्विक तेल कीमतों पर भी नियंत्रण रहा।

लेकिन अब हूती विद्रोही सऊदी शहरों, रिफाइनरियों और तेल पाइपलाइन को निशाना बना रहे हैं। इसके चलते सऊदी अरब ने तेल उत्पादन कम कर दिया है और हालात सुधरने का इंतजार कर रहा है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि स्थिति कब सामान्य होगी।

इसका असर कच्चे तेल की कीमतों पर भी दिखने लगा है। ब्रेंट क्रूड करीब 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 105 डॉलर तक पहुंच चुका है। अगर सऊदी तेल की सप्लाई लंबे समय तक बाधित रहती है तो कीमतों में और तेज उछाल आ सकता है।

सऊदी अरब कुछ तेल छोटे जहाजों के जरिए स्वेज नहर से निर्यात कर सकता है, लेकिन कुल निर्यात में भारी कमी आ सकती है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि उनका निशाना केवल सऊदी शिपिंग है और दूसरे देशों के जहाज सुरक्षित हैं। हालांकि, यह भरोसा ज्यादा मजबूत नहीं है, क्योंकि किसी भी समय इस प्रतिबंध का दायरा बढ़ाया जा सकता है। ऐसे में लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों का बीमा प्रीमियम काफी बढ़ सकता है। पहले समुद्री रास्तों को रोकने के लिए बड़े नौसैनिक बेड़े की जरूरत पड़ती थी, लेकिन अब ड्रोन और मिसाइलों के साथ ऊंचे बीमा खर्च भी शिपिंग को प्रभावित कर सकते हैं। इसका सबसे बड़ा असर आर्थिक कम और राजनीतिक ज्यादा हो सकता है। सऊदी अरब हमेशा से अमेरिका को अपना सबसे बड़ा सुरक्षा कवच मानता आया है। पिछले साल नवंबर में ट्रंप और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने एक बड़े सुरक्षा समझौते पर दस्तखत किए थे, जिसकी तुलना नाटो से की गई थी। जब हूती ड्रोन और मिसाइलों ने सऊदी ठिकानों पर हमला बोला, तो क्राउन प्रिंस ने ट्रंप से अमेरिकी सेना भेजने की दो बार व्यक्तिगत अपील की।

यह धैर्य की मैराथन दौड़, दो भाइयों ने बनाया ऐसा मॉडल कि खड़ी कर दी 7.2 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है दो चचेरे भाइयों की। इनके नाम हैं अनुराग भाटिया और आयुष भाटिया। दोनों गुरुग्राम के रहने वाले हैं। बिना किसी बाहरी फंडिंग के सिर्फ डिलीवरी मॉडल के जरिए इन भाइयों ने सफल ब्रांड खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'मुगल अफेयर' है। यह ब्रांड 'हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड' के तहत चलता है। बिना किसी बाहरी फंडिंग के इसने 7.2 करोड़ रुपये की सालाना कमाई तक का सफर तय किया है। इस क्लाउड किचन ब्रांड की कहानी स्वाद, सटीक बिजनेस रणनीति और अटूट निरंतरता की मिसाल है। आइए, यहां अनुराग और आयुष की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। साल 2018 के अंत में अनुराग और आयुष ने देखा कि दिल्ली-एनसीआर के लोग उत्तर भारतीय और मुगलई खाने के बेहद शौकीन हैं। लेकिन, डिलीवरी के जरिए रेस्तरां जैसा स्वाद और गुणवत्ता पाना काफी मुश्किल था। पारंपरिक फाइन-डायनिंग का खाना पैक होने के बाद अपना असली स्वाद खो देता था। वहीं, सस्ते डिलीवरी ऑप्शंस क्वालिटी से समझौता करते थे। इस अंतर को पाटने के लिए अप्रैल 2019 में डीएलएफ साइबर सिटी, गुरुग्राम से दोनों ने पहला किचन शुरू किया। ऐसा करने से पहले दोनों ने 5 महीनों तक गहन रिसर्च की। 2 घंटे तक पैक खाने को रखकर उसके स्वाद और तापमान का परीक्षण किया। ब्रांड की नींव दोनों संस्थापकों के अलग-अलग अनुभवों का नतीजा थी। अनुराग के पास मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स का अनुभव था। वहीं, आयुष के पास दिल्ली के कैफे

कल्चर और स्पेस का एक दशक लंबा एक्सपीरियंस था। जहां अन्य रेस्तरां सैकड़ों आइटम्स से मेनू भर देते हैं। वहीं, 'मुगल अफेयर' ने 'लीन मेनू' स्ट्रैटेजी अपनाई। कंपनी की 70 प्रतिशत से अधिक बिक्री केवल दो मुख्य डिशेज से आती है। इनमें दाल मखनी (40 प्रतिशत) और बटर चिकन (30 प्रतिशत) शामिल हैं। उनके सेंट्रल किचन में पारंपरिक पीतल और तांबे के बर्तनों में रात भर धीमी आंच पर रोजाना 500 लीटर से अधिक दाल मखनी तैयार होती है। कंपनी की रफ्तार को पहली बड़ी चुनौती फरवरी 2020 में मिली। तब साउथ दिल्ली के मालवीय नगर में दूसरा किचन खोलते ही कोरोना महामारी और लॉकडाउन की मार पड़ी।

पाकिस्तान का शर्मनाक रिकॉर्ड: विदेश में पिछले 12 टेस्ट में जीता महज एक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का 0-3 से सफाया सिर्फ एक और सीरीज हार नहीं है। इस हार ने टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान की लगातार बिगड़ती स्थिति की कई परतें खोल दी हैं। घर से बाहर टीम की हालत इतनी खराब है कि पिछले 12 टेस्ट में उसे सिर्फ एक जीत मिली है। इंग्लैंड में मिली इस हार के साथ पाकिस्तान ने पिछले चार साल में तीन या उससे ज्यादा मैचों वाली 12 टेस्ट सीरीज में छठी बार क्लीन स्वीप झेला है, लेकिन कहानी सिर्फ इन आंकड़ों तक सीमित नहीं है। इस सीरीज में बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और साझेदारियों तक ऐसे कई रिकॉर्ड बने, जिन्होंने पाकिस्तान के संकट की तस्वीर और साफ कर दी।

1. चार साल में छठी बार पाकिस्तान का सफाया

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इससे पहले 2022 में पाकिस्तान में खेली गई तीन मैचों की सीरीज में भी इंग्लैंड ने उसका सफाया किया था। पाकिस्तान पिछले चार वर्षों में दो या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में छह बार क्लीन स्वीप हो चुका है। यानी पिछली 12 ऐसी टेस्ट सीरीज में आधी बार पाकिस्तान का पूरी तरह सफाया हुआ है।

2. विदेश में 12 टेस्ट में सिर्फ एक जीत

पाकिस्तान का विदेशी जमीन पर खराब प्रदर्शन भी चिंता बढ़ाने वाला है। पिछले 12 विदेशी टेस्ट मैचों में टीम को सिर्फ एक जीत मिली है, जबकि उसे 11 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। यह रिकॉर्ड बताता है कि पाकिस्तान के लिए घर से बाहर टेस्ट क्रिकेट में चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

3. आठ टेस्ट सीरीज में नहीं लगा एक भी शतक

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में भी कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा सका। यह पाकिस्तान की उस खराब बल्लेबाजी की तस्वीर है, जो लंबे समय से टीम की परेशानी बनी हुई है। कुल मिलाकर आठ ऐसी टेस्ट सीरीज हो चुकी हैं जिनमें कोई व्यक्तिगत शतक नहीं लगा। इंग्लैंड में ऐसा सिर्फ एक और बार हुआ था- 1888 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज में।

4. बिना शतक वाली सीरीज में 20 अर्धशतक

दिलचस्प बात यह है कि शतक नहीं लगने के बावजूद इस सीरीज में कुल 20 अर्धशतक बने। बिना किसी शतक वाली टेस्ट सीरीज में यह सबसे ज्यादा अर्धशतकों का रिकॉर्ड है। बर्मिंघम टेस्ट में ही 11 अर्धशतक लगे, जो किसी टेस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा हैं।

5. ओली रॉबिन्सन का गेंदबाजी औसत 8.76

इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन ने इस सीरीज में 20 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में 8.76 के औसत से छठा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत दर्ज किया। उनसे बेहतर औसत रखने वाले सभी पांच गेंदबाज इंग्लैंड के ही रहे हैं। इनमें सबसे हालिया नाम टोनी लॉक का है, जिन्होंने 1958 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.47 के औसत से 34 विकेट लिए थे।

6. शुरुआती दो विकेटों की साझेदारी सिर्फ 4.66

पाकिस्तान के लिए बल्लेबाजी में सबसे बड़ी चिंता उसकी शुरुआत रही। सीरीज की छह पारियों में टीम के पहले दो विकेटों के लिए कुल 56 रन ही बने। इस तरह पहले दो विकेटों की साझेदारी का औसत सिर्फ 4.66 रहा, जो कम से कम पांच पारियों वाली किसी टेस्ट सीरीज में किसी भी टीम का सबसे खराब औसत है।

7. जो रूट के लिए घरेलू सीजन में फिर शतक का सूखा

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट 2026 में घरेलू टेस्ट सीजन में अब तक शतक नहीं लगा सके हैं। यह तीसरा घरेलू टेस्ट सीजन है जब रूट के नाम एक भी शतक नहीं है। इससे पहले 2019 और 2020 में भी वह घरेलू टेस्ट सीजन में शतक नहीं लगा पाए थे। 2026 में रूट ने छह टेस्ट में 33.50 के औसत से रन बनाए हैं। यह किसी कैलेंडर वर्ष में उनका दूसरा सबसे कम औसत है। उनका सबसे खराब औसत 2019 में 29.83 रहा था।

8. रूट को आठ बार एल्बीडब्ल्यू किया गया

2026 के टेस्ट सीजन में रूट 11 पारियों में आठ बार एलबीडब्ल्यू आउट हुए हैं। किसी टेस्ट सीजन में किसी बल्लेबाज के लिए एलबीडब्ल्यू आउट होने का यह सबसे ज्यादा आंकड़ा है।पाकिस्तान के रजाउल्लाह ने अपने टेस्ट डेब्यू की दूसरी पारी में नौ छक्के लगाए। किसी बल्लेबाज द्वारा टेस्ट डेब्यू की पारी में लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के मामले में यह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। उन्होंने न्यूजीलैंड के टिम साउदी की बराबरी की, जिन्होंने 2008 में नेपियर में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में नौ छक्के लगाए थे।

हॉकी टीम को 3 लाख का कैश प्राइज

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन – भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

सार-समाचार

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

- **जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची** – मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।
- **युवराज सिंह पहले ही बने बैटिंग कोच** – दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।
- **हेड कोच की तलाश जारी** – बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

अलीरेजा ने किया बड़ा धमाका, वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को हराया

बेंगलुरु। ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात – टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया।जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।

टूर्नामेंट के 10वें दिन विश्वनाथन आनंद की अलास्कन नाइट्स और त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थीं। हालांकि, अलास्कन नाइट्स ने अपने आखिरी मैच में टेबल-टॉपर गगेज ग्रैंडमास्टर्स को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता, वर्ल्ड नंबर-1 बनीं

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा – रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही स ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

पहले सेट में रायबकिना का दबदबा – पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

सबालेंका ने दूसरे सेट में की वापसी – दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

तीसरे सेट में फिर हावी हुई रायबकिना – निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला।

इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम – रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। यूएस ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

चोट से जूझने के बाद हासिल की बड़ी सफलता

रायबकिना यूएस ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

रायबकिना को करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले। रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यू यॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

मेसी का 99वां गोल

इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

- **इंटर मियामी को 2-2 पर रोका**

बार्सिलोना। इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।

सैम सरिज ने दो गोल किए – नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। MLS में नेशविल के खिलाफ मेसी का14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

सरिज का शानदार प्रदर्शन – इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ MLS गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी MLS मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

मियामी का खराब दौर – इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

नेशविल का मजबूत सीजन – नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में MLS में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को नू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

कतर क्लासिक स्क्वॉश: अनाहत सिंह ने जीत के साथ की अपने अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली। भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

- **दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी** – मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।
- **प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला** – पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।
- **मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें** – पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा – अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में आया एसआरएस के बल्लेबाज का तूफान

- **कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया**
- **सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाह लीग में जड़ा शतक**

मोहाली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी – 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

रविवार को अमृतसर सूरमाओं से होगा फाइनल मुकाबला – कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सूरमाओं से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।

105 रन पर गिर चुके थे 5 विकेट, फिर आया सलिल का शतकीय तूफान

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही। जालंधर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लुधियाना के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया और टीम 105 रन के स्कोर पर अपने 5 अहम विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई थी। ऐसे दबाव के समय कप्तान सलिल अरोड़ा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने माधव पठानिया के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला, बल्कि जालंधर के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। सलिल और पठानिया ने छठे विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 115 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच का पासा पलट दिया। सलिल अरोड़ा अंत तक आउट नहीं हुए और उन्होंने 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसकी बदौलत लुधियाना ने 20 ओवर में 220/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

9 साल बाद इस बार 12 दिनों का रहेगा गणेश उत्सव

गणेश चतुर्थी का पर्व भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से मनाया जाता है। इस दिन घर में गणेशजी की स्थापना की जाती है और अनंत चतुर्दशी तक भगवान गणेश की विधि विधान से पूजा की जाती है।

गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन घर घर गणपति की स्थापना की जाती है। उनकी विधि विधान से पूजा की जाती है। गणेश स्थापना के साथ गणेश विसर्जन के साथ ही उत्सव का समापन होता है। गणेश चतुर्थी का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि, इस दिन गणेशजी का प्राकट्य हुआ था। इसलिए यह दिन गणेश जन्मोत्सव के रुप में मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी से लेकर अगले 10 दिन तक उत्सव चलता है।

गणेश उत्सव आमतौर पर 10 दिनों का होता है, लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार गणना और तिथियों के विशेष संयोग के कारण वर्ष 2026 में गणेशोत्सव 12 दिनों तक मनाया जा रहा है। यह एक दुर्लभ खगोलीय व धार्मिक संयोग है, जो लगभग 9 साल बाद (2017 के बाद) बन रहा है। इस बार कई शुभ योग में यह गणेश उत्सव मनाया जाएगा।

12 दिनों के गणेशोत्सव

गणेश स्थापना (शुरुआत): 14 सितंबर 2026 (सोमवार, भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी)
अनंत चतुर्दशी (विसर्जन): 25 सितंबर 2026 (शुक्रवार)
कारण: चन्द्र पंचांग के अनुसार तिथियों के घटने-बढ़ने (वृद्धि तिथि) और सूर्योदयकालीन तिथि गणना के कारण चतुर्थी तिथि से अनंत चतुर्दशी तक की कुल अवधि 12 दिनों की हो रही है।

इस बार का गणेश उत्सव क्यों खास है

9 साल बाद दुर्लभ संयोग: 12 दिनों का इतना लंबा गणेशोत्सव पिछली बार वर्ष 2017 में पड़ा था, जिसके बाद यह शुभ योग अब 2026 में आया है। भक्तों की
सेवा का अधिक अवसर: मान्यता के अनुसार, बप्पा का इतने लंबे समय तक घर और पंडालों में विराजमान रहना अत्यंत फलदायी होता है। श्रद्धालुओं को गणपति बाप्पा की भक्ति, सेवा और आराधना के लिए 2 दिन का अतिरिक्त समय मिल रहा है।
गौरी-गणपति पूजा का विशेष तालमेल: गणेशोत्सव के दौरान महालक्ष्मी/गौरी पूजन और गणपति स्थापना के बीच तिथियों का संतुलन बहुत शुभ माना जा रहा है।

इन उपायों से प्रसन्न होते है विघ्नहर्ता गणेश जी, पूरी करते हैं सभी मनोकामना

हिंदू संस्कृति और किसी भी तरह की पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। किसी भी शुभ काम या पूजा को शुरू करने के लिए सबसे पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। देवता भी अपने कार्यों को बिना किसी विघ्न के पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं। मान्यता के अनुसार गणेश जी की पूजा न केवल आपके कार्यों में आ रही अड़चनों को हटाती है, बल्कि आपकी हर मनोकामना को भी पूरी करती है।

हम सभी के मन में कई सारी इच्छाएं होती हैं। इनमें से कुछ पूरी हो जाती हैं जबकि कुछ अधूरी ही रह जाती हैं। ऐसे में अपनी अधूरी इच्छा को पूरा करने के लिए आप गणेशजी के चरणों में जा सकती हैं। जी हां विघ्नहर्ता गणेशजी को हमारे भाग्य विधाता भी हैं। इसलिए अगर आपकी खोई ख्वाहिश अधूरी है और उसे पूरा करना चाहती हैं तो गणेशजी आपकी हेल्प कर सकते हैं। अपनी मनोकामना को पूरा करने के लिए गणेश जी को कैसे प्रसन्न किया जाए। आइए आप भी हमारे साथ विघ्नहर्ता गणेश जी को प्रसन्न करने के टिप्स के बारे में जानें।

दूर्वा

गणेश जी को खुश करने का सबसे सस्ता और आसान उपाय दूर्वा अर्पित करना है। दूर्वा गणेश जी को इसलिए प्रिय है क्योंकि दूर्वा में अमृत मौजूद होता है। गणपति अथर्वशीर्ष में कहा गया गया है कि जो व्यक्ति गणेश जी की पूजा दुर्वांकुर से करता है वो कुबेर के समान हो जाता है। गणेश जी को कम से कम 21 दूब, 2 शमी और 2 बेल पत्र चढ़ाया जाता है। तुलसी जी गणेश जी को नहीं चढ़ाई जाती हैं।

मां बाप की सेवा

विघ्नहर्ता गणेश जी को खुश करने का सबसे अच्छा रास्ता मां-बाप की सेवा करना है। गणेश जी उसे ही अपनी भक्ति प्रदान करते हैं जो अपने माता-पिताजी और सास-ससुरजी की सेवा करता है। बुजुर्गों का सम्मान करता है। तीर्थयात्रा आदि हेल्दी रहने पर माता-पिताजी और सास-ससुर जी के साथ ही करता है। इसके अलावा वृक्ष लगाने वालों से भी गणेश जी बेहद प्रसन्न होते हैं। अपने जीवनकाल में कम से कम 108 वृक्ष लगाएं और उन्हें संतान की तरह पाले, बड़ा करें। गणेश जी इन कार्यो से अति प्रसन्न होंगे।

लड्डू

गणपति बप्पा को लड्डू खाना बड़ा पसंद हैं। ये उनके प्रिय व्यंजनों में से एक हैं। अगर आपके मन में कोई भी ख्वाहिश हैं तो आप गणेश मंदिर जाकर विघ्नहर्ता को लड्डुओं को भोग लगा सकते हैं। मूंग की दाल के लडडू गणेश जी को बहुत प्रिय होते हैं। घर में ही पूजा करें तो पूजा के पूरा होने के बाद 21 में से 15 लडडू पंडित जी को दक्षिणा सहित दान कर दें। दक्षिणा नहीं दी तो श्री कथावाचक और श्री ज्योतिषी को ही आपका पुण्य प्राप्त हो जाएगा। गर्मियों में गणेश जी को मूंग के दाल के लड्डू और सर्दियों में गणेश जी को तिल के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

जल अर्पित करना

सुबह गणेश जी के 12 नाम जपते हुए ही उठें। जो नासिका चल रही हो वही पैर गणेश जी कहते हुए रखें। नहाने के बाद सबसे पहले गणेश जी को जल उत्तर दिशा में अर्पित करें। जल को जल में ही अर्पित करना है। यानि आप जिस जगह जल चढ़ाएं वहां या तो कोई गमला रख दें या पहले से ही पानी को गिरा दें। इसके बाद ही पूर्व में सूर्य नारायण और दक्षिण दिशा में अपने पितरों को जल अर्पित करें।

फल

अगर आपके पास धन है तो रोज गणेश जी को कोई न कोई फल जरूर खिलाएं। और पूजा करके इसे तुरंत खा जाये, इसे खाना नहीं है। जामुन, अमरूद, बेल, आम, सेब, संतरा, मौसमी, चीकू, केला, अनार, आलुबुखारा, नारियल आदि मौसम के अनुसार फलों का भोग गणेश जी को लगाना चाहिए।

गणेश चतुर्थी के दिन कौन सा दीया जलाना होता है ज्यादा शुभ?

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन गणेश जी की घर में स्थापना कर उनकी पूजा की जाती है। गणेश चतुर्थी के दिन पूजा के दौरान गणेश जी के समक्ष कौन सा दीया जलाना चाहिए और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।

गणेश जी के सामने अलसी के तेल का दीया जलाना शुभ माना जाता है। ऐसे में गणेश चतुर्थी के दिन भी गणपति स्थापना के बाद उनके सामने अलसी के तेल का दीया प्रज्वलित करें। अलसी के तेल का संबंध मां लक्ष्मी से होता है। अलसी के तेल से किये गए उपाय धन को आकर्षित करने का काम करते हैं। गणेश जी के साथ मां लक्ष्मी की पूजा करना भी शुभ माना जाता है। इसमें अगर गणेश चतुर्थी पर गणपति स्थापना के बाद उनके सामने अलसी के तेल का दीया जलाया जाए तो गणेश जी घर में अपनी कृपा के साथ मां लक्ष्मी का आशीर्वाद लेकर आते हैं। इसके अलावा, अलसी के तेल का दीया गणेश जी के सामने जलाने से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और घर में मौजूद कैसा भी ग्रह या वास्तु दोष दूर होने लग जाता है। गणेश चतुर्थी के दिन अलसी के तेल में अगर कलावे की बत्ती डालकर दीया जलाया जाए तो इससे घर में शुभता आती है औरशुभ कामों में आ रही बाधाएं भी दूर होने लग जाती हैं।

बप्पा की प्रतिमा को घर लाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

हिंदू पंचांग के अनुसार गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। आइए विस्तार से जानते हैं कि पूजा से पहले किन नियमों का पालन करना महत्वपूर्ण माना जाता है।

गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो भगवान गणेश के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। गणेश जी को विघ्नहर्ता के रूप में पूजा जाता है और माना जाता है कि वे सभी शुभ कार्यों की शुरुआत से पहले पूजे जाने वाले पहले देवता हैं। गणेश जी को सभी प्रकार के विघ्नों को दूर करने वाले देवता माना जाता है। इसलिए, किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले उनकी पूजा की जाती है। आपको बता दें, गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग नए काम शुरू करते हैं और नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं। गणेश जी को सुख-समृद्धि के देवता भी माना जाता है। इसलिए, इस दिन लोग उनके आशीर्वाद के लिए पूजा करते हैं। अब ऐसे में अगर आप बप्पा को घर लाने के बारे में सोच रहे हैं, तो किन नियमों का पालन करना जरूरी माना जाता है।

दिशा का ध्यान

भगवान गणेश की प्रतिमा को स्थापित करने से पहले दिशा के बारे में जानने बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसलिए अगर आप बप्पा की प्रतिमा को स्थापित करने का सोच रहे हैं, तो हमेशा ईशान कोण दिशा का ही चुनाव करें। साथ ही बप्पा का मुख हमेशा उत्तम दिशा की ओर होना चाहिए। इसके अलावा आप पश्चिम दिशा में बप्पा की प्रतिमा को स्थापित कर सकते हैं।

बप्पा की प्रतिमा का करें सही चुनाव

वास्तु शास्त्र में बप्पा की प्रतिमा को बिना मूषक के न स्थापित करें। गणेश जी की प्रतिमा लेते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि उनके हाथों में मोचक और मूषक का होना बेहद महत्वपूर्ण है। बिना मूषक के पूजा अधूरी मानी जाती है।

प्रतिमा का रंग

अपनी इच्छा के अनुसार घर में आप बप्पा की किसी भी रंग की प्रतिमा लेकर आ सकत हैं। विशेष रूप से सफेद और सिंदूरी रंग की प्रतिमा घर में लाना सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसी प्रतिमा को घर में स्थापित करने से सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

गणेश चतुर्थी का महत्व

हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश का जन्म भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के दिन दोपहर के समय हुआ था, इसीलिए इस तिथि और समय को अत्यंत शुभ माना जाता है। वे प्रथम पूज्य, बुद्धि के दाता और विघ्नों को हरने वाले देवता हैं। कोई भी धार्मिक कार्य, विवाह, यात्रा या नया कार्य बिना गणपति पूजन के शुरू नहीं किया जाता। इस दिन का भक्तों को सालभर इंतज़ार रहता है क्योंकि यह दिन उनके लिए उत्सव, भक्ति और आनंद से भरा होता है।

गणेश चतुर्थी से पहले जरूर खरीदें ये चीजें, मिलेंगे शुभ परिणाम

हिंदू धर्म में गणेश चतुर्थी व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। गणेश चतुर्थी को गणेशोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। बता दें, इस साल गणेश उत्सव 14 सितंबर को मनाया जाएगा। भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय देवता माना गया है। सभी देवी-देवताओं से पहले बप्पा की पूजा करने का विधान है। अब ऐसे में गणेश चतुर्थी से पहले किन चीजों का खरीदना शुभ माना जाता है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं। शंख को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है। गणेश चतुर्थी के दौरान शंख बजाने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-समृद्धि लाते हैं। शंख को वास्तु दोष निवारण का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। इसे घर में सही दिशा में रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। वहीं गणेष चतुर्थी से पहले शंख को खरीदने से व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

गणेश चतुर्थी से पहले घर लाएं हरे वस्त्र

हरा रंग प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्धि का प्रतीक है। मान्यता है कि भगवान गणेश को हरा रंग बहुत प्रिय है। इसलिए, गणेश चतुर्थी के दौरान हरे रंग के वस्त्र पहनकर या गणेश जी को हरे रंग के वस्त्र अर्पित करके आप उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही गणेश चतुर्थी से पहले हरे रंग का वस्त्र अवश्य खरीदें।

गणेश चतुर्थी से पहले घर लाएं चांदी का कलश

चांदी को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। गणेश जी को धन के देवता भी माना जाता है, इसलिए चांदी का कलश लाकर घर में धन की वृद्धि होती है। इतना ही नहीं, आप इस दिन चांदी का सिक्का भी खरीद सकते हैं। इससे व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

गणेश चतुर्थी से पहले घर लाएं इलायची

इलायची को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इलायची को नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने की शक्ति मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि गणेश जी को इलायची बहुत पसंद है। इसलिए, इलायची को गणेश जी को अर्पित किया जाता है। गणेश चतुर्थी के दिन एक लाल कपड़े में 5 इलायची बांधकर अपने धन रखने वाले स्थान पर रखें, इससे धन में वृद्धि होती है।

जानिए आखिर क्यों भगवान गणेश की पीठ के दर्शन नहीं करने चाहिए

ऐसा माना जाता है कि गणेश जी सभी की मनोकामनाएं पूर्ण कर देते है और अपने भक्तों पर हमेशा अपनी कृपा हमेशा बनाए रखते हैं। अगर कोई भक्त गणेश जी की पूजा अर्चना की जाए तो उनके सभी दुख भगवान गणेश जी दूर कर देते हैं, लेकिन ऐसा माना जाता है कि कभी भी भगवान गणेश की पीठ के दर्शन नहीं करने चाहिए। चलिए जानते हैं कि इसके पीछे का कारण क्या है।

गणेशजी को रिद्धि-सिद्धि का दाता माना गया है और इनकी पीठ के दर्शन करना वर्जित किया गया है। मान्यताओं के अनुसार, गणेश जी के शरीर पर जीवन और ब्रह्मांड से जुड़े अंग निवास करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, गणेश जी के शरीर के हर अंग पर ब्रह्मांड की क्रियाएं छिपी हुई होती हैं। गणेश जी के कानों पर ऋचाएं, सूंड पर धर्म विद्यमान, दाएं हाथ में वर, बाएं हाथ में अन्न, पेट में समृद्धि, आंखों में लक्ष्य, नाभि में ब्रह्मांड, पैरों में सातों लोक और मस्तक में ब्रह्मलोक विद्यमान है। गणेशजी के सामने से दर्शन करने पर उपरोक्त सभी सुख-शांति और समृद्धि प्राप्त हो जाती है लेकिन माना जाता है श्रीगणेश की पीठ पर दरिद्रता का निवास होता है। गणेशजी की पीठ के दर्शन करने वाला इंसान अगर बहुत धनवान भी हो तो उसके घर पर दरिद्रता का प्रभाव बढ़ जाता है। इसी कारण इनकी पीठ नहीं देखना चाहिए।

भगवान गणेश की पीठ का दर्शन कर ले तो क्या करना चाहिए?

अगर आपने भगवान गणेश की पीठ के दर्शन कर लिए हैं तो श्री गणेश से क्षमा याचना मांग लेना चाहिए। ऐसा करने से इसका प्रभाव खत्म हो जाए। हिंदू धर्म के पुराणों के अनुसार, अगर आपका कोई भी काम रुक रहा हो या फिर आप कोई भी काम करने में असमर्थ हो तो भगवान गणेश का मात्र नाम लेने से ही सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

उत्तराखंड में 25 प्रतिशत तक महंगी हुई मूर्ति

महंगाई के बीच गणपति बप्पा का स्वागत

देहरादून, एजेंसी। गणेश महोत्सव की तैयारियों के बीच इस बार बप्पा का स्वागत महंगा पड़ रहा है। प्रतिमा निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और ढुलाई की लागत बढ़ने से गणेश प्रतिमाओं के दाम 25 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।

पिछले वर्ष चार हजार रुपये में मिलने वाली प्रतिमा अब करीब 5200 रुपये और 13 हजार रुपये वाली प्रतिमा 16 हजार रुपये में तैयार हो रही है। वहीं, पर्यावरण संरक्षण को लेकर आयोजन समितियां इस बार इको फ्रेंडली प्रतिमाओं को प्राथमिकता दे रही हैं। सोमवार को गणपति बप्पा शहर के विभिन्न पंडालों और घरों में विराजमान होंगे। वक्रतुंड, एकदंत, महोदर, गजानन, लंबोदर, विकट और विघ्नराज स्वरूप की प्रतिमाओं की मांग है। जूट के रेशे, बांस के डंडे, सुतली के दाम भी बढ़े 25 वर्षों से मिट्टी की मूर्ति बनाने वाले देवाराम के अनुसार, जूट के रेशे, बांस के डंडे, सुतली, पीओपी और रंग के दाम भी 15 प्रतिशत तक बढ़े हैं। इसके अलावा मूर्ति बनाने की मेहनत अलग है। प्रतिमाओं को पंडाल तक पहुंचाने का भाड़ा भी महंगा हुआ है। आठ फीट तक ऊंची प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। छोटी प्रतिमाएं 200 रुपये से भी शुरू है। ढाई फीट की जो प्रतिमा पहले 500 रुपये में तैयार होती थी, अब करीब 800 रुपये की पड़ रही है। सुतली की कीमत भी 108 रुपये से बढ़कर 260 रुपये किलो हो गई है, जबकि पराली की लागत करीब डेढ़ गुना बढ़ी है। मिट्टी की उपलब्धता भी चुनौती बनी हुई है। उनका कहना है कि मिट्टी की व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में मूर्तिकारों के सामने कारोबार जारी रखना मुश्किल हो सकता है।

मिट्टी की प्रतिमाओं पर जोर

देहरादून दुर्गाबाड़ी में पिछले 35 वर्षों से प्रतिमा तैयार कर रहे प्रद्युत कुमार ने बताया कि इस बार ढाई से सात फीट तक की पांच प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। सभी प्रतिमाएं मिट्टी से बनाई गई हैं और इनमें पानी वाले रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। गणेश महोत्सव को लेकर देहरादून में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। विभिन्न क्षेत्रों में पंडाल रंग-बिरंगी रोशनी से सज चुके हैं। रविवार देर शाम तक प्रतिमाओं को पंडालों तक पहुंचाने का सिलसिला चलेगा। सोमवार को ढोल-नगाड़ों के साथ नगर परिक्रमा के बाद पूजा-अर्चना कर बप्पा की स्थापना की जाएगी। रात को कई स्थानों पर भजन संध्या का आयोजन होगा।

चंडीगढ़ में मानसून एक बार फिर होगा एक्टिव, पांच दिन वर्षा का अलर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ समेत ट्राइसिटी में सितंबर का आधा महीना बीतने को है और मानसून एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत दे रहा है। मौसम विभाग ने रविवार से अगले पांच दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज बारिश की संभावना है। लगातार बारिश की स्थिति में निचले इलाकों और जलभराव वाले स्थानों पर परेशानी बढ़ सकती है। विभाग ने लोगों को बारिश के दौरान सावधानी बरतने और अनावश्यक बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिन के दौरान बादल छाए रहने के साथ बारिश के कई दौर देखने को मिल सकते हैं। सितंबर में मानसून की विदाई की ओर बढ़ने के बावजूद इस बार बारिश का आंकड़ा सामान्य से नीचे बना हुआ है। विभाग के अनुसार, अगले दिनों में होने वाली बारिश से सामान्य और वास्तविक बारिश के बीच का अंतर कम हो सकता है। इस सीजन अब तक चंडीगढ़ में 659.3 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो सामान्य बारिश से 18.2 एमएम कम है। सितंबर के मध्य में पहुंचने के बाद भी बारिश सामान्य से नीचे रहने के कारण अगले कुछ दिन महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। यदि तेज बारिश होती है तो सीजन के वर्षा आंकड़े में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। शनिवार को दिन में गर्मी और उमस का असर रहा, जहां अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल से दिल्ली आ रहे विमान में अचानक आई खराबी, जयपुर में कराई इमरजेंसी लैंडिंग

भोपाल। भोपाल से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट AI1886 को शनिवार, 13 सितंबर को तकनीकी समस्या के चलते जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। ऐसा करने से विमान में हड़कंप मच गया। एयर इंडिया के मुताबिक, तय सुरक्षा मानकों के तहत विमान का रूट बदला गया है। विमान ने जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। एयर इंडिया ने बताया कि जयपुर पहुंचने के बाद विमान की जांच की जा रही है। यह जांच एयर इंडिया के सुरक्षा मानकों के तहत की जा रही है। एयरलाइन के मुताबिक, यात्रियों को उनके गंतव्य दिल्ली तक जल्द से जल्द पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। एयर इंडिया ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर उसकी ग्राउंड टीम यात्रियों को तत्काल सहायता और जरूरी सहयोग मुहैया करा रही है। एयरलाइन ने इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। एयर इंडिया के अनुसार, विमान को तकनीकी समस्या के कारण डायवर्ट किया गया था और सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत विमान की आवश्यक जांच की जा रही है। इधर पंजाब के अमृतसर से एक अन्य खबर सामने आई है, जिसमें कुछ विमानों को दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा है। अमृतसर के श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के परिचालन क्षेत्र में रविवार रात कई संदिग्ध ड्रोन जैसी वस्तुएं मंडराती दिखाई दीं। इसके बाद सुरक्षा कारणों से सात उड़ानों को दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा। इनमें दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल थीं। अधिकारी के मुताबिक, रविवार रात करीब 10 बजे रनवे के पास ड्रोन जैसी वस्तुओं की गतिविधि का पता चला। इसके तुरंत बाद पंजाब पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। संदिग्ध गतिविधि के कारण करीब डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट पर सभी उड़ान संचालन रोक दिए गए।

कर्नाटक में एसआईआर के सोशल ऑडिट के लिए अभियान शुरु करेंगे प्रकाश राज

बेंगलुरु, एजेंसी। अभिनेता प्रकाश राज कर्नाटक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का सोशल ऑडिट के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू करेंगे। प्रकाश ने शनिवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि यह अभियान 20 से 30 सितंबर तक कर्नाटक के 10 जिलों में चलाया जाएगा। इस दौरान टीमें अलग-अलग बूथों पर जाएंगी और उन लोगों से साक्ष्य जुटाएंगी जिनके नाम हटा दिए गए। प्रकाश ने कहा, हम पीड़ितों से मिलेंगे। हर जिले में प्रेस मीट होगी, जिसमें पीड़ित अपनी बात रखेंगे। कर्नाटक में एसआईआर प्रक्रिया के बाद 24 अगस्त को जारी मसौदा मतदाता सूची में 4.46 करोड़ से अधिक वोटर हैं। अंतिम मतदाता सूची 27 अक्टूबर, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। प्रकाश ने कहा कि अलग-अलग राज्यों के सिविल सोसाइटी ग्रुप भी अपने साक्ष्य जुटाएंगे।

पुलिस ने किया खुलासा

सिकंदराबाद मिलिट्री हथियार चोरी: पूर्व हवलदार ने कैसे उड़ाए थे सेना के हथियार

हैदराबाद, एजेंसी। बोलारम में मद्रास रेजिमेंट की बेहद सुरक्षित आर्मरी में चोरी के मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले में गिरफ्तार किए गए पूर्व हवलदार यू. मल्लेश ने मोबाइल फोन की टॉर्च की रोशनी में ये चोरी की। मोबाइल फोन की टॉर्च की मदद से 37 साल के इस पूर्व फौजी ने अंधेरे में आर्मरी के आस-पास झाड़ियों के बीच रास्ता बनाया और खास हथियार व गोला-बारूद की पहचान की। रात के समय मद्रास रेजिमेंट का निचला स्टाफ आम तौर पर मेन पावर सप्लाई बंद कर देता था, जिससे सीसीटीवी और दूसरी सेवाएं बंद हो जाती थीं और पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता था।

'शराब के नशे में दिया वारदात को अंजाम' एक जांच अधिकारी ने बताया, 'वहां रात में अक्सर बहुत अंधेरा होता है। इस बात की पूरी जानकारी होने के कारण वह अपने साथ मोबाइल फोन ले गया था ताकि उसका इस्तेमाल रोशनी के लिए कर सके। पूछताछ के दौरान जब मल्लेश से पूछा गया कि क्या उसे अपराध करते समय डर नहीं लगा तो आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि शराब के नशे में होने के कारण उसमें हथियार चुराने की हिम्मत आ गई थी।'

बता दें कि किसी भी समय दो गार्ड पहरेदारी की ड्यूटी पर होते थे। एक गार्ड एक ही जगह पर तैनात रहता था, जबकि दूसरा शस्त्रागार के चारों ओर चक्कर लगाता था। पुलिस का दावा है कि गोला-बारूद वाले कमरे में चोरी करने में लगभग डेढ़ घंटे का समय लगा। गश्त कर रहे गार्ड की नजर से बचने के लिए मल्लेश झाड़ियों में छिपकर आगे बढ़ा।

पुलिस मल्लेश तक कैसे पहुंची

आर्मरी (हथियार रखने की जगह) तक पहुंच रखने वाले लोगों (चाहे वे अभी काम कर रहे हों या रिटायर हो चुके हों) की पहचान करते हुए अधिकारी नागरकुर्नूल में मल्लेश तक भी पहुंचे। उससे पूछताछ की गई और उसके फोन की भी जांच की गई। मल्लेश से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को कोई शक नहीं हुआ और वे यह कहकर लौट आए कि जरूरत पड़ने पर उसे उपलब्ध रहना होगा। एक संयुक्त ऑपरेशन में तेलंगाना पुलिस और मिलिट्री इंटेलिजेंस की सदर्न कमांड लाइजन यूनिट के अधिकारियों की टीम ने दो हफ्ते से भी कम समय में इस हाई-प्रोफाइल मामले को सुलझा लिया। एमआई अधिकारियों ने तेलंगाना पुलिस के साथ मिलकर काम किया।

मेरी जमीन हड़प ली, इंसाफ के लिए सीधे पीएम मोदी के पास पहुंचा उनका पुराना क्लासमेट; सीबीआई जांच की मांग

मुंबई, एजेंसी। मीरा रोड के रहने वाले 81 वर्षीय असगरअली वोहरा ने दशकों पुराने भूमि विवाद में न्याय पाने और मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर अपने स्कूल के क्लासमेट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दरवाजा खटखटाया है। गुजरात के वडनगर स्थित बी.एन. स्कूल में पीएम मोदी के साथ पढ़ाई कर चुके असगरअली वोहरा ने 8 सितंबर को प्रधानमंत्री से मुलाकात की और इस विवाद में हस्तक्षेप की मांग की। वोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद उन्हें न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पीएम मोदी और वोहरा की मुलाकात की तस्वीरें और एक प्रेस नोट जारी करते हुए उम्मीद जताई कि मोदी अपने बचपन के दोस्त को न्याय जरूर दिलाएंगे।

क्या है पूरा जमीन विवाद?

वोहरा ने 1989 में एक पंजीकृत समझौते के माध्यम से भायंदर पूर्व के नवघर में लगभग 2,810 वर्ग मीटर जमीन खरीदी थी। उनका आरोप है कि साल 2011 में स्वयम् बिल्डर्स और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस ने उनकी इस जमीन पर अतिक्रमण कर लिया। बता दें कि यह कंपनी बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता से जुड़ी हुई है। वोहरा का आरोप है कि संपत्ति के संबंध में फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और मूल मालिक को इसके बारे में पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया। उन्होंने आगे यह भी आरोप लगाया कि जमीन को दो हिस्सों में बांट दिया गया और उस पर स्वयम् बिल्डर्स तथा सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस के नाम से कब्जा दिखा दिया गया। इस मामले में 2015 में एक एफआईआर भी दर्ज की गई थी, और वर्तमान में यह मामला अदालत में लंबित है। वोहरा ने बताया कि वे तब से राजस्व विभाग, नगर निगम के अधिकारियों और पुलिस से लगातार समाधान की गुहार लगा रहे थे। प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकात के बाद, अब नगर निगम प्रशासन ने इस मामले का संज्ञान लिया है। मामले में 16 सितंबर को एक सुनवाई निर्धारित की गई है और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस तथा स्वयम् बिल्डर्स के प्रतिनिधियों को इस सुनवाई में उपस्थित रहने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

लखनऊ में ससुराल वालों ने छिपाया पति का बड़ा सच, अब 25 लाख के दहेज के लिए विवाहिता पर ढा रहे जुल्म

लखनऊ, एजेंसी। बाबू बनारसी दास (बीबीडी) थाना क्षेत्र में पति की गंभीर बीमारी छिपाकर शादी करने और बाद में 25 लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। विवाहिता की शिकायत पर पति, सास और ननद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी और धोखाधड़ी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हुई है। जौनपुर निवासी तृप्ति सिंह की शादी दो दिसंबर 2022 को श्रवण सदन, राजाजीपुरम निवासी शशांक सिंह से हुई थी। वर्तमान में तृप्ति बीबीडी क्षेत्र स्थित ओमेगा ग्रीन पार्क आर्किड हाइट्स में रहती हैं। उनका आरोप है कि शादी में मायके वालों ने दान-दहेज, आभूषण, कपड़े और घरेलू सामान दिया था। शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल वालों ने अतिरिक्त दहेज के रूप में 25 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न किया जाने लगा। विवाहिता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद पति ने लंबे समय तक उसके साथ सामान्य वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं किए। इस बारे में पूछने पर वह नाराज हो जाता और कई-कई दिन तक उससे बात नहीं करता था। लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के कारण उसका स्वास्थ्य भी बिगड़ गया। संक्रमण और अत्यधिक कमजोरी होने लगी। 28 नवंबर 2024 को पति की चिकित्सकीय जांच कराई गई।

240 लोगों को लेकर निकला जहाज जावा सागर में लापता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में 240 लोगों को लेकर जा रहे एक यात्री जहाज का जावा सागर में संपर्क टूट गया है। इसके बाद रविवार को अधिकारियों ने जहाज की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के दक्षिण कालीमंतन प्रांत की राजधानी बंजरमासिन जा रहा था। बंजरमासिन स्थित सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, उन्हें सूचना मिली थी कि यात्रा के दौरान जहाज की संचार व्यवस्था ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद बचाव एजेंसियों ने जहाज की आखिरी ज्ञात लोकेशन का पता लगाकर तलाश शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, जहाज की आखिरी ज्ञात स्थिति जावा सागर में थी। यह स्थान बंजरमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जहाज में कुल 240 लोग सवार थे। फिलहाल जहाज पर सवार किसी व्यक्ति के हताहत होने की कोई तत्काल सूचना नहीं है। बचाव दल समुद्र में जहाज की तलाश कर रहा है। फिलहाल जहाज से संपर्क टूटने की वजह और उसके वर्तमान स्थान की जानकारी सामने नहीं आई है। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया से दक्षिण कालीमंतन की राजधानी बंजरमासिन के लिए रवाना हुआ था। यात्रा के दौरान जावा सागर में इसका संपर्क टूट गया। अधिकारी जहाज की आखिरी लोकेशन के आधार पर खोज अभियान चला रहे हैं।

फिलीपींस नाव हादसा: जली हुई यात्री नौका से बरामद हुए और शव

कोरोन, एजेंसी। फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकर्मियों ने शनिवार को और शव बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं। नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे। यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई। आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे व्यक्ति के हवाले से बताया कि आग संभवतः सामान रखने वाले हिस्से से शुरू हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने एक विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।

2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।

3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।

4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।

इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनज़र समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-

1- विमल कुमार ...
मोबाइल नम्बर- 9811477204

2- ...
मोबाइल- 9810229192

3- ...
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा

आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें

0120-4152063,

9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नज़र पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और

वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए

भेदी नज़र समाचार पत्र के ग्राहक बनें

मात्र 700 रुपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहला इनाम

एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मैंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नज़र के वार्षिक मैम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नज़र प्रत्येक माह की पहली तारिख को छप्पन छपेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशन्स्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10 फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा।
पीआरबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान, संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा।